उसे कॉन्सर्ट में कभी नहीं ले...' जाह्नवी कपूर ने वीर पहाड़िया को दी ऐसी एडवाइस, भड़क गए सोशल मीडिया यूजर्स

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 27
न्यूनतम - 20

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 301 RNI NO.43285/85 | संस्करण- नगर | मुजफ्फरनगर शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 | आश्विन शुक्ल 20 विक्रमी संवत | पृष्ठ ६12 | मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

यूपी में व्यवस्था परिवर्तन के लिए हिंसा पड़ेगी भारी!

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में व्यवस्था बदलने के लिए युवा अगर सड़क पर उतरकर हिंसा करते हैं तो उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। राज्य सरकार ने अलग-अलग विभागों, परिषदों, निगमों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले कैंडीडेट्स के चरित्र प्रमाण पत्र से जुड़े नियमों में यह बदलाव किया

है। यूपी में नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के अपर मुख्य सचिव एम. देवराज ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति ऐसे संगठन का सदस्य है, जिसका मकसद हिंसा के जरिए समाज की व्यवस्था बदलना है, तो उसे सरकारी नौकरी के लिए अयोग्य माना जाएगा। हालांकि, किसी को उसकी राजनीतिक विचारधारा के आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जाएगा। नए नियमों में हत्या, डकैती, बलात्कार, महिला की इज्जत को ठेस पहुंचाने, भ्रष्टाचार, आतंकवादी गतिविधियों, पेपर लीक और सॉल्वर गैंग से जुड़े मामलों को भी शामिल किया गया है।

इजराइल चुनाव में विदेशी दखल का शक गहराया

- चुनाव आयोग हुआ ऐक्टिव,जांच के दिए आदेश

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल में 27 अक्टूबर को हुए संसदीय चुनाव में विदेशी दखल की आशंका जताई गई है। चुनाव आयोग ने जांच एजेंसी शिन बेट को मामले की जांच के आदेश दिए हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, एजेंसी एक हफ्ते में

जांच रिपोर्ट सौंपेगी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को शक है कि कतर और तुर्किये से इजराइल और वेस्ट बैंक में पैसे भेजे गए। इनका इस्तेमाल अरब नागरिकों की फंडिंग के लिए किया गया। चुनाव खत्म होने के बाद दूसरे दिन भी मतों की गिनती जारी है। अब तक 92.6 फीसदी वोटों की गिनती हुई है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और विपक्षी नेता आइजनकोट दोनों बहुमत से दूर हैं।

आजम को जमानत, लेकिन बाहर आना होगा मुश्किल

- बेटा जेल से छूटेगा, 2 पैन कार्ड मामले में 10 साल की सजा सस्पेंड

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला की 10 साल की सजा को हाईकोर्ट ने सस्पेंड कर दिया। दोनों को जमानत भी दे दी। गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डबल पैन कार्ड

मामले में यह फैसला सुनाया है। हालांकि, कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद अब्दुल्ला के जेल से बाहर निकलने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, आजम अभी जेल से बाहर आएंगे या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। वजह आजम के खिलाफ अभी दो पेंडिंग केस हैं। आजम के खिलाफ एक मामला ईडी ने हाल ही में दर्ज किया है। जबकि एक मामला 10 सितंबर का है, जिसमें यूपी विजिलेंस ने आजम के खिलाफ केस दर्ज किया था।

ओडिशा में 'अर्नब' का कहर बाढ़ में घिरे हैं 300 गांव

आंध्र प्रदेश में रेलवे पुल डूबा,कई जगह होर्डिंग उखड़े

एमपी-राजस्थान सहित 15 राज्यों में बारिश-ठंड बढ़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान अर्नब भले ही कमजोर पड़ गया है लेकिन देश भर में इसका असर जारी है। चक्रवात ने सबसे ज्यादा ओडिशा और आंध्र प्रदेश में तबाही मचाई है। दोनों राज्यों में करीब 6 लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के गंजाम जिले में लगातार 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। करीब 300 गांवों में बाढ़ आ गई है। राज्य सरकार इन इलाकों में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से निकालने की तैयारी कर रही है। राज्य में अब तक करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर

पहुंचाया गया है। वहीं, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में एक रेलवे पुल पानी में डूब गया है, जिसके चलते दोनों ओर से ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। प्रशासन फंसे यात्रियों को सड़क के रास्ते निकालने की तैयारी कर रहा है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में हजारों पेड़ गिर गए हैं। कई पुल और सड़कें भी बह गई हैं। चक्रवात के असर से मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार और उत्तर प्रदेश समेत 15 राज्यों में भी बुधवार रात से बारिश हो रही है। इन राज्यों में अगले दो दिन बारिश जारी रह सकती है।

चक्रवात अब डीप डिप्रेशन में बदला

चक्रवात अर्नब मंगलवार देर रात करीब 3.30 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 125 से 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, चक्रवात अर्नब कमजोर होकर डीप डिप्रेशन में बदल गया है। गुरुवार सुबह तक इसके डिप्रेशन और शाम तक कम दबाव वाले क्षेत्र में बदलने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात अर्नब का असर दूसरे दिन भी मध्य प्रदेश में दिख रहा है। भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। गुरुवार सुबह सिंगरौली, पांढुर्णा, रायसेन, विदिशा, भोपाल और सागर में बारिश हुई। पांढुर्णा की मंडी में खुले में रखा हजारों क्विंटल मक्का भीग गया। वहीं, नर्मदापुरम जिले के पिपरिया में सुबह से धूप नहीं निकली। आसमान में धुंध छाई रही और ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट महसूस की गई। मंडला में बुधवार शाम तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। मौसम विभाग ने गुरुवार को जिले में कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है।

80 हजार का इंजेक्शन मात्र 7 हजार में मिलेगा

कैंसर की 543 दवाओं के दाम घटे,नई कीमतें 9 नवंबर से लागू होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कैंसर की 543 दवा ब्रांडों और पैक की कीमतों में बदलाव किया गया है। राष्ट्रीय नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के फैसले के बाद 397 यानी 73 फीसदी

दवाओं के दाम घटाए गए हैं। इनमें 217 दवाओं की कीमत आधे से भी कम हो गई है। 97 ब्रांड की दवाओं की कीमतों में 70 से ज्यादा और 50 में 80 फीसदी से ज्यादा कटौती हुई है। पांच दवाओं की कीमतों में 90 फीसदी से ज्यादा कटौती हुई है। सबसे बड़ी कटौती सैमटेपा इंजेक्शन में हुई है। इसकी कीमत 80,071 से घटाकर 7,150 कर दी गई है। पैलबोप्रो दवा के 21 कैप्सूल वाले पैक की कीमत 40,421 से घटकर 2,720 हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एजेंसी से सवाल किया था कि दवाओं की कीमतों पर लगाम क्यों नहीं लगाई जा रही। इसके बाद कंपनियों ने नई कीमतें जारी की हैं, जो 9 नवंबर से लागू होंगी। हालांकि, 146 ब्रांड-पैक की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकार ने 137 एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन को 30 फीसदी तक सीमित किया है।

कुछ महंगी दवाओं के दाम कम नहीं हुए

कैंसर की कई दवाओं के दाम घटाए गए हैं, लेकिन कुछ महंगी दवाओं की कीमतें पहले जैसी ही हैं। इनमें इम्यूनोथेरेपी की दवा कीट्रूडा भी शामिल है, जिसका इस्तेमाल 21 से ज्यादा तरह के कैंसर के इलाज में होता है। इसकी कीमत अभी भी 2,16,500 है। ब्रेस्ट कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने वाली रिबोसाइक्लिब की कीमत भी 24,435 पर बनी हुई है। इसके अलावा टैग्रिसो, टेसेंट्रिक, डार्जालेक्स और इम्फिंजी जैसी दवाओं के दामों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। पेटेंट वाली दवाओं के दाम घटाना मुश्किल है, क्योंकि ये नई तकनीक और पेटेंट अधिकारों से जुड़ी होती हैं। कीमतें कम होने पर कंपनियां भारत में इनकी सप्लाई घटा या बंद कर सकती हैं। कैंसर और अन्य बीमारियों की दवाओं पर ज्यादा मुनाफा वसूलने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। हाल ही में कोर्ट में 13 हजार के इंजेक्शन को 1 लाख से ज्यादा में बेचने का मामला भी उठा था।

पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद कर रहा

सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमत और रिटेलर को मिलने वाली कीमतों में भारी अंतर पर सरकार से सवाल किए। कोर्ट ने पूछा कि पूरा सिस्टम दवा निर्माताओं की मदद क्यों कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि सरकार की नजरों के सामने यह सब हो रहा है, क्या इसे ऐसे ही बेलगाम चलने देना चाहिए। दोनों मामलों की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। सुप्रीम कोर्ट ने एंटी-कैंसर दवाओं का ट्रेड मार्जिन के 30 फीसदी तक सीमित करने पर केंद्र के जवाब को मुश्किल से कुछ खुश होने लायक बताया था। कोर्ट ने सवाल किया था कि सरकार दूसरी दवाओं के ट्रेड मार्जिन की सीमा तय क्यों नहीं कर सकती। अस्पतालों के कैंसर दवाओं पर भारी मुनाफा जोड़े जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी आलोचना का सामना कर चुके केंद्र ने कहा था कि उसने एंटी-कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन के 30 फीसदी तक सीमित करने का अहम फैसला लिया है। केंद्र के मुताबिक, इस फैसले से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है।

जमीन में गाड़े नीले ड्रमों से निकला 'खजाना'

500-500 के नोटों के बंडल से भरा था ड्रम

प्रयागराज (एजेंसी)। नीला ड्रम की बात सामने आते ही लोगों के जहन में डर पैदा हो जाता है। मेरठ की मुस्कान का नीला ड्रम वाला कांड के बारे में हर कोई जानता है। मुस्कान ने अपने पति की हत्या करने के बाद नीले ड्रम में रख दिया था। इसके बाद से नीला ड्रम क्राइम का प्रयाय बना हुआ है। अब प्रयागराज में भी एक नीला ड्रम पुलिस को बरामद हुआ है। इस बार नीला ड्रम में कोई लाश नहीं बल्कि नोटों के बंडल मिले हैं। नवाबगंज थाना क्षेत्र के बरईपुर

गांव में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने एक घर पर दबिश देकर जमीन के अंदर गाड़े गए तीन नीले ड्रमों को बरामद किया। ड्रमों को खोलने पर उनके अंदर 500-500 रुपये की नोटों की सैकड़ों बंडल भरे दिखे। नीला ड्रम वो भी नोटों से भरे हुए मिलने की घटना से क्षेत्र में खलबली मच गई।

मकान के अंदर कमरे की जमीन खोदकर ड्रम बरामद

पूरा मामला यह है कि बरईपुर रामनगर गांव में बुधवार देर शाम मुंबई पुलिस और प्रयागराज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा एक राजेश यादव और राकेश यादव उर्फ महाकाल के मकान को घेर कर तलाशी अभियान शुरू किया गया। मकान के अंदर एक कमरे की जमीन खोदकर पुलिस ने 03 नीला ड्रम बरामद किया। ड्रम को खोलने पर पता चला कि उसमें पांच 500 – 500 नोटों की गड्डियां भरी हुई है। बरामद रकम चार से पांच करोड़ रुपये होने की आशंका है। मामले में पुलिस गांव के चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। सूचना पर एडीसीपी पुष्कर वर्मा समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे गए थे।

पटना की सड़कों पर 'आक्रोश' घेराबंदी तोड़ो, आगे बढ़ो!

- फूटा दारोगा अभ्यर्थियों का गुस्सा, पुलिस बैरिकेडिंग तहस-नहस

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना में दारोगा भर्ती के अभ्यर्थियों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। 1799 पदों के लिए आयोजित दारोगा मुख्य परीक्षा को रद्द किए जाने के निर्णय से नाराज सैकड़ों अभ्यर्थी

मुख्यमंत्री आवास (लोक सेवक आवास) का घेराव करने के मकसद से सड़कों पर उतर आए। पुलिस की ओर से गांधी मैदान और जेपी गोलंबर पर की गई सख्त घेराबंदी और बैरिकेडिंग को तोड़ते हुए उग्र अभ्यर्थी डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ गए। अभ्यर्थियों का आरोप है कि पिछले एक महीने से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के बाद भी शासन-प्रशासन की ओर से उनकी मांगों की लगातार अनदेखी की गई।

आरएसएस में पहली बार बनेंगी राज्य इकाइयां

11 क्षेत्र घटकर अब 9 होंगे,46 प्रांतों से 90 संभाग बनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने संगठनात्मक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। प्रस्तावित बदलावों में क्षेत्र घटाना और नए संभाग बनाना शामिल है। सूत्रों के मुताबिक, आरएसएस के 11 क्षेत्र घटाकर 9 किए जाएंगे। मौजूदा 46 प्रांतों की जगह करीब 90 संभाग बनाए जाएंगे। आरएसएस पहली बार राज्य स्तर पर संगठनात्मक इकाइयां बनाएगा। इनमें केवल राज्य प्रचारक और राज्य कार्यवाह होंगे। इस व्यवस्था में राज्य संघचालक का पद नहीं होगा। संघ की अखिल भारतीय

कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक 2 से 4 नवंबर तक मध्यप्रदेश के इंदौर में होगी। तीन दिन की बैठक में संगठन के पुनर्गठन, शताब्दी वर्ष की गतिविधियों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होगी।

संगठन में विकेंद्रीकरण की तैयारी

प्रस्तावित बदलावों का मकसद संघ के कामकाज को विकेंद्रीकृत करना है। इसके तहत जिम्मेदारियां ज्यादा प्रभावी ढंग से बांटी जाएंगी और अलग-अलग स्तरों पर तालमेल बेहतर किया जाएगा। अधिक संख्या में संभाग बनने से संगठनात्मक गतिविधियों का प्रबंधन आसान होने की उम्मीद है। इससे अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यक्रमों को लागू करने में भी मदद मिलेगी। आरएसएस के मौजूदा संगठनात्मक ढांचे में अलग से राज्य स्तर की इकाई नहीं थी।

इंडिया ब्लॉक से गठबंधन कर सकती है सीजेपी

कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा,1 नवंबर की रैली को समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने विपक्ष की 1 नवंबर की रैली का समर्थन किया है। सीजेपी नेता

आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी के लोग रामलीला मैदान में होने वाली रैली में शामिल हो सकते हैं। सीजेपी ने इंडिया ब्लॉक से गठबंधन के संकेत भी दिए हैं। उसने इस पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा है। वहीं, राहुल गांधी ने गुरुवार को छात्र संगठनों से भी 1 नवंबर के दिल्ली चलो मार्च में आने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस-लाठीचार्ज की चिंता नहीं करें। घबराने की जरूरत नहीं है। इस रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई। इसमें प्रियंका गांधी वाड्रा समेत गठबंधन के कई नेता पहुंचे। इंडिया ब्लॉक और सीजेपी दोनों ही एसआईआर और वोटरों के नाम काटे जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

बंगाल बॉर्डर पर 'फेंसिंग' देख तिलमिलाया बांग्लादेश

जवानों पर फेंके पत्थर तो बीएसएफ ने दिया मुंहतोड़ जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है। शुभेंदु अधिकारी सरकार द्वारा 1100 एकड़ से अधिक जमीन सौंपे जाने के बाद, सीमा सुरक्षा बल ने कई संवेदनशील इलाकों में निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। यह जमीन कई सालों से उपलब्ध नहीं हो पा रही थी। राज्य के गृह विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सरकार ने मई से अब तक बीएसएफ को 1177.1 एकड़ जमीन सौंपी है। इससे एक बड़ी प्रशासनिक बाधा दूर हो गई है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय सीमा के कुछ हिस्सों पर बाड़ लगाने का काम रुका हुआ था। इधर भारत- बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग का काम देखकर पड़ोसी देश तिलमिला गया है। बंगाल की ओर हो रही बाड़बंदी अब नजर आने लगी है। ऐसे में बाग्लादेश तिलमिला रहा है। फेसिंग का काम जल्द पूरा हो जाएगा और घुसपैठ पूरी तरह से बंद हो जाएगी। सूत्रों की मानें तो बांग्लादेश की तरफ से फेंसिंग का काम कर रहे मजदूरों पर और तैनात बीएसएफ की ओर पत्थर फेंके गए।

1270 एकड़ जमीन पर होनी है बाड़बंदी

गृह मंत्रालय ने सीमा पर बाड़ लगाने के लिए लगभग 1270 एकड़ जमीन के अधिग्रहण हेतु फंड मंजूर किया था। सितंबर की शुरुआत तक, इसमें से लगभग 93 एकड़ जमीन का औपचारिक हस्तांतरण होना बाकी था। बीजीबी प्रमुख ने बंगाल सरकार के साथ प्रगति की समीक्षा की अक्टूबर के मध्य में कोलकाता में बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के बीच हुई बैठक में बाड़ लगाने के काम की प्रगति पर भी चर्चा हुई।

संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में निर्माण कार्य जारी

मुर्शिदाबाद के जलांगी जैसी जगहों पर बाड़ लगाने का काम शुरू हो गया है। यहां अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास खेतों के किनारे वी-आकार के कंटीले तारों वाले ढांचे और जालीदार पैनल लगाए जा रहे हैं। इस काम का उद्देश्य मौजूदा बाड़ नेटवर्क में मौजूद खाली जगहों को भरना और संवेदनशील हिस्सों पर आवाजाही की निगरानी करने की बीएसएफ की क्षमता को मजबूत करना है। बाड़ लगाने के लिए सबसे अधिक जमीन मुर्शिदाबाद को आवंटित की गई है, जहां 362.8 एकड़ जमीन बीएसएफ को सौंपी गई है।

अनमोल वचन

अपने सुख-दुख, उन्नति-अवनति, कल्याण, अकल्याण और स्वर्ग-नरक का कारण मनुष्य स्वयं है। फिर दुख अथवा आपत्ति के समय भाग्य के नाम पर सन्तोष कर लेना और भावी सुधार के प्रति अकर्मण्य बन जाना ठीक नहीं है। ऐसी स्थिति आने पर हमें यह अनुभव कर लेना चाहिये कि हमसे अवश्य ही कोई न कोई भूल हुई है। उस पर पश्चाताप कैसे किया जाये। वह ऐसे कि भविष्य में कोई भूल न हो। भाग्य का नाम लेकर अपने जीवन में निराशा, निरुत्साह को स्थान मत दीजिये। आपका गौरव निरन्तर आगे बढ़ते रहने में है। परमात्मा का वरद हस्त सदैव आपके मस्तक पर है। वह आपका पिता, अभिभावक, संरक्षक, पालक, सब कुछ है। उसकी अकृपा भला आप पर क्यों होगी। क्या यह सच नहीं है कि उसने आपको यह अमूल्य मनुष्य शरीर दिया है। बुद्धि दी है, विवेक दिया है। अपनी इन शक्तियों से भी काम लीजिये। इनका सदुपयोग कीजिये फिर देखिये आपका भाग्य बनता है या नहीं? भाग्य सदा पुरुषार्थी का ही साथ देता है। जो निश्चेष्ट, निरुद्यमी और आलसी कुछ करना चाहते नहीं, भाग्य और भगवान को कोसने में अपनी शक्ति का दुरुपयोग अवश्य करते हैं।

एग्रीस्टैक और डिजिटल क्रॉप सर्वे की खामियों में फंसे किसान, समर्थन मूल्य पर धान खरीद के लिए धर्मेंद्र मलिक ने सीएम से मांगी राहत

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र, पंजीकरण की अनिवार्यता से छूट देने और स्थलीय सत्यापन के बाद धान खरीदने की मांग

मुजफ्फरनगर। एग्रीस्टैक पंजीकरण और डिजिटल क्रॉप सर्वे में सामने आ रही त्रुटियों के कारण किसानों को सरकारी क्रय केंद्रों पर धान बेचने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खेतों में धान की फसल खड़ी होने के बावजूद सर्वे में दूसरी फसल दर्ज होने, गाटा संख्या में गड़बड़ी और तकनीकी समस्याओं के चलते कई किसानों का पंजीकरण नहीं हो पा रहा है। इस समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर प्रभावित किसानों को राहत देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि डिजिटल व्यवस्था की खामियों का खामियाजा किसानों को नहीं भुगतना चाहिए और पात्र किसानों की धान खरीद सुनिश्चित की जानी चाहिए। धर्मेंद्र मलिक ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में डिजिटल क्रॉप सर्वे और एग्रीस्टैक के तहत किसान पंजीकरण की प्रक्रिया में व्यावहारिक दिक्कतें सामने आ रही हैं। कई किसानों के खेतों में धान की फसल होने के बावजूद डिजिटल सर्वे अथवा ई-खसरा में उर्द, मक्का, मूंग, बाजरा या दूसरी फसल दर्ज हो गई है। इसके अलावा गाटा संख्या और भूमि संबंधी विवरण में त्रुटियों के कारण भी पंजीकरण तथा सरकारी खरीद की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है।

पंजीकरण नहीं होने से सरकारी क्रय केंद्रों पर बिक्री में परेशानी

पत्र में कहा गया है कि पंजीकरण नहीं होने के कारण किसानों को सरकारी क्रय केंद्रों पर धान बेचने में कठिनाई हो रही है। ऐसे में किसान अपनी उपज बेचकर अगली फसल की तैयारी और खेती से जुड़े खर्चों की व्यवस्था करने के लिए मजबूर हैं। आरोप है कि कई किसान सरकारी समर्थन मूल्य से कम कीमत पर खुले बाजार और मंडियों में धान बेच रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि किसानों के खेतों में वास्तविक रूप से कौन सी फसल खड़ी है, इसका सही विवरण दर्ज करना संबंधित सर्वे व्यवस्था की जिम्मेदारी है। यदि डिजिटल सर्वे में गलत फसल दर्ज हो जाती है या तकनीकी त्रुटि के कारण पंजीकरण रुक जाता है, तो इसकी सजा किसान को नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को सरकारी खरीद का लाभ देने के लिए ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे सर्वे और पंजीकरण की गड़बड़ियों के बावजूद पात्र किसान अपनी उपज बेच सकें।

पंजीकरण की अनिवार्यता से छूट या वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में धर्मेंद्र मलिक ने मांग की है कि डिजिटल क्रॉप सर्वे और एग्रीस्टैक पंजीकरण की त्रुटियों के कारण पंजीकरण नहीं करा पाने वाले किसानों को तत्काल राहत दी जाए। जब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होता, तब तक ऐसे किसानों को पंजीकरण की अनिवार्यता से छूट दी जाए या उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था लागू की जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि संबंधित किसानों की खतौनी, आधार, बैंक विवरण और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन कराकर उनकी धान की खरीद सुनिश्चित की जा सकती है। इससे वास्तविक किसान सरकारी खरीद से वंचित नहीं होंगे और उन्हें समर्थन मूल्य का लाभ मिलने का रास्ता खुल सकेगा।

मंडियों में कम कीमत पर धान बेचने की मजबूरी से बचाने की मांग

पत्र में यह भी कहा गया है कि पंजीकरण और सर्वे की त्रुटियों के कारण सरकारी क्रय केंद्रों पर धान नहीं बेच पाने वाले किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाने के लिए प्रभावी राहत व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि किसान को खेती की अगली फसल के लिए धन की जरूरत होती है। ऐसे में खरीद प्रक्रिया में देरी होने पर उसे मजबूरी में अपनी उपज खुले बाजार में कम कीमत पर बेचनी पड़ सकती है। उन्होंने मांग की कि ऐसे किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए समयबद्ध व्यवस्था बनाई जाए, ताकि वे सरकारी खरीद का लाभ लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने में ही न उलझे रहें। धान खरीद की समय-सीमा को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश जारी किए जाने की भी मांग की गई है।

गलत सर्वे को सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर

धर्मेंद्र मलिक ने डिजिटल क्रॉप सर्वे में गलत फसल दर्ज होने, गाटा संख्या और भूमि संबंधी विवरण में गड़बड़ियों को दूर करने के लिए विशेष सुधार अभियान चलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि किसानों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाना चाहिए। जिन खेतों में वास्तविक फसल का विवरण सर्वे में दर्ज नहीं हुआ है, वहां स्थलीय सत्यापन कराकर सही जानकारी दर्ज की जाए। उन्होंने सर्वे में लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करने की भी मांग की। पत्र में कहा गया है कि जब तक सर्वे और पंजीकरण से संबंधित शिकायतों का निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक किसी पात्र किसान को केवल तकनीकी या विभागीय त्रुटि के आधार पर सरकारी खरीद और अन्य पात्र सुविधाओं से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

कृषि उत्पादन आयुक्त और प्रमुख सचिवों को भी भेजी प्रतिलिपि

धर्मेंद्र मलिक ने मुख्यमंत्री से इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक शासनादेश जारी कराने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का उद्देश्य किसानों को सुविधाएं उपलब्ध कराना, पारदर्शिता बढ़ाना और सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना होना चाहिए। तकनीकी व्यवस्था में गड़बड़ी के कारण किसानों को समर्थन मूल्य से कम कीमत पर धान बेचने के लिए मजबूर करना उनके आर्थिक हितों के प्रतिकूल है।

मीरापुर थाने में पशु क्रूरता रोकने की दिलाई शपथ, भैंसा दौड़ पर प्रतिबंध की दी जानकारी

मीरापुर। कार्तिक पूर्णिमा के मेले में होने वाली भैंसा दौड़ पर रोक लगाने और पशु क्रूरता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए मीरापुर पुलिस ने पहल की है। गुरुवार को थाने में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित कर भैंसा दौड़ में शामिल होने वाले करीब एक दर्जन लोगों को पशुओं के साथ क्रूरता नहीं करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही सभी से शपथ पत्र भी भरवाए गए।

थाना प्रभारी इंद्रजीत सिंह ने बताया कि ग्राम किथौड़ा, मुझेडा, भूम्मा, खेड़ी सराय, चूड़ियाला और कुतुबपुर सहित विभिन्न गांवों के लोगों को थाने बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान के मेले में कुछ लोग अपनी भैंसों को लेकर पहुंचते हैं और दौड़ प्रतियोगिता आयोजित करते हैं। इस दौरान पशुओं को तेज दौड़ाया जाता है तथा उनके साथ क्रूरता की जाती है। कई बार इस तरह की प्रतियोगिताओं में दुर्घटना होने की आशंका भी बनी रहती है। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों को बताया कि न्यायालय के आदेशानुसार भैंसा दौड़ प्रतिबंधित है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने या ऐसी प्रतियोगिता आयोजित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान सभी लोगों ने पशुओं के साथ क्रूरता नहीं करने और कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले में भैंसा दौड़ का आयोजन नहीं करने की शपथ ली। सभी ने शपथ पत्र भरकर पुलिस को सौंप दिए। पुलिस ने ग्रामीणों से कानून का पालन करने और पशुओं के प्रति संवेदनशील रहने की अपील की।

खतौली में श्रद्धा और उल्लास के साथ मना करवा चौथ: चंद्र दर्शन कर सुहागिनों ने खोला निर्जला व्रत

श्यामपुरी पंजाबी कॉलोनी में हुआ सामूहिक पूजनः पंडित बॉबी शर्मा ने विधि-विधान से कराई करवा माता की कथा

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बे में सुहागिनों का पवित्र पर्व करवा चौथ श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उल्लास के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। पति की दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य और सुखी दांपत्य जीवन की कामना को लेकर महिलाओं ने पूरे दिन निर्जला व्रत रखा। सुबह से ही घरों में पूजा की तैयारियां और मंदिरों में धार्मिक माहौल नजर आया। हाथों में मेहंदी, पारंपरिक परिधान, चूड़ियां और सोलह श्रृंगार कर महिलाओं ने इस पावन पर्व की परंपराओं को उत्साहपूर्वक निभाया।

श्यामपुरी पंजाबी कॉलोनी में सामूहिक पूजा, उमड़ा उत्साह

पर्व के अवसर पर कस्बे की श्यामपुरी पंजाबी कॉलोनी में भव्य सामूहिक पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पंडित बॉबी शर्मा ने शास्त्रीय विधि-विधान के साथ सामूहिक पूजन संपन्न कराया और करवा माता की कथा सुनाई। महिलाओं ने एक साथ बैठकर पूजा की, एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं और परिवार में सुख, शांति तथा समृद्धि की कामना की। सामूहिक पूजन के चलते पूरी कॉलोनी में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

चंद्र दर्शन के बाद खोला व्रत, छलनी से दीदार की रस्म

दिनभर उपवास रखने के बाद शाम होते ही महिलाओं को चंद्रमा के निकलने का बेसब्री से इंतजार रहा। चंद्र दर्शन होते ही सुहागिनों ने अर्घ्य देकर पूजन किया। इसके बाद पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार छलनी से चंद्रमा और अपने पति का दीदार किया तथा पति के हाथों जल ग्रहण कर अपना व्रत खोला। इस रस्म के दौरान दांपत्य प्रेम, अटूट विश्वास और समर्पण की मनमोहक झलक देखने को मिली। सामूहिक पूजन में ये महिलाएं रहीं मुख्य रूप से शामिल

श्यामपुरी पंजाबी कॉलोनी में आयोजित सामूहिक पूजा में अंजू खुराना, हेमा खुराना, उषा तनेजा, वीणा मेहता, सरिता बवेजा, शिविका तनेजा, गरिमा तनेजा, महक नारंग, साक्षी मेहता, अनु छाबड़ा, नीतू मंगवानी, रेनू सलूजा, मेघा, अचला खुराना, रितु ग्रोवर, डॉ. प्रगति ग्रोवर, अंजना चड्ढा, कामिनी, राम बवेजा और नीता सहित बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं उपस्थित रहीं।

मंसूरपुर के नोना गांव में दीपा की मौत में नया मोडः पत्नी की हत्या के बाद खुद भी जान देना चाहता था दिनेश, पत्नी की हत्या के बाद आरोपी ने निगला था जहरीला पदार्थ

मंसूरपुर (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव नोना में पत्नी की गला दबाकर हत्या करने के बाद खुद भी जान देने की कोशिश करने वाले आरोपी पति दिनेश को पुलिस ने गिरफ्तार कर चालान कर दिया है। पत्नी की हत्या के बाद आरोपी ने जहरीला पदार्थ निगल लिया था, लेकिन उपचार के दौरान उसकी जान बच गई। पुलिस ने अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में आरोपी के सास-ससुर को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव नोना निवासी दिनेश बंगलूरू में सैलून चलाता है। उसकी शादी वर्ष 2021 में मुजफ्फरनगर के गांव बोपाड़ा निवासी दीपा (28) के साथ हुई थी। बताया गया कि पिछले करीब एक साल से पति-पत्नी के बीच मनमुटाव चल रहा था। इसी कारण दीपा कई महीने से अपनी बड़ी बहन पूनम के पास गांव जोहरा में रह रही थी।

18 अक्टूबर की रात हुई थी वारदात

बताया गया कि 18 अक्टूबर की रात आरोपी दिनेश ने कथित तौर पर अपनी पत्नी दीपा की गला दबाकर हत्या कर दी थी। इसके बाद उसने खुद भी जहरीला पदार्थ निगल लिया। घटना के बाद दोनों की आत्महत्या किए जाने की जानकारी सामने आई थी, लेकिन पुलिस की जांच में मामला पत्नी की हत्या का निकला। आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी जान बच गई। मामले में मृतका के भाई अरविंद ने आरोपी पति दिनेश के अलावा ससुर रतन सिंह, सास मूर्ति और जेठ मिंटू के खिलाफ दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू करते हुए आरोपियों की भूमिका की जांच की। इस दौरान सास-ससुर को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था।

मामले के विवेचक विपिन त्यागी ने बताया कि आरोपी पति दिनेश को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की और चालान कर दिया। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है।

मीरापुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया करवा चैथ का पर्व

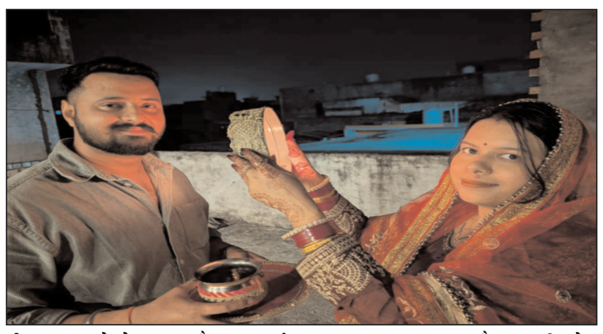

मीरापुर। कस्बे में करवा चैथ का पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु और परिवार की सुखण्समृद्धि की कामना करते हुए सुबह से शाम तक निर्जला व्रत रखा। देर रात चंद्र दर्शन और पूजा अर्चना के बाद महिलाओं ने अपना व्रत खोला।

करवा चैथ के अवसर पर सुबह से ही महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर अपने पति की दीघार्यु और परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। कई महिलाओं ने मंदिरों में जाकर पूजा की और दिनभर व्रत रखकर परंपरा का पालन किया। शाम के समय महिलाओं ने परिवार के बुजुर्गों सें आशीर्वाद लिया। इस दौरान बुजुर्गों को उपहार स्वरूप वस्त्र और धनराशि भेंट की गई।

बुजुर्गों ने महिलाओं को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। पूरे दिन महिलाओं ने व्रत से जुड़ी धार्मिक परंपराओं का पालन किया और चंद्रमा निकलने का इंतजार किया। रात्रि में चंद्रमा के दर्शन करने के बाद महिलाओं ने विधि विधान से पूजा अर्चना की और अपने पति के हाथों जल ग्रहण कर व्रत का पारण किया। पर्व को लेकर कस्बे के बाजारों में भी रौनक रही। ब्यूटी पार्लर मेहंदी लगाने वालों सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों और मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ दिखाई दी। कस्बे में त्योहार का उत्साह नजर आया।

करवा चौथ पर चांद के दीदार को तरसीं सुहागिनें, छलनी से पति का चेहरा देखकर खोला निर्जला व्रत

सोलह श्रृंगार में सजी महिलाओं ने पति की लंबी उम्र की कामना के साथ की पूजा-अर्चना

मुजफ्फरनगर। पति की लंबी उम्र, सुखी दांपत्य जीवन और परिवार की खुशहाली की कामना के साथ सुहागिनों का पवित्र पर्व करवा चौथ श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। पर्व पर महिलाओं ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर अपने जीवनसाथी की दीघार्यु की कामना की। सुबह से ही घरों में करवा चौथ की तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने पारंपरिक परिधान पहनकर सोलह श्रृंगार किया और शाम की पूजा के लिए थालियां सजाईं। हालांकि, मुजफ्फरनगर में हुई झमाझम बारिश ने शाम के समय महिलाओं की चिंता बढ़ा दी। आसमान में छाए बादलों के कारण चंद्रमा के दर्शन को लेकर इंतजार लंबा होने की आशंका बनी रही। दिनभर भूखी-प्यासी रहकर व्रत रखने वाली महिलाएं चांद निकलने की प्रतीक्षा करती रहीं। चंद्र दर्शन के बाद परंपरागत विधि से पूजा-अर्चना कर छलनी से चांद और फिर पति का चेहरा देखकर व्रत खोलने की रस्म निभाई गई।

करवा चौथ भारतीय संस्कृति और पारिवारिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए व्रत रखती हैं। पर्व का धार्मिक महत्व होने के साथ-साथ यह पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास, समर्पण और आपसी जुड़ाव का प्रतीक भी माना जाता है। समय के साथ जीवनशैली में बदलाव आया है, लेकिन करवा चौथ से जुड़ी पारंपरिक रस्मों और रीति-रिवाजों के प्रति महिलाओं का उत्साह आज भी बना हुआ है। इसी उत्साह के बीच मुजफ्फरनगर में भी महिलाओं ने पूरे विधि-विधान के साथ व्रत की परंपराओं का पालन किया।

सुबह से शुरू हो गई थीं पर्व की तैयारियां

करवा चौथ को लेकर महिलाओं में सुबह से ही उत्साह दिखाई दिया। व्रत रखने वाली महिलाओं ने दिन की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार की। जिन परिवारों में सरगी की परंपरा निभाई जाती है, वहां सुबह व्रत से पहले सरगी ग्रहण करने के बाद महिलाओं ने दिनभर उपवास रखा। इसके बाद घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गईं। महिलाओं ने पूजा सामग्री व्यवस्थित की और शाम को होने वाली पूजा के लिए करवा, दीपक, जल, मिठाई तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था की। पर्व के अवसर पर महिलाओं ने अपनी पसंद के पारंपरिक परिधान पहने। लाल, गुलाबी, हरे और अन्य आकर्षक रंगों की साड़ियों तथा सूट में सजी महिलाओं ने श्रृंगार कर पर्व की रौनक बढ़ाई। हाथों में मेहंदी, चूड़ियां, माथे पर बिंदी और मांग में सिंदूर के साथ महिलाओं ने पारंपरिक रूप में करवा चौथ मनाया। नई-नवेली दुल्हनों के लिए यह पर्व खास रहा, वहीं वर्षों से व्रत रखती आ रही महिलाओं ने भी अपनी पारिवारिक परंपराओं को निभाया।

सोलह श्रृंगार के साथ पति की दीघार्यु की कामना

करवा चौथ पर सोलह श्रृंगार का विशेष महत्व माना जाता है। महिलाओं ने श्रृंगार कर पूजा की थाली सजाई और पति की लंबी उम्र तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मीरापुर में किशोरी से छेड़छाड़ के आरोपी का चालान

मीरापुर। स्कूल और ट्यूशन जाते समय किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में मीरापुर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है। पुलिस की कार्रवाई से क्षेत्र में ऐसे मामलों को लेकर चर्चा बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, कस्बा निवासी एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसकी नाबालिग पुत्री जब स्कूल और ट्यूशन के लिए जाती है, तो कस्बे के मोहल्ला मुश्तर्क निवासी समीर उसके साथ छेड़छाड़ करता है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक समीर के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए मीरापुर पुलिस ने कार्रवाई की और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए आरोपी का चालान कर दिया। इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह ने बताया कि किशोरी से छेड़छाड़ के मामले में शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने आरोपी समीर को गिरफ्तार कर उसका चालान कर दिया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा से जुड़े मामलों में शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बिजली बिल के रुपये मांगने पर विवाहिता से मारपीट, जेठ-जेठानी और भतीजे पर मुकदमा दर्ज

किदवईनगर में एक ही मकान में रहते हैं दोनों परिवार, पीड़िता का आरोप-गाली-गलौज कर की मारपीट, घर से निकलवाने और जान से मारने की भी दी जा रही धमकी

मुजफ्फरनगर। शहर के खालापार थाना क्षेत्र के किदवईनगर में बिजली बिल के रुपये मांगने को लेकर परिवार के भीतर विवाद हो गया। आरोप है कि बिजली का बिल जमा करने के बाद अपने हिस्से की रकम मांगने पर एक विवाहिता के साथ उसके जेठ, जेठानी और भतीजे ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जेठ, जेठानी और भतीजे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। किदवईनगर में मक्की मस्जिद के पास रहने वाली सुल्ताना पत्नी महताब ने खालापार थाना पुलिस को दी तहरीर में बताया कि संबंधित मकान में उनका परिवार और उनके दोनों जेठों के परिवार रहते हैं। परिवारों के एक ही मकान में रहने के दौरान बिजली बिल की रकम को लेकर विवाद हुआ। सुल्ताना के अनुसार, मकान का बिजली बिल उन्होंने अपने पास से जमा किया था। इसके बाद जब उन्होंने अपने जेठ शहजाद से बिजली बिल में खर्च हुई रकम मांगी तो मामला बिगड़ गया।

रुपये मांगने पर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप

पीड़िता ने आरोप लगाया कि बिजली बिल के पैसे मांगने पर उनके जेठ शहजाद, जेठानी साजिदा और उनके बेटे आरिश ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर तीनों ने उनके साथ मारपीट की। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर मामले में कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। तहरीर में सुल्ताना ने बताया कि बिजली बिल का भुगतान करने के बाद जब उन्होंने रकम वापस मांगी, तो उन्हें इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा। उनका आरोप है कि रुपये मांगने को लेकर हुए विवाद में उनके साथ मारपीट की गई। मामले में पुलिस अब शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है।

घर से निकलवाने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

सुल्ताना ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि घटना के बाद उनका जेठ शहजाद उन्हें घर से निकलवाने और जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने इन परिस्थितियों को लेकर पुलिस से सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। परिवार के बीच बिजली बिल की रकम को लेकर शुरू हुआ विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है।

तहरीर के आधार पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पीड़िता की शिकायत के आधार पर खालापार थाना पुलिस ने शहजाद, उसकी पत्नी साजिदा और बेटे आरिश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। तहरीर में लगाए गए मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोपों की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले में शिकायत के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

बुढ़ाना में आज सजेगा रोजगार का महाकुंभः 1000 से अधिक पदों पर युवाओं की होगी भर्ती, पूरी चयन प्रक्रिया निःशुल्क, कंपनियां पहुंचेंगी डीएवी कॉलेज

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत जिला सेवायोजन कार्यालय का बड़ा आयोजन

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। उत्तर प्रदेश सरकार के रोजगार मिशन को गति देते हुए जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा कल शुक्रवार को बुढ़ाना में एक भव्य एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 30 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे से डीएवी डिग्री कॉलेज, बुढ़ाना के प्रांगण में शुरू होगा। इस मेले में 15 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेकर 1000 से अधिक रिक्त पदों पर युवाओं की भर्ती करेंगी।

पूरी चयन प्रक्रिया निःशुल्क

इस रोजगार मेले में विभिन्न पदों के लिए चयन प्रक्रिया पूरी तरह से निःशुल्क होगी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि उम्मीदवारों से किसी भी स्तर पर कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। यह पहल क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के सीधे और पारदर्शी अवसर प्रदान करने के लिए की गई है।

हेल्पलाइन और वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी

रोजगार मेले में भाग लेने के लिए युवाओं को विभाग की आधिकारिक वेबसाइट rojgaarsa.ngan-up-gov-in पर जाकर पंजीकरण कराना होगा। भर्ती के लिए निर्धारित उम्र सीमा 18 से 40 वर्ष रखी गई है। किसी भी तरह की जानकारी या सहायता के लिए विभाग ने हेल्पलाइन नंबर 155330 भी जारी किया है, जहां कॉल करके विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। क्षेत्र के युवाओं में उत्साह बुढ़ाना और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में इस रोजगार मेले को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। एक हजार से अधिक पदों पर भर्ती की खबर से युवाओं को नौकरी मिलने की नई उम्मीद जगी है। प्रशासन और सेवायोजन विभाग ने मेले के सुचारू संचालन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

बुढ़ाना में यूपी ग्रामीण बैंक में 8.56 करोड़ की धोखाधड़ी मामला:पीड़ितों को अभी नहीं मिला क्लेम, भाकियू का बेमियादी धरना जारी

बैंक में करोड़ों रुपये के गबन की लखनऊ ऑडिट टीम कर रही है जांच

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। यूपी ग्रामीण बैंक की बुढ़ाना शाखा में ग्राहकों के खातों से हुई करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के कार्यकताओं का गुस्सा शांत होने का नाम नहीं ले रहा है। बैंक शाखा के बाहर भाकियू कार्यकताओं का अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को भी पूरी कड़ाई के साथ जारी रहा। किसानों ने बैंक प्रबंधन और स्थानीय अधिकारियों की कार्यशैली व टालमटोल रवैये पर कड़ा आक्रोश जताया है।

ग्राहकों का पूरा पैसा मिलने तक जारी रहेगा प्रदर्शन

धरना स्थल पर मौजूद किसान नेताओं ने दोटूक कहा कि बैंक अधिकारियों की लापरवाही और साठगांठ के कारण सीधे-सादे ग्रामीणों की गाढ़ी कमाई डूबी है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक धोखाधड़ी के शिकार प्रत्येक पीड़ित ग्राहक का एक-एक पैसा वापस उनके खातों में नहीं आ जाता, तब तक यह अनिश्चितकालीन धरना बैंक परिसर के सामने इसी तरह जारी रहेगा। धरने में मुख्य रूप से संजीव पंवार, विकास त्यागी, इसरार, आशु राणा, नरेंद्र, विजय, लविश, मनीष और अक्षय सहित दर्जनों प्रमुख कार्यकर्ता और ग्रामीण डटे हुए हैं।

8.56 करोड़ की हेराफेरी में लखनऊ से आई ऑडिट टीम में जुटी

उधर, बैंक में हुए करोड़ों के फजीवाड़े का खुलासा होने के बाद लखनऊ मुख्यालय से आई विशेष ऑडिट टीम गहनता से जांच पड़ताल कर रही है। अब तक की जांच में करीब 8.56 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी और संदिग्ध लेन-देन का मामला उजागर हो चुका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ऑडिट टीम एक-एक खाते के रिकॉर्ड खंगाल रही है।

ऑडिट और संस्तुति के बाद ही खातों में आएगा पैसा

मामले पर जानकारी देते हुए बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक नितिन वर्मा ने बताया कि फिलहाल अभी तक किसी भी पीड़ित ग्राहक को क्लेम की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही नियमानुसार ग्राहकों को उनका पैसा लौटाया जाएगा। जिन-जिन खातों की ऑडिट जांच पूर्ण होती जाएगी, उनकी रिपोर्ट लखनऊ मुख्यालय भेजी जाएगी। वहां से संस्तुति मिलते ही सीधे संबंधित ग्राहकों के खातों में पैसा ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

रॉयल बुलेटिन
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**
सम्पादक:
◆अनिल रॉयल
✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

मुजफ्फरनगर में अवैध हथियारों की बड़ी खेप के साथ मेरठ के चार आरोपी गिरफ्तार, छह पिस्टल समेत दस हथियार बरामद

शाहपुर पुलिस ने सोरम गेट नंबर-दो के यात्री प्रतीक्षालय में दबिश देकर पकड़े आरोपी, तीन तमंचे, एक मस्कट और पांच जिंदा कारतूस भी मिले; मेरठ के व्यक्ति से हथियार खरीदकर ऊंचे दामों पर बेचने का आरोप

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त और उनकी सप्लाई के कथित नेटवर्क के खिलाफ शाहपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मेरठ जनपद के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से छह अवैध पिस्टल, तीन देशी तमंचे, एक मस्कट और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद हथियारों की कुल संख्या दस बताई गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मेरठ निवासी एक व्यक्ति से अवैध विदेशी पिस्टल और तमंचे खरीदकर लाते थे तथा अलग-अलग स्थानों पर मांग के अनुसार ऊंचे दामों पर बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। पुलिस का दावा है कि चारों आरोपी मुजफ्फरनगर में हथियारों की सप्लाई करने के लिए आए थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर शाहपुर पुलिस ने ग्राम सोरम के गेट नंबर-दो स्थित यात्री प्रतीक्षालय में दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसपी देहात अक्षय संजय महाडीक ने मामले का खुलासा किया। पुलिस अब हथियारों के स्रोत, संभावित खरीदारों और आरोपियों से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार, 29 अक्टूबर 2026 को थाना शाहपुर पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि ग्राम सोरम के गेट नंबर-दो पर बने यात्री प्रतीक्षालय में कुछ लोग मौजूद हैं, जो अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करते हैं और हथियारों की सप्लाई करने के लिए आए हुए हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल बताए गए स्थान पर पहुंची। वहां चार व्यक्ति मौजूद मिले। पुलिस ने दबिश देकर चारों को पकड़ लिया और उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध हथियार और कारतूस बरामद हुए। इसके बाद पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में थाना शाहपुर में मुकदमा अपराध संख्या 299/2026 आयुध अधिनियम की धारा 3/5/25 के तहत दर्ज किया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। शाहपुर पुलिस की कार्रवाई में बरामद हथियारों में छह पिस्टल 32 बोर, तीन देशी तमंचे 315 बोर और एक मस्कट 315 बोर शामिल

है। इसके अतिरिक्त पांच जिंदा कारतूस 315 बोर और एक पिट्ठू बैग भी बरामद किया गया है। पुलिस अब बरामद हथियारों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटा रही है। जांच का मुख्य बिंदु यह पता लगाना है कि हथियार कहां से खरीदे गए, उन्हें मुजफ्फरनगर में किसे देना था और क्या इससे पहले भी इस तरह की सप्लाई की गई थी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हथियारों की खरीद-फरोख्त के इस कथित कारोबार में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। मेरठ के व्यक्ति से हथियार खरीदकर ऊंचे दामों पर बेचने का आरोप प्रारंभिक पूछताछ का हवाला देते हुए पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों ने कथित तौर पर अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में शामिल होने की बात बताई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी मेरठ निवासी एक व्यक्ति से विदेशी पिस्टल और तमंचे आदि खरीदकर लाते थे। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर मांग के आधार पर ऊंचे दामों पर बेचकर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित करते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी घटना वाले दिन भी मुजफ्फरनगर में हथियारों की सप्लाई करने के उद्देश्य से आए थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, हथियारों की खरीद-फरोख्त कितने समय से चल रही थी, अब तक कितने हथियार बेचे गए और संभावित खरीदार कौन हैं, इसकी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

पुलिस आरोपियों से पूछताछ में सामने आए तथ्यों का सत्यापन कर रही है। हथियार उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति की पहचान और उसके नेटवर्क का पता लगाना भी जांच का अहम हिस्सा है।

गिरफ्तार चारों आरोपी मेरठ जनपद के निवासी

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आकाश उर्फ शुगनू, पुत्र सतीश, निवासी ग्राम बपारसी, थाना सरधना, जिला मेरठ, सनी, पुत्र राजसिंह, निवासी ग्राम अटेरना, थाना सरधना, जिला मेरठ, निखिल उर्फ निक्की, पुत्र रविन्द्र, निवासी ग्राम पथौली, थाना सरूरपुर, जिला मेरठ और शुभम, पुत्र सतेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम अटेरना, थाना सरधना, जिला मेरठ के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, चारों आरोपियों के खिलाफ थाना शाहपुर में आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब उनकी भूमिका, आपसी संपर्कों और हथियारों की कथित सप्लाई से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

मुजफ्फरनगर में डेंगू का दायरा बढ़ा: 4 महिलाएं पाई गईं पॉजिटिव, 3 बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती, 34 हुआ संक्रमित मरीजों का आंकड़ा

कूकड़ा, बघरा और खतौली में पाई गई डेंगू से ग्रस्त महिलाएं, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की 'सोर्स रिडक्शन' की कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। जनपद में बुखार से पीड़ित चार और महिलाओं में डेंगू की पुष्टि होने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। नए मामलों के सामने आने के बाद जिले में डेंगू संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 34 पर पहुंच गई है। लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य महकमा सतर्क हो गया है और प्रभावित इलाकों में निरोधात्मक कार्रवाई तेज कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुखार की शिकायत के बाद कराई गई जांच में चार महिलाओं में डेंगू पॉजिटिव पाया गया है। इनमें सदर क्षेत्र के कूकड़ा, बघरा और खतौली की रहने वाली तीन पीड़ित महिलाओं की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज, बेगराजपुर में भर्ती कराया गया है। वहीं, शाहपुर की रहने वाली चौथी महिला मरीज का उपचार चिकित्सकों की देखरेख में उनके घर पर ही चल रहा है। मच्छरों के प्रजनन स्थलों

को नष्ट करने के लिए 'सोर्स रिडक्शन' मामले की पुष्टि करते हुए जनपद के एपिडेमियोलॉजिस्ट शमशेर आलम ने बताया कि डेंगू के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तरह सक्रिय है। उन्होंने बताया कि चारों संक्रमित मरीजों के घरों और उनके आसपास के इलाकों में व्यापक स्तर पर 'सोर्स रिडक्शन' अभियान चलाया गया है। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य पानी जमा होने वाले स्थानों और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समय रहते नष्ट करना है, ताकि संक्रमण को आगे फैलने से रोका जा सके।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

जिले में डेंगू के मरीजों का दायरा धीरे-धीरे बढ़ने के कारण स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से भी सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग ने लोगों से घरों के आसपास पानी न एकत्र होने देने, कुलर, गमलों व छतों की नियमित सफाई करने और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करने की सलाह दी है।

मुजफ्फरनगर में भाकियू अराजनैतिक का प्रदर्शन: धान खरीद केंद्र शुरू करने की मांग, डीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

पोर्टल ठप होने और सरकारी खरीद शुरू न होने से किसानों में आक्रोश

मुजफ्फरनगर। जनपद में धान की कटाई का सीजन चरम पर होने के बावजूद सरकारी धान खरीद केंद्र शुरू न होने से किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले दर्जनों कार्यकताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी के नाम एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। संगठन ने प्रशासन से अविलंब धान खरीद केंद्र चालू कराने तथा रजिस्ट्रेशन पोर्टल की तकनीकी समस्याओं को दूर करने की मांग की है।

सस्ते दामों में फसल बेचने को मजबूर किसान

जानसठ तहसील अध्यक्ष अंकित जावला के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे

किसान नेताओं ने कहा कि जनपद में अभी तक धान खरीद केंद्रों का संचालन शुरू नहीं हो पाया है। सरकारी खरीद केंद्र बंद होने के कारण किसानों को अपनी मेहनत की फसल निजी आढ़तियों और व्यापारियों को कौड़ियों के भाव बेचनी पड़ रही है। मंडी में सही दाम न मिलने से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है, जिससे उनकी लागत भी निकलना मुश्किल हो गया है।

पोर्टल बंद, रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी तरह ठप

ज्ञापन सौंपते हुए किसान प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि जब किसान धान बेचने के लिए अनिवार्य रजिस्ट्रेशन कराने साइबर कैफे या जन सेवा केंद्रों पर जाते हैं, तो वहां पोर्टल ही काम नहीं करता। अधिकारियों से संपर्क करने पर केवल एक ही जवाब मिलता है कि "साइट बंद है"। किसान नेताओं का कहना है कि एक तरफ तो सरकार पारदर्शी खरीद के दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ बुनियादी डिजिटल व्यवस्था भी ठप पड़ी है। उन्होंने मांग की कि ऐसी पारदर्शी व्यवस्था तुरंत बनाई जाए जिससे किसानों का पंजीकरण समय पर हो सके और वे बिना किसी अड़चन के सरकारी मूल्य का लाभ उठा सकें।

ज्ञापन देने में ये प्रमुख पदाधिकारी रहे शामिल

प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इनमें मुख्य रूप से जानसठ तहसील अध्यक्ष अंकित जावला, मंडल महासचिव विपिन त्यागी, चरथावल ब्लॉक अध्यक्ष काला प्रधान, उमेश त्यागी, राधेश्याम त्यागी गादला, नौशाद कसर, नगर अध्यक्ष शहजाद राव, मोहसिन, नौशाद पुरबालियान, कमलजीत, राकेश दीवान तथा अशोक कछोली समेत दर्जनों किसान शामिल रहे। सभी ने एक स्वर में चेतावनी दी कि यदि जल्द ही खरीद केंद्र चालू न किए गए, तो किसान उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

मुजफ्फरनगर में लापता मेडिकल स्टोर संचालक का मिला शव: हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

दोस्त के साथ घूमने गया था खानपुर के पूर्व प्रधान का बेटा निशांत

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव खानपुर से अपने दोस्त के साथ शहर घूमने आए एक 24 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान पूर्व प्रधान वीर सिंह के बेटे निशांत सिंह के रूप में हुई है, जो बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज के पास स्थित एक मेडिकल स्टोर पर कार्य करता था। युवक का शव सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित भोपा रोड फ्लाईओवर और रेलवे पुल के पास मिला, जिसके चेहरे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं।

रविवार को दोस्त के साथ निकला था शहर, नहीं लौटा वापस

जानकारी के अनुसार, निशांत रविवार को अपने एक दोस्त के साथ मुजफ्फरनगर घूमने की बात कहकर घर से निकला था। देर शाम तक जब उसका दोस्त अकेला वापस लौट आया और निशांत घर नहीं पहुंचा, तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। परिजनों ने सुबह जब उसके दोस्त से जानकारी लेनी चाही, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने मंसूरपुर थाने में उसकी गुमशुदगी की

शिकायत दर्ज कराई।

रेलवे पुल के पास पड़ा मिला शव

पुलिस के अनुसार रात सिविल लाइन थाना पुलिस को सूचना मिली कि भोपा रोड स्थित रेलवे पुल/फ्लाईओवर के पास एक युवक का शव पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराई, जिसकी पहचान लापता निशांत के रूप में हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। शाम के समय नम आंखों के बीच बुधवार को गांव खानपुर में युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

मृतक के चाचा अशोक कुमार ने बताया कि निशांत के चेहरे पर स्पष्ट चोट के निशान मिले हैं, जिससे किसी अनहोनी और साजिश की पूरी संभावना जताई जा रही है। परिजनों का कहना है कि वे इस संबंध में पुलिस को तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराएंगे।वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ सिटी सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर मामले की गहराई से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरनगर के स्कूल-कॉलेजों में आज रहेगा अवकाश, डीआईओएस ने जारी किए आदेश

पीईटी-2026 परीक्षा के मद्देनजर 30 अक्टूबर को छुट्टी, जिले के 22 केंद्रों पर होगा परीक्षा का आयोजन

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा के मद्देनजर मुजफ्फरनगर जिले के स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में 30 अक्टूबर 2026, शुक्रवार को शैक्षिक अवकाश घोषित किया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक (उक्कडर) हरिकेश यादव ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं।आदेश के अनुसार, जिले के सभी राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्तविहीन मान्यता प्राप्त बेसिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के साथ सीबीएसई, आईसीएसई और उच्च शिक्षण संस्थानों में भी अवकाश रहेगा। यह निर्णय परीक्षा के सुचारू,

निष्पक्ष और शांतिपूर्ण आयोजन तथा प्रशासनिक एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है।

जिले में बनाए गए हैं 22 परीक्षा केंद्र

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के अनुसार, शासन और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में PET-2026 की लिखित परीक्षा आयोजित की जा रही है। मुजफ्फरनगर में परीक्षा के लिए कुल 22 केंद्र निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा के दौरान व्यवस्थाएं सुचारू बनाए रखने के लिए शिक्षण संस्थानों में एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है।

परीक्षा ड्यूटी वाले शिक्षक-कर्मचारी रहेंगे उपस्थित

जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव ने स्पष्ट किया है कि अवकाश छात्र-छात्राओं के लिए रहेगा। ढएळ-2026 में जिन शिक्षकों, प्रधानाचार्यों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें निर्धारित समय पर अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर जिम्मेदारी निभानी होगी।

सभी संबंधित शिक्षण संस्थानों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुजफ्फरनगर में अस्पताल से घर लौट रहे युवकों से लूटपाट: शेरपुर के जंगल में घेरकर नकाबपोश बदमाशों का हमला, बाइक भी तोड़ी

शहर कोतवाली क्षेत्र में 5-6 नकाबपोश बदमाशों ने मोबाइल छीना, एक युवक घायल

मुजफ्फरनगर। जनपद में बेखौफ बदमाशों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। शहर कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर के जंगल में बुधवार देर रात अस्पताल से वापस लौट रहे दो बाइक सवार युवकों को आधा दर्जन बदमाशों ने घेर लिया। आरोप है कि 5 से 6 नकाबपोश बदमाशों ने लाठी-डंडों से युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया और मारपीट करते हुए मोबाइल छीन लिया। इतना ही नहीं, सिरफिरे बदमाशों ने पीड़ितों की मोटरसाइकिल भी बुरी तरह तोड़ दी। वारदात में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है।

शेरपुर के जंगल में नकाबपोश बदमाशों ने डाला डेरा

जानकारी के अनुसार, पीड़ित गुफरान अपने साथी के साथ अस्पताल से काम निपटाकर देर रात मोटरसाइकिल से घर वापस लौट रहा था। जैसे ही वे शहर

कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले शेरपुर के जंगल के रास्ते से गुजरे, तभी झाड़ियों में छिपे 5 से 6 नकाबपोश बदमाशों ने अचानक उन्हें चारों तरफ से घेर लिया।

डंडों से किया हमला, बाइक में की तोड़फोड़

इससे पहले कि युवक कुछ समझ पाते, बदमाशों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। हमले के दौरान गुफरान के बाजू पर जोर से डंडा लगने से वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। इसके बाद बदमाशों ने उनके पास मौजूद मोबाइल फोन और अन्य सामान लूट लिया। भागने से पहले बदमाशों ने दहशत फैलाने के मकसद से युवकों की मोटरसाइकिल में भी जमकर तोड़फोड़ की और उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

तहरीर के आधार पर जांच में जुटी पुलिस

घटना को अंजाम देने के बाद सभी नकाबपोश बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गए। पीड़ितों ने किसी तरह राहगीरों की मदद से घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पीड़ित गुफरान ने बताया कि वह घटना के संबंध में शहर कोतवाली में लिखित तहरीर दे रहा है। पुलिस का कहना है कि मामला संज्ञान में है और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों तथा संदिग्धों की तलाश कर जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार किया जाएगा।

मुजफ्फरनगर में करवाचौथ पर मेहंदी प्रतियोगिता: 50 से अधिक सुहागिनों के रचे हाथ, विजेताओं को किया गया सम्मानित

समाज कल्याण एवं महिला विकास समिति द्वारा शाकुम्भरी वाटिका में आयोजित किया शिविर

मुजफ्फरनगर। सुहागिनों के पावन पर्व करवाचौथ के अवसर पर शहर में धार्मिक व सांस्कृतिक उल्लास देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में 'समाज कल्याण एवं महिला विकास समिति, मुजरफ्फरनगर' के तत्वावधान में दक्षिणी कृष्णापुरी स्थित शाकुम्भरी वाटिका में एक दिवसीय निःशुल्क मेहंदी शिविर एवं मेहंदी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेवी लाला प्रदीप गोयल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पवित्रा गोयल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भावना गुप्ता, प्रधानाचार्या मंजू गोयल तथा शैलजा मित्तल उपस्थित रहीं। संस्था की अध्यक्षा एवं महिला ऐच्छिक ब्यूरो की पूर्व सदस्या मनीषा गोयल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि करवाचौथ के पावन पर्व को देखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 50 से अधिक सुहागिनों और बालिकाओं के हाथों पर निःशुल्क मेहंदी लगाई गई।

उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजनों से हमारी सनातनी परंपराओं और त्योहारों का उत्साह बढ़ता है, साथ ही बालिकाओं की रचनात्मक प्रतिभा को भी नया मंच मिलता है। शिविर के साथ आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता को तीन श्रेणियों (महिला वर्ग, बालिका सीनियर वर्ग और बालिका जूनियर वर्ग) में विभाजित किया गया था। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली सभी सनातनी बालिकाओं और महिलाओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के परिणाम के अनुसार, महिला वर्ग में प्रिया गर्ग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि शिक्षिका शिखा गोयल द्वितीय स्थान पर रहीं।

वहीं बालिका सीनियर वर्ग में कु० तनिशा मित्तल प्रथम तथा कु० खुशी सक्सेना द्वितीय स्थान पर रहीं। इसके अलावा बालिका जूनियर वर्ग में कु० सिया गोयल ने पहला स्थान हासिल किया, राधिका वर्मा दूसरे स्थान पर और जानवी सक्सेना तीसरे स्थान पर रहीं। आयोजन को सफल बनाने में अमिता गोयल, इंजीनियर्स क्लब के सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल, सन्तोष वर्मा, प्रकाशी शर्मा, सपना गोयल, रूही गर्ग, ऐनी धीमान, अनविका, केशवी, श्रव्या, अनन्वी और मुकेश का विशेष योगदान रहा।

विदेश में बैठे साइबर अपराधियों को व्हाट्सएप ओटीपी भेजकर कराते थे फ्रॉड, मुजफ्फरनगर में दो गिरफ्तार

शाहपुर क्षेत्र में सिम सक्रिय कर थाईलैंड में बैठे साथियों को देते थे व्हाट्सएप लॉगिन का ओटीपी, झारखंड और पश्चिम बंगाल की दो घटनाओं में 53.83 लाख रुपये की धोखाधड़ी का खुलासा

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराधियों को भारतीय मोबाइल नंबरों पर व्हाट्सएप चलाने की सुविधा उपलब्ध कराकर देशभर में साइबर ठगी कराने वाले गिरोह का मुजफ्फरनगर पुलिस ने पदार्फाश किया है। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने इस मामले में गांव हरसौली निवासी दो आरोपियों मोनू और कबीर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी भोले-भाले लोगों को निजी जरूरत का हवाला देकर उनके नाम पर सिम कार्ड निकलवाते थे। इसके बाद मुजफ्फरनगर के शाहपुर क्षेत्र में सिम सक्रिय कर उन पर आने वाले व्हाट्सएप ओटीपी विदेश में बैठे अपने साथियों को भेज देते थे। इन ओटीपी के जरिए विदेश में बैठे साइबर अपराधी भारतीय मोबाइल नंबरों पर व्हाट्सएप लॉगिन कर भारत में लोगों के साथ धोखाधड़ी करते थे। पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इन मोबाइलों में करीब 70 सिम सक्रिय होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस को अब तक इस नेटवर्क के माध्यम से झारखंड और पश्चिम बंगाल में साइबर धोखाधड़ी की दो घटनाओं का पता चला है, जिनमें कुल 53 लाख 83 हजार 822 रुपये की ठगी की गई। पुलिस अन्य सिम कार्डों और उनसे जुड़े साइबर अपराधों की भी जांच कर रही है।

प्रतिबिंब पोर्टल पर मिली शिकायतों से खुला मामला

साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने बताया कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के ऑनलाइन पोर्टल ह्यप्रतिबिंबह्ण पर मुजफ्फरनगर से फर्जी व्हाट्सएप कॉल और संदेश भेजकर लोगों के साथ साइबर धोखाधड़ी किए जाने की शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए थाना साइबर क्राइम पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान सामने आया कि साइबर ठगी में इस्तेमाल किए जा रहे कुछ मोबाइल नंबर मुजफ्फरनगर के शाहपुर

थाना क्षेत्र में सक्रिय किए गए थे। इन नंबरों पर व्हाट्सएप लॉगिन के लिए आने वाले ओटीपी विदेश में बैठे साइबर अपराधियों को भेजे जा रहे थे। पुलिस ने मोबाइल नंबरों और शिकायतों से संबंधित जानकारी जुटाई तो इस पूरे नेटवर्क में स्थानीय स्तर पर सिम उपलब्ध कराने वाले लोगों की भूमिका सामने आई। इसके बाद साइबर क्राइम पुलिस टीम ने जांच को आगे बढ़ाते हुए गांव हरसौली निवासी मोनू पुत्र मेहर इलाही और कबीर पुत्र मुकीम को गिरफ्तार कर लिया।

निजी जरूरत बताकर परिचितों से निकलवाते थे सिम

पूछताछ में पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी अपने परिचितों से निजी जरूरत बताकर उनके नाम पर सिम कार्ड निकलवाते थे। परिचितों को बताया जाता था कि सिम निजी इस्तेमाल के लिए चाहिए। इसके बाद इन सिम कार्डों को शाहपुर क्षेत्र में सक्रिय किया जाता था। सिम सक्रिय होने के बाद संबंधित मोबाइल नंबरों पर व्हाट्सएप खाता खोलने के लिए आने वाले ओटीपी विदेश में बैठे अपने साथियों को भेज दिए जाते थे। इन ओटीपी की मदद से विदेशी साइबर अपराधी भारतीय मोबाइल नंबरों पर व्हाट्सएप लॉगिन कर लेते थे। इसके बाद वे इन्हीं भारतीय नंबरों के माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में लोगों से संपर्क कर साइबर धोखाधड़ी को अंजाम देते थे। पुलिस की जांच में थाईलैंड समेत अन्य देशों में बैठे साइबर अपराधियों से संपर्क होने की जानकारी सामने आई है। इस नेटवर्क में स्थानीय स्तर पर सिम उपलब्ध कराने वाले आरोपियों और विदेश में बैठकर व्हाट्सएप खातों का इस्तेमाल करने वाले अपराधियों के बीच कड़ी की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों द्वारा सक्रिय कराए गए मोबाइल नंबरों पर संचालित व्हाट्सएप खातों के जरिए साइबर धोखाधड़ी की अब तक दो घटनाओं की जानकारी मिली है। इनमें एक शिकायत झारखंड और दूसरी पश्चिम बंगाल से संबंधित है। दोनों मामलों में कुल 53 लाख 83 हजार 822 रुपये की धोखाधड़ी किए जाने की जानकारी सामने आई है।

संपादकीय

अब चीतों का भी अवैध शिकार

अब मध्यप्रदेश में बाघों के बाद चीते भी अवैध शिकारियों के निशाने पर आ गए हैं। यह अपने आप में बेहद गंभीर और चिंताजनक बात है। क्योंकि जहां सरकार देश में चीतों की वापसी के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, वहीं उनके गैरकानूनी शिकार की कोशिशें भी बखौफ बढ़ रही हैं। ताजा घटनाक्रम मप्र के शिवपुरी जिले के कूनो अभयारण्य का है, जहां विदेश से भारत लाए गए चीतों में से एक मादा चीता निर्वा की 19 छर्रे लगने से मौत हो गई। यह गोलियां किसने चलाईं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। लेकिन चीते के पोस्टमार्टम में 5 छर्रे मिले हैं। पूरे मामले की संजीदगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि केन्द्र सरकार ने भी इस घटना को गंभीरता से लेते जांच के लिए उच्चस्तरीय टीम भेजी है। इस टीम में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के वन महानिरीक्षक, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो के अतिरिक्त निदेशक और ब्यूरो के क्षेत्रीय उपनिदेशक शामिल हैं। इसके अलावा मध्य प्रदेश सरकार ने भी वन और पुलिस अधिकारियों की विशेष जांच टीम गठित की है। केंद्र सरकार ने कहा है कि टीम अपनी जांच और सिफारिशें मंत्रालय को सौंपेगी, जिसके आधार पर राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों के लिए आगे के निर्देश तय किए जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ये चीते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पुनर्वास योजना के तहत भारत लाए गए थे। ताजा घटना ऐसे समय हुई है, जब भारत में चीतों को फिर से बसाने की परियोजना के तहत उनकी संख्या बढ़ाने के साथ उनके संरक्षण और निगरानी पर साल 2022 से पहल शुरू की गई। इस घटना के बारे में मप्र की प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और मुख्य वन्यजीव वार्डन डॉ. समिता राजौरा का कहना है कि केएनजी22 को 25 अक्टूबर को श्योपुर टेरिटोरियल फॉरेस्ट डिवीजन के कपार्टमेंट नंबर 748 के इलाके में घायल हालत में पाया गया था। हमने पूरी कोशिश की उसे बचाने की। शुरुआती एक्स-रे में चीते के शरीर के अलग-अलग हिस्सों में कई फ़ॉरेन ऑब्जेक्ट्स दिखाई दिए थे। इसके बाद उसका इलाज शुरू किया गया। चीते के शरीर से पांच फायरआर्म पैलेट यानी बंदूक के छर्रे निकाले गए। उन्होंने कहा कि इस घटना की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। अभी यह यह जांच का विषय है कि इस चीते का शिकार हुआ है या किसी ग्रामीण ने अपने पशुओं के बचाव में यह सब किया। राजौरा के मुताबिक हर चीते के पीछे एक मॉनिटरिंग टीम है जो लगातार रेडियो कॉलर के सिग्नल के साथ चीते पर नज़र बनाए रखती है। जांच दल इस बात की भी जांच करेंगे कि मॉनिटरिंग टीम को गोली चलने की आवाज़ क्यों नहीं सुनाई दी और रेडियो कॉलर के सिग्नल को ट्रैक करने में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई। वैसे भी मप्र का कूनो, श्योपुर और मुरैना के आसपास के जंगल पहले भी तेंदुओं के कथित शिकार से जुड़ी जांच के केंद्र में रहे हैं। इस साल की शुरुआत में सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, इलाके में तेंदुओं की हत्या और उनके अंगों की तस्करी से जुड़े कथित नेटवर्क की जांच की गई थी।

डीजे का खतरा: कानूनन 40 से 55 डेसिबल तक है शोर की सीमा, रैलियों-जुलूसों में होती कई गुना तेज आवाज

ध्वनि की तीव्रता को डेसिबल में मापा जाता है। आमतौर पर हम लोग जो आपस में बात करते हैं, उसकी तीव्रता 60 से 70 डेसिबल तक होती है। सत्तर डेसिबल तीव्रता पर होने वाली बात को तो कई बार चीखना-चिल्लाना कहा जाता है। कोई व्यक्ति 85 डेसिबल तीव्रता वाली आवाज के बीच यदि लंबे समय तक रहे, तो उसे चिड़चिड़ाहट होने लगती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 85 डेसिबल से अधिक तीव्रता की आवाज में देर तक रहने पर मनुष्य की सुनने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और 120 डेसिबल तीव्रता की आवाज वाला संगीत जानलेवा भी हो सकता है। इन तथ्यों को जानने के बाद यह समझना किसी के भी मन में भय पैदा कर सकता है कि पारिवारिक या सामाजिक समारोहों में बजने वाले डीजे की आवाज 100 से 130 डेसिबल तक होती है और कई बार तो लोग अति उत्साह में इसे 140 डेसिबल तक कर देते हैं। पशु-पक्षियों के लिए भी तेज आवाज नुकसानदेह होती है, क्योंकि वे आवाज के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं।

अतुल कनक

मानव जीवन में उत्सवों का महत्त्वपूर्ण स्थान है। इनका सबसे बड़ा सकारात्मक पक्ष यह है कि ये व्यक्ति एवं समाज को सकारात्मक ऊर्जा देते हैं और उत्साह का संचार करते हैं। उत्सव वह अवसर होता है, जो हमारे मन से उलझनों के विषाद को हटा दे। प्राचीन काल से उत्सवों का आयोजन प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने, आस्था को अभिव्यक्त करने और परेशानियों को दूर रखकर आनंद की अनुभूति के लिए होता रहा है। धीरे-धीरे उत्सवों से विविध परंपराएँ जुड़ती गईं और नए उत्सवों ने आकार लिया, लेकिन इन खास अवसरों पर खुशी व्यक्त करने के रंग-ढंग वक्त के साथ बदलते गए। अब उत्सवों पर भव्य आयोजन होने लगे हैं। मन को शीतलता प्रदान करने वाली ध्वनियों की जगह तेज संगीत और पटाखा-अतिशबाजियों के शोर-शराबे ने ले ली है। यहाँ तक कि विवाह समारोहों या धार्मिक कार्यक्रमों में भी तेज आवाज में बजने वाले डीजे अब आम हो गए हैं। मगर इस ओर शायद ही किसी का ध्यान जाता है कि यह शोर ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी नुकसानदेह है। पिछले दिनों उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में डीजे की तेज आवाज पर जिला प्रशासन की ओर से प्रतिबंध लगा दिया गया। कारण बताया गया कि बदरीनाथ एक शांत क्षेत्र है, लोग वहाँ ध्यान और शांति के लिए जाते हैं। प्राचीन परंपराओं में तो कई धार्मिक स्थलों पर शांति बनाए रखने के लिए क्षेत्र में शंख तक बजाने से परहेज किया जाता था। मगर आज लोग अपनी भक्ति की अभिव्यक्ति के लिए डीजे बजाने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि डीजे की तेज आवाज संबंधित क्षेत्र के शांत वातावरण को ही भंग नहीं करती, बल्कि इससे उत्पन्न तरंगें वहाँ की पारिस्थितिकी पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। तेज ध्वनि मनुष्य को कैसे नुकसान पहुँचा सकती है, इसे समझने के लिए ध्वनि से मानव मस्तिष्क के रिश्ते की बारीकियों पर गौर करना जरूरी है। ध्वनि की तीव्रता को डेसिबल में मापा जाता है। आमतौर पर हम लोग जो आपस में बात करते हैं, उसकी तीव्रता 60 से 70 डेसिबल तक होती है। सत्तर डेसिबल तीव्रता पर होने वाली बात को तो कई बार चीखना-चिल्लाना कहा जाता है। कोई व्यक्ति 85 डेसिबल तीव्रता वाली आवाज के बीच यदि लंबे समय तक रहे, तो उसे चिड़चिड़ाहट होने लगती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 85 डेसिबल से अधिक तीव्रता की आवाज में देर तक रहने पर मनुष्य की सुनने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और 120 डेसिबल तीव्रता की आवाज वाला संगीत जानलेवा भी हो सकता है। इन तथ्यों को जानने के बाद यह समझना किसी के भी मन में भय पैदा कर सकता है कि पारिवारिक या सामाजिक समारोहों में बजने वाले डीजे की आवाज 100 से 130 डेसिबल तक होती है और कई बार तो लोग अति उत्साह में इसे 140 डेसिबल तक कर देते हैं। पशु-पक्षियों के लिए भी तेज आवाज नुकसानदेह होती है, क्योंकि वे आवाज के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं। जिन घरों में पालतू पशु हैं, उनमें रहने वाले लोग जानते हैं कि तेज आवाज के समय पशु कितने बेचैन और परेशान होते हैं। मनुष्य तो फिर भी तेज आवाज के समय अपने कानों को बंद करने के तरीके अपना सकता है, लेकिन जानवरों के पास यह सुविधा नहीं होती। ऐसे में सवाल है कि हम अपने परिवेश के प्रति इतने असंवेदनशील कैसे हो सकते हैं कि उन प्राणियों की परवाह न करें, जिनका पोषण प्रकृति हमारे साथ करती है?

इसके अलावा मनुष्य का स्नायुतंत्र भी तेज आवाज में असहज हो जाता है। तेज शोर के बीच सिर दर्द, चक्कर आना, अचानक घबराहट होना या दिल की धड़कन तेज हो जाना सामान्य बात है। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक, कई बार हमारे हृदय में कुछ अवरोध सुषुप्त अवस्था में होते हैं। तेज आवाज के कारण जब शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है, तो वे अवरोध अचानक मुखर हो जाते हैं। ऐसे शोर का सामना करने के लिए शरीर कुछ ऐसी प्रतिक्रिया देता है कि रक्तचाप में भी आकस्मिक परिवर्तन हो जाता है। यह महज इत्तिफाक नहीं है कि पारिवारिक और सामाजिक समारोहों में अब शोर-शराबे के बीच कई लोगों की अचानक जान चली जाती है। पिछले दिनों गणपति विसर्जन के दौरान भी देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे हादसे हुए, जिस कारण संवेदनशील लोग डीजे के नियंत्रित उपयोग के नियम बनाने की माँग करने लगे हैं। गत दिनों उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक स्कूल में बारह वर्षीय बालिका अचानक गश खाकर गिरी और उसकी मौत हो गई। आरोप है कि उस समय स्कूल के पास से तेज आवाज में डीजे बजाता हुआ एक जुलूस निकल रहा था। ऐसे ही मध्य प्रदेश के भोपाल में पिछले साल तेरह वर्षीय बालक अपने घर में खेल रहा था। डीजे बजाता हुआ एक जुलूस उसके घर के पास से निकला, तो वह उसे देखने चला गया, जहाँ अचानक उसकी मौत हो गई। ऐसी ही कई घटनाएँ दूसरे राज्यों में भी सामने आई हैं। जुलूसों में बजने वाले तेज डीजे पर पिछले दिनों बंबई उच्च न्यायालय ने गहरी चिंता जताई थी। डिस्को के दौर में जब तेज आवाज के संगीत के प्रति दुनिया का रुझान बढ़ा, तो डीजे भी लोकप्रिय हुआ।

भारत में डीजे की शुरुआत 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध से मानी जा सकती है, लेकिन पिछले करीब दो दशकों में आवाज बढ़ाने वाले स्पीकर को वाहनों पर रखकर संगीत बजाने का सिलसिला जोर पकड़ रहा है। तेज आवाज से ध्वनि प्रदूषण होता है और डीजे की आवाज भी ध्वनि प्रदूषण (नियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 से नियंत्रित होती है। डीजे को बजाने के लिए प्रशासन की स्वीकृति आवश्यक होती है। रात दस बजे से सुबह छह बजे के बीच खुले आकाश के नीचे किसी सार्वजनिक स्थान पर या परिसर में डीजे नहीं बजाया जा सकता।

कानून में प्रावधान है कि अस्पताल या स्कूल के पास आवाज की तीव्रता दिन में 50 डेसिबल और रात में 40 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिए। रिहाइशी क्षेत्रों के लिए यह सीमा दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल है। मगर कभी किसी रैली के लिए प्रचार या जुलूसों में शामिल वाहनों पर लगे लाउडस्पीकरों से निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक तेज आवाज में संगीत बजाना या नारे लगाना आम बात हो गई है। हालाँकि नियमों का उल्लंघन करने पर दोषी व्यक्ति को जेल की सजा या जुर्माना हो सकता है, मगर प्रशासन की ओर से इस तरह की कार्रवाई विरले ही देखने को मिलती है।

यह भी सही है कि लोकतंत्र में सब कुछ कानून के भरोसे नहीं किया जा सकता। पूरे समाज को इस शोर से मनुष्य और पर्यावरण को होने वाले नुकसान के प्रति संवेदनशील एवं सजग होना होगा। खुशी और उत्साह की अभिव्यक्ति तभी सही मायने में सार्थक होती है, जब इससे दूसरे को किसी तरह का नुकसान न हो।

करवा चौथ का व्रत पति की लम्बी उम्र के लिए करती है महिलाएं

डॉ.नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

करवा चौथ का व्रत कार्तिक कृष्ण पक्ष के चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। यह व्रत सुहागिन स्त्रियाँ अपने पति की लम्बी उम्र के लिये करती हैं।

करवाचौथ के दिन यह व्रत रखने पर सुबह उषाकाल से पहले उठकर कुछ खाना तथा पीना चाहिए। यदि आप उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड से संबंधित क्षेत्र से हैं तो आप उषाकाल से पहले शक्कर और दूध के साथ सूत फेनी लेने का प्रचलन है। इस मिश्रण के सेवन से अगले दिन बिना पानी पीये रहने में मदद मिलती है। दिल्ली और हरियाणा में मीठा खाजा , रसमलाई एवं रबड़ी, मध्यप्रदेश में सरगी में फैनी और रबड़ी, राजस्थान में मीठी कचौरी और दूध रबड़ी, पंजाब में उषाकाल से पहले लिए गए अन्न में सरगी का एक महत्वपूर्ण स्थान है। परंपरा के अनुसार सरगी सास द्वारा अपनी बहु को करवाचौथ पर दिया जाने वाला बहुमूल्य उपहार है जिसमें काजू बादाम, मीठी मट्ठी और सुहाग की निशानियाँ होती है।

करवा चौथ विधि एवं सामग्रीः करवाचौथ का व्रत और पूजन पूरे विधि-विधान के साथ होता है। इस महत्वपूर्ण लेख में दर्शाई गई सामग्री और विधि द्वारा करवाचौथ की पूजा की जाती है।

पूजन सामग्रीः मिट्टी, ताम्बा अथवा पीतल के दो करवे, दूध, जल, धुप, सुपारी, मौलि, अक्षत, दीप, कपूर, सिंदूर, काजल, पुष्प एवं पुष्पमाला, जल के लिए तीन पात्र, नैवेध्य के लिए पूर्ण फल, मेवा या मिठाई, इत्यादि। इस व्रत में पीसी हुई चावल के घोल से दीवाल पर सबसे ऊपर चन्द्रमा बनते हैं उसके नीचे शिव, गणपति और कार्तिकेय का चित्र बनाया जाता है। फिर पीली मिट्टी से माता गौरी बनायी जाती हैं, जिनकी गोद में गणपति को बैठाया जाता है। गौरी को चौकी पर बिठाकर सभी सुहाग चिन्हों से उन्हें सजाया जाता है और उनकी पूजा की जाती है। एक पुष्प को नन्दीश्वर स्वरुप मानकर स्थान दिया जाता है।

करवा में रक्षासूत्र बांधें, तथा हल्दी और आटे के सम्मिश्रण से एक स्वास्तिक बनाएं। एक करवे में जल भरें तथा दुसरे करवे में दूध भरें और इसमें ताम्बे या चांदी का सिक्का डालें। आचमन के लिए छोटे पात्र में जल भर कर रखें तथा साथ में एक चम्मच भी रखें।

पूजा के लिए मंत्रः '? शिवायै नमः' से पार्वती का, '? नमः शिवाय' से शिव का, '? षण्मुखाय नमः' से स्वामी कार्तिकेय का, '? गणेशाय नमः' से गणेश का तथा '? सोमाय नमः' से चंद्रमा का पूजन करें।

सब तैयारी हो जाने के बाद करवाचौथ की कथा सुनें और फिर चन्द्रमा निकलते ही श्री चन्द्रदेव को अर्ध्य दीजिये।अपने पति को तिलक करें तथा छलनी में चांद के साथ पति को देखें। पति के पैर छूकर उनका आशिर्वाद ले तथा करवे में भरे जल से अपना व्रत खोलें। इसके पश्चात सात्विक तरीके से बना हुआ भोजन ग्रहण करें।

करवाचौथ की कथाः कथा के अनुसार, एक साहूकार के घर उसकी बेटी ससुराल से आई। शाम को सब लोग भोजन कर रहे थे। करवा चतुर्थी होने के कारण बेटी ने सबके साथ भोजन करने से इंकार कर दिया। जब उसे कहा गया कि भोजन करो तो बेटी ने इंकार कर दिया और हठ करने लगी कि चंद्रमा देखने के बाद ही भोजन करूंगी।

अपनी बहन का ये हठ उपवास एक भाई से सहन नहीं हुआ क्योंकि उसकी बहन भूख-प्यास से बहुत व्याकुल थी। भूख की वजह से तड़प रही थी। कमजोर हो रही थी। तब भाई ने एक दीपक जलाकर छत पर रख दिया और अपनी बहन से झूठ बोला कि चांद निकल आया है, उसके दर्शन करो और भोजन करो। बहन ने इसे सच मानकर भोजन कर लिया। ऐसा करने के बाद अचानक बहन को पति के नि?धन की खबर मिली। उसके बाद महिला ने अपनी पति के शव को पास रखकर एक साल तक कठोर उपवास किया जिसके फलस्वरूप करवा देवी प्रसन्न होकर महिला के समक्ष प्रकट हुईं। करवा देवी ने एक खास तरीके से महिला के पति को जिंदा कर दिया। करवा देवी उस महिला के भाई की पत्नी के पास गईं।

स्ट्रोक का बढ़ता खतरा : आधुनिक जीवनशैली और मानसिक तनाव जिम्मेदार

हर साल 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस पूरी दुनिया में जनजागृति के लिए मनाया जाता हैं। मस्तिष्क संबंधी घातक बीमारी स्ट्रोक तेजी से बढ़ रही है, जब मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह रुक जाता है तब स्ट्रोक होता हैं। मस्तिष्क में रक्त वाहिका के अवरुद्ध होने के कारण या फिर मस्तिष्क के अंदर रक्तस्राव के कारण यह स्थिति उत्पन्न होती हैं। पहले यह केवल बुजुर्गों के हिस्से की बीमारी मानी जाती थी, परंतु अब युवाओं में भी यह बीमारी तेजी से बढ़ी है, नेशनल स्ट्रोक रजिस्ट्री प्रोग्राम दर्शाता है।

डॉ. प्रीतम भी. गेडाम

हमारे आसपास का वातावरण ही कुछ ऐसा बन गया है कि, पिछले कुछ सालों में जानलेवा बीमारियों में बेतहाशा वृद्धि हुई है। कैंसर, हार्ट अटैक, स्ट्रोक तो अब रोजमर्रा की बातों में सुनने मिलता है, जैसे यह कोई आम बीमारी बन गई है। आधुनिक जीवनशैली और बढ़ता मानसिक तनाव बीमारियों को बूस्टर डोज दे रहा है, जिसके कारण निरोगी और कम उम्र का व्यक्ति भी असमय घातक बीमारियों का शिकार होकर जान गवा रहा हैं। प्रदूषण, मिलावटखोरी, अशुद्धता, मौसम का बिगड़ता चक्र और जहरीले रसायनों का प्रयोग वैसे ही हमें मौत के मुहाने पर पहुंचा रहा है, ऊपर से आधुनिक जीवनशैली और मानसिक तनाव हमें शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर बना रहा हैं। शरीर और मन को खुश और निरोगी रखे ऐसा वातावरण, चीजें या लोगों का व्यवहार कम हो रहा हैं। अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में व्यस्त मनुष्य अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करता हैं।

नशाखोरी, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, पैक्ड फूड-ड्रिंक, तले मसालेदार, मीठे, नमकीन, मैदायुक्त, वसायुक्त खाद्यपदार्थ, देर रात तक जागना या अनिंद्रा, सोशल मीडिया की लत, यांत्रिक संसाधनों पर निर्भरता, निरंतर बैठक कार्य करना, व्यायाम की कमी, पर्याप्त मात्रा में शुद्ध ऑक्सीज़न, स्वच्छ जल और पोषक आहार न मिलना, बुरी संगत या बुरी आदतें, दुर्व्यवहार सहना, मन में डर बैठना या हिम्मत की कमी, बुरे विचार आना, ऐसी सभी आदतें मनुष्य के सेहत पर बुरा आघात करती है और फिर धीरे-धीरे जानलेवा बीमारियों की ओर धकेलती हैं। धूम्रपान, मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप, खराब कोलेस्ट्रॉल स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ाते हैं। कोई भी घातक बीमारी हमें एक दिन में नहीं होती, बीमारियां धीमे गति से बढ़ने लगती है, लेकिन हम ध्यान देना उचित नहीं समझतें। हमारी जीवनशैली और कार्यशैली में बदलाव आवश्यक है और साथ ही प्रकृति पर होनेवाला हर प्रहार हमारी सेहत पर हो रहा है, यह जागरूकता बेहद जरुरी हैं।

हर साल 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस पूरी दुनिया में जनजागृति के लिए मनाया जाता हैं। मस्तिष्क संबंधी घातक बीमारी स्ट्रोक तेजी से बढ़ रही है, जब मस्तिष्क में रक्त का प्रवाह रुक जाता है तब स्ट्रोक होता हैं। मस्तिष्क में रक्त वाहिका के अवरुद्ध होने के कारण या फिर मस्तिष्क के अंदर रक्तस्राव के कारण यह स्थिति उत्पन्न होती हैं। पहले यह केवल बुजुर्गों के हिस्से की बीमारी मानी जाती थी, परंतु अब युवाओं में भी यह बीमारी तेजी से बढ़ी है, नेशनल स्ट्रोक रजिस्ट्री प्रोग्राम दर्शाता है कि, स्ट्रोक के हर 7 में से 1 मरीज युवा अवस्था में कामकाजी वर्ग का है, अर्थात भारत में 14 प्रतिशत मरीज 45 साल से कम उम्र के होते हैं। स्लीप मेडिसिन रिव्यूज 2023 में बताया गया था कि, कामकाजी उम्र के 104 मिलियन भारतीय ऑब्स्ट्रक्टिव स्लीप एप्निया से पीड़ित है, जो स्ट्रोक का जोखिम कारक हैं। अमेरिकन स्ट्रोक असोसिएशन अनुसार, स्ट्रोक किसी को भी और किसी भी उम्र में हो सकता हैं। दुनिया भर में, 25 साल से ज़्यादा उम्र के हर चार वयस्कों में से एक को अपने जीवनकाल में कभी न कभी स्ट्रोक हो सकता हैं।

साल 2020-2022 दौरान एक रिसर्च किया गया, जिसमे देश के 30 अस्पतालों के 34792 स्ट्रोक मरीजों के अध्ययन से पता कि, कुल मरीजों में 64 प्रतिशत पुरुष और 36.6 प्रतिशत महिलाएं थीं, 70 प्रतिशत से अधिक लोग ग्रामीण क्षेत्रों से थे। 74.5 प्रतिशत में उच्च रक्तचाप, 28.5 प्रतिशत में तंबाकू का सेवन और 27.3 प्रतिशत में मधुमेह सबसे आम जोखिम कारक था। 37.8 प्रतिशत मरीज 24 घंटे बाद अस्पताल पहुंचे, केवल 20.1 प्रतिशत मरीज लक्षण शुरू होने के 4.5 घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचे थे। स्ट्रोक आने के तीन महीने बाद, 27.8 प्रतिशत मरीजों की मृत्यु हो चुकी थी, लगभग 30 प्रतिशत मरीज गंभीर विकलांगता का शिकार हो गए थे एवं 1.1 प्रतिशत मरीजों को दोबारा स्ट्रोक आया। स्ट्रोक होने पर संतुलन खोना, आँखों में बदलाव, चेहरे का एक तरफ झुकना, हाथ में कमजोरी, बोलने में कठिनाई जैसी समस्या हो सकती है, इसलिए हर मिनट कीमती मानकर तुरंत मरीज को अस्पताल पहुंचाए।

विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार, 2021 में, स्ट्रोक दुनिया भर में मौत और विकलांगता का तीसरा प्रमुख कारण था, जिसके अनुमानित 93.8 मिलियन मामले सामने आए। 2021 में, स्ट्रोक के 11.9 मिलियन नए मामले दर्ज किए गए। पिछले 20 वर्षों में जीवन भर स्ट्रोक होने का जोखिम 50 फीसदी तक बढ़ गया है, डिसएबिलिटी एडजस्टेड लाइफ इयर्स के रूप में मापा जाने वाला स्ट्रोक का वैश्विक बोझ, वर्ष 2000 के 137 मिलियन से बढ़कर 2021 में 160 मिलियन हो गया है। स्ट्रोक के बोझ का अधिकांश हिस्सा 10 ऐसे जोखिम कारकों से जुड़ा है जिन्हें बदला या नियंत्रित किया जा सकता है। इनमें शामिल हैं- हाई ब्लड प्रेशर, वायु प्रदूषण, धूम्रपान, हाई कोलेस्ट्रॉल, सोडियम की अधिक मात्रा वाला आहार, हाई फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज, किडनी की खराबी, शरीर का अधिक वजन, शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहना और शराब का हानिकारक सेवन यह हैं।

हम किसी को गलत करने से तो नहीं रोक सकते, लेकिन हम खुद की जान को जोखिम में डालने से रोक सकते है, क्योंकि हमारी जान की हमें परवाह है, जीवन अनमोल है, यह फिर नहीं मिलेगी, इसलिए जीवन को जीभर जियें। शारीरिक और मानसिक तौर पर शरीर एकदम स्वस्थ बनाये रखें। आधुनिक जीवनशैली को त्यागें, आधुनिकता विचारों में होनी चाहिए, स्वास्थ्य खराब करने में नहीं। पोषक आहार, पर्याप्त नींद, रोजाना व्यायाम, धूम्रपान-शराब इत्यादि नशे से दुरी, तला मीठा नमकीन वसायुक्त खाने से दुरी, शारीरिक गतिविधियां करें, प्रकृति ही जीवन का आधार है, क्योंकि प्राणवायु, जल, आहार उसी की देन है, इसलिए उसकी रक्षा करें। बुरी आदत और बुरे विचारो वाले लोगों से दूर रहें, प्रसन्न रहें, अच्छे लोगों की संगत करें। गुस्सा, द्वेष, ईर्ष्या और झूठा दिखावा मनुष्य को मानसिक रूप से कमजोर बनाता है, इसे नियंत्रण में रखें। भावनाओं में बहना बंद करें, मन और मस्तिष्क हमेशा मजबूत बनाये रखें। कोलेस्ट्रॉल, रक्तचाप, मधुमेह नियंत्रित और सामान्य बनाए रखें। ऐसी जीवनशैली हमें बहुत-सी बीमारियों से बचाती हैं। स्वास्थ्यवर्धक खानपान, अच्छे संस्कार, संतोषी मन और मानसिक सुकून सुखी जीवन की कुंजी हैं।

स्ट्रोक आने पर मरीज के शारीरिक लक्षणों पर गौर करें। चिकित्सकीय मदद के लिए तुरंत आपातकालीन नंबर पर कॉल करें। तंग कपड़े ढीले करें, ताकि सांस लेने में आसानी हों। मरीज को खाने-पीने के लिए कुछ न दें, संभव हो तो एम्बुलेंस से ही अस्पताल ले जाएं। सांस और पल्स की जाँच करें, यदि मरीज की सांस रुकती है या वे बेहोश हो जाएं और सीपीआर देना आता है, तो तुरंत सीपीआर देना शुरू करें। कोई भी बीमारी हो, उससे बेहतर है कि हम पहले ही उसके रोकथाम करके बचें। फिर भी अगर बीमारी होती है तो, तुरंत अस्पताल में जाएं और उचित चिकित्सा करायें। किसी भी हालत में घबराएं नहीं, मनोबल बनाए रखें और मरीज को भी दिलासा दें।

मीरापुर बिजलीघर पर गिरी आकाशीय बिजली, सात लाख का नुकसान, बिजली आपूर्ति ठप

आकाशीय बिजली ने मचाई तबाही, 33 केवी बिजलीघर के उपकरण जले

मीरापुर। गुरुवार सुबह अचानक मौसम खराब होने और तेज गर्जना के साथ हुई बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से 33 केवी मीरापुर बिजलीघर में भारी नुकसान हो गया। बिजलीघर के एक ट्रांसफार्मर पर बिजली गिरने से तीन केबल, वायरिंग, एसीडीबी, डीसीडीबी और एमसीबी समेत कई विद्युत उपकरण जल गए। घटना के बाद बिजलीघर से होने वाली विद्युत आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे क्षेत्र के उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अवर अभियंता के अनुसार, हादसे में करीब सात लाख रुपये का नुकसान हुआ है। गुरुवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। आसमान में बादल छाने के साथ तेज गर्जना हुई और बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान आकाशीय बिजली 33 केवी मीरापुर बिजलीघर के एक ट्रांसफार्मर पर गिर गई। बिजली गिरने से ट्रांसफार्मर से जुड़े विद्युत उपकरण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसकी चपेट में आने से तीन केबल, वायरिंग, एसीडीबी, डीसीडीबी और एमसीबी सहित कई उपकरण जल गए। उपकरणों के क्षतिग्रस्त होने के कारण बिजलीघर से होने वाली आपूर्ति बंद हो गई। बिजली आपूर्ति ठप होने से मीरापुर क्षेत्र के लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो गई। घरों में बिजली न आने से लोगों को पीने के पानी की व्यवस्था करने, नहाने और अन्य दैनिक कार्यों में परेशानी उठानी पड़ रही है। बिजली पर निर्भर कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। उपभोक्ता जल्द से जल्द आपूर्ति बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं।

गनीमत रही कि मौसम खराब होते ही विद्युत कर्मचारियों ने एहतियात के तौर पर बिजली आपूर्ति बंद कर दी थी। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अवर अभियंता सतीश कुमार ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से बिजलीघर में करीब सात लाख रुपये का नुकसान हुआ है। विद्युत कर्मचारी जले हुए उपकरणों और केबलों को बदलने में जुटे हैं। मरम्मत कार्य तेजी से कराया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल की जा सके। फिलहाल, बिजलीघर में मरम्मत कार्य जारी है और क्षेत्र के उपभोक्ताओं को आपूर्ति शुरू होने का इंतजार है।

मथुरा में 'ब्रजरज उत्सव 2026' की धूम: मुजफ्फरनगर का मशहूर गुड़, खादी से लेकर पेड़े तक छाया स्वदेशी का रंग, कारीगरों के खिले चेहरे

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के आयोजन में उमड़े श्रद्धालु सीएम योगी की 'वोकल फॉर लोकल' नीति से हुनर को मिला नया मंच

मुजफ्फरनगर/मथुरा। कान्हा की पावन नगरी मथुरा में पूरी भव्यता के साथ चल रहा 'ब्रजरज उत्सव 2026' इन दिनों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। मेले में स्वदेशी उत्पादों, ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद), खादी और ग्रामोद्योगी सामानों का जादू लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीतियों के चलते पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक डिजाइन का यह बेहतरीन संगम न केवल 'वोकल फॉर लोकल' के संदेश को मजबूत कर रहा है, बल्कि स्थानीय कारीगरों व उद्यमियों को आर्थिक संबल भी प्रदान कर रहा है।

ओडीओपी स्टॉलों पर उमड़ी भीड़ः प्रदेश भर के अनोखे शिल्प बने आकर्षण

उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी ओडीओपी योजना के तहत मेले में विभिन्न जनपदों की अनूठी कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं। मेले में फिरोजाबाद की प्रसिद्ध कांच की चूड़ियां, आगरा के चमड़े और मार्बल उत्पाद, वाराणसी की बनारसी सिल्क साड़ियां व जरी-जरदोजी, लखनऊ की चिकनकारी, कन्नौज का प्राकृतिक इत्र, अलीगढ़ का ब्रास वर्क, मुजफ्फरनगर का मशहूर गुड़ और मैनपुरी की ऐतिहासिक तारकशी कला के स्टॉल लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। इसके साथ ही मथुरा की पारंपरिक पोशाक और कंठी माला की बिक्री भी जोरों पर है।

फैशन के साथ खादीः 21 भव्य स्टॉलों पर दिखा आधुनिक टच

उत्तर प्रदेश खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा उत्सव में 21 विशेष स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों पर पारंपरिक खादी के अलावा आज के युवाओं की पसंद और बदलते फैशन के अनुरूप तैयार किए गए ट्रेंडी परिधान उपलब्ध कराए गए हैं। पर्यावरण के अनुकूल (इको-फ्रेंडली) होने और आधुनिक कट-डिजाइन के कारण खादी के कपड़ों की मांग में भारी उछाल देखा जा रहा है। इसके अलावा हस्तनिर्मित आभूषण, हर्बल उत्पाद, मिट्टी के बर्तन, जैविक गुड़ और सुगंधित अगरबत्तियों की भी जमकर खरीदारी हो रही है।

'ओडीओसी' के तहत ब्रज के मशहूर पेड़े और व्यंजनों का स्वाद

उत्सव में 'एक जिला एक व्यंजन' (ODOC) योजना का स्वाद भी सिर चढ़कर बोल रहा है। मथुरा के विश्व प्रसिद्ध पेड़े और अन्य पारंपरिक ब्रजी व्यंजनों के स्टॉलों पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। दूर-दराज से आए श्रद्धालु और पर्यटक ब्रज के पारंपरिक जायके का लुत्फ उठा रहे हैं।

कारीगरों को मिल रहा वैश्विक मंच और आर्थिक लाभ

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अनिल कुमार और उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि ब्रजरज उत्सव में विभाग द्वारा कुल 40 से अधिक स्टॉल सजाए गए हैं। इस वृहद आयोजन से वाराणसी, लखनऊ, फिरोजाबाद, आगरा और मथुरा समेत कई जिलों के छोटे कारीगरों को अपनी कला का प्रदर्शन करने और सीधे ग्राहकों से जुड़ने का शानदार अवसर मिला है। यह मेला 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को धरातल पर साकार कर रहा है।

गुर्जर समाज के बलिदान को मिले सम्मान, सेना में बने गुर्जर रेजिमेंट: चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर

सरकारी नौकरियों में वरीयता और राजनीति व व्यापार में भागीदारी की उठाई मांग, सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर मोटेरा स्टेडियम का नाम रखने की भी पैरवी

मुजफ्फरनगर/हरिद्वार। सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर लक्सर स्थित चंदन फार्म में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर ने गुर्जर समाज के ऐतिहासिक योगदान, बलिदान और अधिकारों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि देश की आजादी और राष्ट्र निर्माण में गुर्जर समाज के योगदान को उचित सम्मान दिया जाए तथा समाज की जायज मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाए। चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि गुर्जर समाज ने देश की स्वतंत्रता और राष्ट्र की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। समाज के वीर महापुरुषों के बलिदान और ऐतिहासिक भूमिका को उचित पहचान मिलनी चाहिए। उन्होंने सरकारी नौकरियों में नियमानुसार विशेष वरीयता देने, राजनीति एवं व्यापार के क्षेत्र में समाज की भागीदारी बढ़ाने तथा भारतीय सेना में गुर्जर रेजिमेंट के गठन की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि समाज के ऐतिहासिक योगदान को सम्मान देना और उसकी जायज मांगों पर सकारात्मक पहल करना आवश्यक है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में अहमदाबाद स्थित मोटेरा स्टेडियम का नाम उनके नाम पर पुनः रखने की मांग भी की। चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर ने स्पष्ट किया कि यदि समाज की मांगों की अनदेखी की गई तो राष्ट्रीय गुर्जर महासभा अपने अधिकारों के लिए आंदोलन करने को मजबूर होगी।

इतिहासकार ने वीर महापुरुषों के बलिदान पर डाला प्रकाश कार्यक्रम में प्रसिद्ध इतिहासकार सुशील भाटी ने गुर्जर समाज के ऐतिहासिक योगदान को विस्तार से बताया।

प्रयागराज में जमीन के नीचे दबे 3 ड्रमों में मिला नोटों का खजाना: करीब 60 करोड़ की रकम, गिनने में पुलिस के छूटे पसीने, जांच में जुटी टीमें

नवाबगंज के बरईपुर गांव में एक घर में फर्श के नीचे 5 फीट गहरे गड्ढे से बरामद हुई 500 रुपये के नोटों की गड्डियां

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में गंगापार स्थित नवाबगंज थाना क्षेत्र के बरईपुर (रामनगर) गांव से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने एक मकान के अंदर 5 फीट गहरे गड्ढे की खुदाई करवाकर जमीन में गाड़कर रखे गए तीन ड्रम बरामद किए हैं। इन ड्रमों को जब खोला गया तो पुलिस अधिकारियों के होश उड़ गए, क्योंकि उनमें काली पन्नी में लपेटकर रखी गई 500 रुपये के नोटों की थपियां और गड्डियां ठसाठस भरी हुई थीं। पुलिस और बैंक की टीमें नोट गिनने वाली मशीनों के साथ मौके पर डटी हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, मकान मालिक राजेश यादव उर्फ बबलू और उसका भाई करीब 15 साल पहले महाराष्ट्र के मुंबई व पुणे में एक कंपनी/फर्म में काम करते थे। लगभग 5 वर्ष पूर्व वे गांव लौटे और अचानक कई बीघा जमीन, नए ट्रैक्टर-ट्राली तथा पिकअप वाहन खरीद लिए। ग्रामीणों में चर्चा है कि आरोपी नोटबंदी के दौरान कंपनी से भारी रकम लेकर गांव आ गया था और उसने पूरी नकदी को नीले व स्टील के बड़े ड्रमों में भरकर अपने ही मकान के कमरे के फर्श के नीचे गड्ढा खोदकर छिपा दिया था। विवाद के कारण खुला राज, पुलिस की कार्रवाई हाल ही में आरोपी का अपने पट्टीदार से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। कहासुनी के दौरान जमीन में दबाकर रखे गए काले धन का राज बाहर आ गया। इसी बीच, पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष चेकिंग व अपराध नियंत्रण अभियान के दौरान मुखबिर ने डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार को सटीक जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत हरकत में आते ही बुधवार रात आरोपी के मकान की घेराबंदी की और उसे हिरासत में ले लिया।

पांच फीट गहराई तक खोदा फर्श

आरोपी की कड़ाई से पूछताछ और निशानदेही पर जब कमरे के फर्श को तुड़वाकर 5 फीट गहरी खुदाई कराई गई, तो एक के बाद एक तीन ड्रम बाहर निकले। ड्रम खोलते ही 500-500 रुपये के कड़क नोट देखकर मौके पर मौजूद कर्मी दंग रह गए। आनन-फानन में बैंक अधिकारियों को नोट गिनने वाली मशीनों के साथ मौके पर बुलाया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार कई करोड़ रुपये की गिनती की जा चुकी है, जबकि गांव में इस रकम के 60 करोड़ रुपये से अधिक होने के दावे किए जा रहे हैं। आयकर विभाग करेगी अगली कार्रवाई, पूरा मकान सील

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने आयकर विभाग और अन्य जांच एजेंसियों को सूचित कर दिया है। डीसीपी गंगानगर सोनम कुमार ने बताया कि बरईपुर में भारी नकदी मिलने के बाद आरोपी से लगातार पूछताछ की जा रही है। नोटों की पूरी गिनती समाप्त होने और जांच पूरी होने के बाद ही आधिकारिक तौर पर कुल रकम और इसके स्रोत की पुष्टि की जा सकेगी। फिलहाल सुरक्षा के मद्देनजर पूरे मकान को सील कर दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं बजरंग दल मुजफ्फरनगर का प्रतिनिधि मंडल जिला चिकित्सालय पहुंच सीएमओ से मिला

मुजफ्फरनगर। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं बजरंग दल मुहिम पर टऊअ विभाग द्वारा फर्जी अस्पतालों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए सीलिंग की कार्रवाई की । इस पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारी उटड साहब से मिल मांग की, सीलिंग हुए अस्पतालों का पंजीकरण तुरंत निरस्त किया जाए, ऐसे फर्जी अस्पताल समाज अथवा आम व्यक्ति पर कैंसर नामक बीमारी की तरह हैं, जो आम व्यक्ति की जान से खिलवाड़ खुलेआम कर रहे हैं, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की इस माँग को मानते हुए उटड साहब ने तुरन्त आदेश किए कि ऐसे अस्पतालों का तुरन्त पंजीकरण निरस्त किया जाए, हिन्दू संघर्ष समिति द्वारा उटड साहब का धन्यवाद करते हुए कहा ग्राम कस्बों में भी इस तरह के फर्जी अस्पतालों बड़ी कार्यवाही सख़्त जरूरत है।

इस मौके पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं बजरंग दल जिला अध्यक्ष देशराज चौहान, जिला महामंत्री अभिषेक गर्ग, जिला मंत्री संदीप धीमान, नगर अध्यक्ष गिरिजेश कुमार, नगर महामंत्री जगमोहन, सदर ब्लॉक अध्यक्ष कृष्ण वर्मा, सदर ब्लॉक महामंत्री अनमोल ठाकुर, चिराग शर्मा, मयंक शर्मा, सौरभ, अमित, निशांत, रितिक आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी के निर्देशों के अनुरूप त्योहारों में उपभोक्ता हितों की सुरक्षा के लिए प्रदेशव्यापी अभियान तेज

घटतौली और एमआरपी से अधिक वसूली पर सख्ती, विधिक माप विज्ञान विभाग की टीमें बाजारों में कर रहीं औचक जांच

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा और बाजार में पारदर्शी व्यापारिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों के मद्देनजर प्रदेश में घटतौली, पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से ज्यादा वसूली और माप-तौल संबंधी अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए विधिक माप विज्ञान विभाग का विशेष जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

26 अक्टूबर 2026 से शुरू हुआ यह सघन अभियान प्रथम चरण में 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसके बाद 2 नवंबर से 5 नवंबर 2026 तक दूसरे चरण में प्रदेशव्यापी जांच की जाएगी। अभियान का उद्देश्य त्योहारों पर बढ़ी खरीदारी के बीच उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति सुरक्षित रखना और नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यापारिक प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

नियंत्रक विधिक माप विज्ञान अमनदीप डुली के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी जनपदों में विभागीय टीमें सक्रिय हैं। उपनियंत्रक, सहायक नियंत्रक, वरिष्ठ निरीक्षक और निरीक्षक नियमित जांच के साथ बाजारों में औचक निरीक्षण भी कर रहे हैं, ताकि त्योहारों की भीड़ का लाभ उठाकर उपभोक्ताओं से अनुचित वसूली करने वालों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

छह प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष निगरानी

अभियान के तहत त्योहारों में अधिक मांग वाले छह प्रमुख क्षेत्रों को जांच के दायरे में रखा गया है।

मिठाई और गिफ्ट पैकः मिठाई के साथ डिब्बे का वजन जोड़कर ग्राहकों से अधिक कीमत वसूलने जैसी घटतौली की जांच की जा रही है। गिफ्ट हैंपर पर अंकित घोषणाओं का भी सत्यापन किया जा रहा है।

एलपीजी सिलेंडरः घरेलू और वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों में गैस की वास्तविक मात्रा की जांच की जा रही है, ताकि निर्धारित मात्रा से कम गैस की आपूर्ति जैसी अनियमितताओं को रोका जा सके।

खाद्य तेल और घीः पैकेज्ड खाद्य तेल, घी के पैकेटों और टिनों पर घोषित शुद्ध मात्रा तथा अंकित मूल्य का सत्यापन किया जा रहा है।

आटा, मैदा और सूजीः पैकेटों एवं बोरों पर घोषित वजन के अनुरूप वास्तविक मात्रा सुनिश्चित करने के लिए जांच की जा रही है।

ज्वैलर्स प्रतिष्ठानः सराफा बाजारों में आभूषणों की तौल के लिए इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक तराजुओं और अन्य माप-तौल उपकरणों के सत्यापन तथा सील की पड़ताल की जा रही है।

पेंट प्रतिष्ठानः घरों की सजावट और पुताई में इस्तेमाल होने वाले पेंट के डिब्बों पर घोषित मात्रा और मूल्य की जांच की जा रही है।

त्योहारों में उपभोक्ता हितों की सुरक्षा प्राथमिकता

उत्तर प्रदेश सरकार का प्रयास है कि त्योहारों के दौरान आम नागरिकों को खरीदारी में किसी प्रकार की धोखाधड़ी, घटतौली या अनुचित मूल्य वसूली का सामना न करना पड़े। विधिक माप विज्ञान विभाग का यह अभियान बाजार में निष्पक्ष व्यापारिक व्यवहार को बढ़ावा देने, उपभोक्ता विश्वास मजबूत करने और निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विभागीय टीमें अभियान के दौरान माप-तौल उपकरणों, पैकेज्ड वस्तुओं पर अनिवार्य घोषणाओं, घोषित मात्रा और मूल्य से संबंधित नियमों की जांच कर रही हैं। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। सरकार की मंशा है कि प्रदेशवासी त्योहारों को विश्वास, पारदर्शिता और सुरक्षित खरीदारी के माहौल में मना सकें।

रंग संसार

उसे कॉन्सर्ट में कभी नहीं ले...' जाह्नवी कपूर ने वीर पहाड़िया को दी ऐसी एडवाइस, भड़क गए सोशल मीडिया यूजर्स

नई दिल्ली। जाह्नवी कपूर हाल ही में अर्जुन कपूर और वरुण धवन के साथ करण जौहर के शो कॉफी विद करण के सीजन 9 में नजर आईं। इस दौरान उन्होंने पेड्डी के बाद हुई ट्रोलिंग और कई अन्य मुद्दों पर कई सारी बातें कीं। शो में जाह्नवी से करण ने वीर पहाड़िया को एक एडवाइस देने के कही। इस पर जाह्नवी ने एक ऐसी बात बोली जिसको लेकर सब चौंक गए। जाह्नवी ने अप्रत्यक्ष रूप से वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया के ब्रेकअप पर तंज कसा। जाह्नवी से करण ने क्या किया सवाल? शो में करण जौहर ने पूछा कि वो वीर पहाड़िया को क्या डेटिंग एडवाइज देंगी। इस पर जाह्नवी ने कहा, 'कभी भी गर्लफ्रेंड को कॉन्सर्ट मत लेकर जाओ।' बता दें कि वीर पहाड़िया एक्टर हैं और जाह्नवी कपूर के बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया के भाई हैं। शिखर पिछले साल तारा के साथ एपी ढिल्लन के कॉन्सर्ट में गए थे जिसके बाद से इनके ब्रेकअप की खबरें आना शुरू हुई थीं। हालांकि जाह्नवी का ये जबाव कई लोगों को पसंद नहीं आया। इंडिया टुडे के अनुसार, जान्हवी के इस कमेंट पर कई लोगों ने मिली-जुली प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ लोगों को यह बात चुलबुली लगी, तो कुछ ने सवाल उठाया कि मजाक में किसी दूसरी महिला को बीच में लाने की क्या जरूरत थी। एक यूजर ने लिखा,'किसी दूसरी महिला को नीचा क्यों दिखाना? यह तो बहुत शर्मनाक है।' एक अन्य यूजर ने कहा,'सिर्फ एक हैम्पर जीतने के लिए वह इतना नीचे गिर गईं।' एक तीसरे व्यक्ति ने जाह्नवी की टिप्पणी पर निराशा जताई और कहा कि वह किसी दूसरी महिला पर तंज कसने से बच सकती थीं।बता दें कि दिसंबर 2025 में, मुंबई में हुए अपने कॉन्सर्ट के दौरान तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर शामिल हुईं। इस कार्यक्रम के एक वीडियो में एपी, तारा को गले लगाते और उनके गाल पर किस करने की कोशिश करते दिख रहे हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर भी चर्चा में हैं। वह आने वाले समय में टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य के साथ फिल्म 'लग जा गले' में नजर आ सकती हैं।

राज काज

टाटा ग्रुप में मचे बवाल के बीच ट्रेंट को मिला नया चेयरमैन, बहराम वकील संभालेंगे कमान; नोएल टाटा की होगी विदाई

नई दिल्ली। इस समय टाटा ग्रुप अंदरूनी कलह से जूझ रहा है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और टाटा संस के चेयरमैन चंद्रशेखरन के बीच अनबन है। इन सबके बीच टाटा समूह की ट्रेंट लिमिटेड ने अपने नए चेयरमैन का एलान कर दिया है। दरअसल, ट्रेंट चेयरमैन नोएल एन. टाटा 11 नवंबर को ट्रेंट लिमिटेड के चेयरमैन और डायरेक्टर के पद से हट जाएंगे। इसके साथ ही टाटा ग्रुप की इस रिटेल कंपनी में उनका लगभग तीन दशकों का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। कंपनी के बोर्ड ने 12 नवंबर से बहराम वकील को उनका उत्तराधिकारी नियुक्त किया है। ट्रेंट ने कहा कि नोएल टाटा ने अपने कार्यकाल के दौरान स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन और लीडरशिप दी, जिससे कंपनी को अपनी मार्केट पोजीशन मजबूत करने और स्टेकहोल्डर्स के लिए ग्रोथ देने में मदद मिली। टाटा, टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में मेजोरिटी शेयरहोल्डर, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन भी हैं।बोर्ड में ये बदलाव ऐसे समय में हुए हैं जब ट्रेंट फैशन ब्रांड वेस्टसाइड और जूडियो के जरिए अपने रिटेल ऑपरेशन को बढ़ा रहा है, साथ ही अपने स्टार फूड और ग्रॉसरी बिजनेस को भी बढ़ा रहा है। कौन हैं बहराम वकील बहराम वकील लॉ फर्म 'अेइ एंड पार्टनर्स' के सह-संस्थापक और सीनियर पार्टनर हैं। वे र-ीस्ट्रक्चरिंग, इन्सॉल्वेंसी, इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रोजेक्ट फाइनेंस के क्षेत्र में भारत के प्रमुख वकीलों में से एक हैं।

बहराम एन. वकील मार्च 2026 से टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के वाइस चेयरमैन और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे हैं।उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी से LLM (मास्टर ऑफ लॉज) की डिग्री हासिल की है।

दैनिक राशिफल शुक्रवार 30 अक्टूबर 2026

मेष – शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। प्रेमभाव बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी।

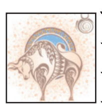

वृष – स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें।

मिथुन : कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा।

कर्क – आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

सिंह– स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें।

कन्या – आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती हैं। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

तुला – धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मातृपक्ष के लोगों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक – मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा।

धनु – धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे।

मकर – किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ – कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

मीन – मायूस न हो समय चक्र हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढड्ढे में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

दैनिक पंचांग

30 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

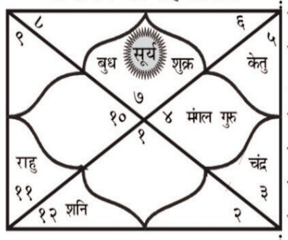

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.27 ब.से
चंद्र	मिथुन में	धनु	09.43 बजे से
मंगल	कर्क में	मकर	11.49 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	13.35 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.08 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	16.38 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.18 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.17 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.30 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.46 बजे से
10.30 से		कन्या	02.58 बजे से
12.00 बजे तक		तुला	05.09 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 303 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 19.26 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 09.05 बजे को समाप्त।
योग शिव 20.42 बजे को समाप्त।
करण कौलव 08.46 बजे तदनन्तर तैतिल 19.26 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872878
जूलियन दिन 2461343.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आतंकियों से संबंध और 70 करोड़ का डर दिखाकर बुजुर्ग से 20.94 लाख की ठगी

एटीएस-एनआईए अधिकारी बनकर किया डिजिटल अरेस्ट, फर्जी नोटिस और गिरफ्तारी वारंट भेजकर दी आजीवन जेल में सड़ाने की धमकी; साइबर पुलिस ने करीब नौ लाख रुपये कराए फ्रीज

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराधियों ने अग्निशमन विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी को आतंकवादियों से संबंध होने और बैंक खाते में 70 करोड़ रुपये मिलने का डर दिखाकर 20 लाख 94 हजार 900 रुपये ठग लिए। शाहपुर निवासी बुजुर्ग को आरोपियों ने खुद को एटीएस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) का अधिकारी बताकर डिजिटल अरेस्ट कर लिया। फर्जी सरकारी नोटिस, गिरफ्तारी वारंट और हथियारों व नकदी की तस्वीरें भेजकर उन्हें आजीवन जेल में सड़ाने की धमकी दी गई। भयभीत होकर बुजुर्ग ने आरोपियों के बताए बैंक खाते में 20 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से भेज दिए, जबकि 94,900 रुपये गूगल पे के जरिए ट्रांसफर करा लिए गए। शिकायत मिलने के बाद साइबर क्राइम थाना पुलिस ने करीब नौ लाख रुपये फ्रीज करा दिए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह के अनुसार, यदि पीड़ित दो दिन पहले एफआईआर दर्ज करा देते तो पूरी रकम फ्रीज होने की उम्मीद थी। शाहपुर थाना क्षेत्र की रामगंज कॉलोनी, गली नंबर एक, मंगलपुरी मंडी निवासी अशरफ अली अग्निशमन विभाग से सेवानिवृत्त हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 अक्टूबर 2026 को वह पंजाब में अपनी रिश्तेदारी में गए हुए थे। इसी दौरान सुबह करीब 9:20 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने कथित तौर पर बताया कि कश्मीर में आतंकवादियों के बीच एक सिम कार्ड मिला है, जिसका संबंध उनसे है। इसके साथ ही उनके एचडीएफसी बैंक खाते में 70 करोड़ रुपये मिलने और उसमें से 10 प्रतिशत लाभ मिलने का आरोप लगाया गया। पीड़ित ने इन

आरोपों से इनकार किया, लेकिन फोन करने वाले ने उन्हें गंभीर आपराधिक मामले में फंसाने की धमकी देकर दबाव बनाना शुरू कर दिया। पीड़ित के अनुसार, फोन करने वाले ने खुद को एटीएस लखनऊ का वरिष्ठ अधिकारी बताया और उन्हें अलग कमरे में जाने को कहा। इसके बाद पूछताछ के नाम पर लगातार दबाव बनाया गया। आरोपियों ने कहा कि यदि वह उनका सहयोग करेंगे तो उन्हें मामले से बचाया जा सकता है। साथ ही हर दो घंटे में अपनी स्थिति की जानकारी देने और किसी अन्य व्यक्ति को इस मामले के बारे में नहीं बताने की हिदायत दी गई। इसके बाद उन्हें दूसरे मोबाइल नंबर पर संपर्क करने को कहा गया। व्हाट्सएप पर बातचीत के दौरान एक व्यक्ति ने खुद को प्रदीप रावत बताते हुए एटीएस से जुड़ा अधिकारी बताया। इसी दौरान पीड़ित को एनआईए के नाम से कथित फर्जी नोटिस भेजा गया और गोपनीयता समझौता भी लिखवाया गया। इससे बुजुर्ग और अधिक भयभीत हो गए। शिकायत के मुताबिक, 16 अक्टूबर को आरोपियों ने पीड़ित को हथियारबंद लोगों, हथियारों, नकदी से भरे बैग और कमरे में बिखरे नोटों की तस्वीरें भेजीं। कथित तौर पर पकड़े गए लोगों और बैंक कर्मचारियों की तस्वीरें भी भेजी गईं। आरोपियों ने कहा कि उनके साथी पकड़े जा चुके हैं और अब उनकी गिरफ्तारी भी हो सकती है। उन्हें आजीवन जेल में सड़ाने की धमकी दी गई। लगातार फोन कॉल, कथित सरकारी नोटिस और गिरफ्तारी की चेतावनियों से बुजुर्ग मानसिक दबाव में आ गए। आरोप है कि साइबर अपराधियों ने इसी डर का फायदा उठाकर उनसे रकम जमा करा ली।

मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग उत्तर प्रदेश सरकार ने शेरपुर नगला से रामनगर संपर्क मार्ग का फीता काटकर किया शुभारंभ

विधानसभा क्षेत्र पुरकाजी में विकास को मिलेगी नई गति, ग्रामीणों का आवागमन होगा सुगम

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री अनिल कुमार ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र पुरकाजी को एक बड़ी सौगात दी। उन्होंने लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित होने वाले ग्राम शेरपुर नगला से रामनगर तक के संपर्क मार्ग का फीता काटकर विधिवत कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि यह संपर्क मार्ग केवल एक सड़क नहीं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को एक नई दिशा देने का माध्यम बनेगा। इस सड़क के निर्माण से स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों के आवागमन में सुगमता आएगी तथा समय व संसाधनों की बचत होगी।

विकास और जनसेवा ही हमारा मुख्य संकल्प

माननीय मंत्री श्री अनिल कुमार ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा "हमारा मुख्य संकल्प विकास की निरंतरता को बनाए रखना और जन-जन की सेवा करना है। क्षेत्र की प्रगति और जनता की आकांक्षाओं को धरातल पर उतारना ही हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुरकाजी विधानसभा के हर गाँव को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हम लगातार प्रयासरत हैं।"

कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस बहुप्रतीक्षित मार्ग के निर्माण कार्य शुरू होने पर मंत्री का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता लोक निर्माण प्रांतीय खंड अनिल कुमार तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या ग्राम वासी उपस्थित रहे।

अनफिट स्कूली वाहनों पर कसेगा शिकंजा, प्रधानाचार्यों को जारी होंगे नोटिस

जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए निर्देश, गन्ना ढुलाई में ओवरलोड वाहनों पर रोक और ई-रिक्शाओं की फिटनेस व लाइसेंस जांच के आदेश

मुजफ्फरनगर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने सख्ती की तैयारी शुरू कर दी है। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने स्कूलों में अनफिट वाहनों का संचालन रोकने, ई-रिक्शाओं की नियमित फिटनेस जांच करने और बिना वैध लाइसेंस चलने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। स्कूलों में अनफिट वाहनों का इस्तेमाल न हो, इसके लिए सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को नोटिस जारी किए जाएंगे। इसके साथ ही आगामी गन्ना पेराई सत्र से पहले गन्ना ढुलाई में लगे वाहनों की फिटनेस सुनिश्चित करने और ओवरलोडिंग पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की सितंबर 2026 की बैठक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हुई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुधारात्मक कार्यों, यातायात नियमों

के पालन और विभिन्न विभागों की प्रवर्तन कार्रवाई की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों में लापरवाही न बरती जाए और दुर्घटनाओं की आशंका वाले स्थानों पर समय रहते आवश्यक सुधार कराए जाएं। बैठक में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) को निर्देश दिए कि स्कूलों में अनफिट वाहनों का प्रयोग किसी भी स्थिति में न होने दिया जाए। इसके लिए बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला विद्यालय निरीक्षक को सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चों को स्कूल लाने और ले जाने वाले वाहनों की फिटनेस ठीक हो और उनके संचालन में सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए। अनफिट वाहनों के इस्तेमाल से दुर्घटना होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में संबंधित विभागों को स्कूलों के वाहनों की स्थिति पर निगरानी रखने और नियमों का पालन सुनिश्चित कराने को कहा गया है।

नए ब्लैक स्पॉट चिह्नित कर तत्काल कराए जाएंगे सुधार

जिले में सड़क दुर्घटनाओं की आशंका वाले स्थानों यानी ब्लैक स्पॉट पर भी बैठक में विशेष चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को पहले से चिह्नित ब्लैक स्पॉट पर कराए गए सुधारात्मक कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही वर्ष 2026 में सामने आए नए ब्लैक स्पॉट पर सुधारात्मक कार्य तत्काल कराने को कहा गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम करने के लिए नए दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान की जाए और वहां अल्पकालीन सुधार के कार्य कराए जाएं। सड़क सुरक्षा के लिहाज से जरूरी व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए पेड़ों की कटाई-छंटाई का मुद्दा भी उठाया गया। जिलाधिकारी ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित मार्गों पर आवश्यकतानुसार पेड़ों की कटाई-छंटाई कराई जाए, ताकि सड़क पर आवागमन में बाधा न आए और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो सके।अधिकारियों से कहा गया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए और जिन स्थानों पर सुधार की आवश्यकता है, वहां प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आगामी गन्ना पेराई सत्र को देखते हुए जिलाधिकारी ने जिला गन्ना विभाग के अधिकारियों को सभी गन्ना मिल मालिकों के साथ बैठक करने के निर्देश दिए। बैठक में यह सुनिश्चित करने पर जोर रहेगा कि गन्ना ढुलाई में अनफिट वाहनों का इस्तेमाल न हो और कोई भी वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर सड़क पर न चले।

भोपा क्षेत्र के गांव निरगाजनी की ट्यूबवेलों में चोरी: किसानों में आक्रोश, पुलिस से जल्द खुलासे की मांग

जंगल में लगी ट्यूबवेलों से केबल, कटआउट और स्टार्टर समेत ले गए चोर

मोरना (मुजफ्फरनगर)।भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव निरगाजनी के जंगल में चोरों ने एक ही रात में कई किसानों की ट्यूबवेलों को निशाना बनाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने लगातार कई ट्यूबवेलों के ताले तोड़कर वहां से कीमती वायर, कटआउट, स्टार्टर और अन्य सामान पार कर दिया। जंगल में हुई इस सिलसिलेवार चोरी की घटना से क्षेत्र के किसानों में भारी रोष व्याप्त है और उनमें असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

एक ही रात में कई खेतों को चोरों ने बनाया निशाना

धीराहेड़ी निवासी पीड़ित किसान रोहित राठी ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके खेत निकटवर्ती गांव निरगाजनी के जंगल में स्थित हैं। गुरुवार सुबह जब वे खेत पर स्थित अपनी ट्यूबवेल पर पहुंचे, तो वहां गेट का ताला टूटा हुआ मिला। कमरा अंदर से खंगाला गया था और वहां रखे कीमती वायर, कटआउट

तथा स्टार्टर गायब थे। इसके बाद आसपास छानबीन की गई तो पता चला कि चोरों ने गांव के ही पप्पू पुत्र हरिसिंह, निरगाजनी निवासी पप्पू पुत्र सुरेंद्र तथा नेमपाल सिंह की ट्यूबवेलों के ताले तोड़कर भी लाखों का कीमती सामान चोरी कर लिया है।

गश्त बढ़ाने की मांग, क्षेत्राधिकारी ने दिया जल्द खुलासे का भरोसा

क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों से नाराज किसानों ने स्थानीय पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने तथा चोरों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि कृषि उपकरण और केबल चोरी होने से सिंचाई का काम पूरी तरह ठप हो गया है। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी (सीओ) राधारमण सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में ले लिया गया है। पुलिस मौके पर जांच कर चुकी है और बहुत जल्द चोरी की इन घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मोरना के दरियाबाद में गिरी आकाशीय बिजली: फोन पर बात करती महिला बेहोश, दर्जनों घरों में फूंके इनवर्टर, पंखे और एलसीडी

बारिश और तेज हवा के बीच हुआ हादसा, पीड़ितों ने प्रशासन से की मुआवजे की मांग

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव दरियाबाद में गुरुवार सुबह तेज हवा और बारिश के बीच कुदरत का कहर बरपा। गांव में अचानक आकाशीय बिजली गिरने से दर्जनों घरों में रखे कीमती बिजली उपकरण जलकर स्वाहा हो गए, जिससे ग्रामीणों को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं, बिजली गिरने के तेज धमाके और गड़गड़ाहट से मोबाइल पर बात कर रही एक महिला अचानक बेहोश होकर गिर पड़ी। गनीमत यह रही कि इस बड़े हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। मोरना मजरे के गांव दरियाबाद निवासी संदीप भगत ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह इलाके में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हो रही थी और आसमान में बिजली कड़क रही थी। इसी दौरान गांव में एकाएक आकाशीय बिजली आ गिरी, जिससे घरों में हाई वोल्टेज का करंट दौड़

गया। घटना में गांव निवासी राम सिंह के मकान पर रखी पानी की टंकी फट गई, जबकि घर में रखा इनवर्टर, पंखे और एलसीडी टीवी जल गए। इसके अलावा अजय पाल, सुनील सहित दर्जनों ग्रामीणों के घरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण फुंक गए, जिससे ग्रामीणों का भारी नुकसान हुआ है।

फोन पर बात कर रही महिला अचेत

आकाशीय बिजली गिरने का दौर जिस समय शुरू हुआ, उस वक्त गांव निवासी सुंदर की पत्नी सोनम अपने घर में मोबाइल पर बात कर रही थीं। इसी दौरान आसमान में तेज चमक के बाद जोरदार धमाका हुआ। धमाके की भयावह आवाज और कड़क से सोनम बदहवास होकर जमीन पर गिर पड़ीं और बेहोश हो गईं। आनन-फानन में परिजनों ने उन्हें संभाला। एकाएक हुई इस आकाशीय घटना से पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पीड़ित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से गांव में हुए नुकसान का तत्काल सर्वे कराकर पीड़ित परिवारों को आर्थिक मुआवजा दिए जाने की गुहार लगाई है।

पीएनबी के सतर्कता जागरूकता सप्ताह में सेवा और सामाजिक सरोकार की पहल, अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया रक्तदान

मुजफ्फरनगर मंडल कार्यालय में लगा रक्तदान शिविर, करीब 25 यूनिट रक्त एकत्र, ह्यसत्यनिष्ठा से समृद्धि के संदेश के साथ बैंक चला रहा जागरूकता अभियान

मुजफ्फरनगर। पंजाब नेशनल बैंक के मंडल कार्यालय मुजफ्फरनगर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए करीब 25 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से रक्तदान के महत्व को रेखांकित करते हुए समाज के लोगों को जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए आगे आने का संदेश दिया गया। बैंक की ओर से सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों के जरिए सत्यनिष्ठा, जिम्मेदारी और सामाजिक सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। रक्तदान शिविर का शुभारंभ पंजाब नेशनल बैंक के उप मंडल प्रमुख राधेश्याम लाल दास, सहायक महाप्रबंधक चंद्रकांत सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक अनिल सिंह तथा एआईपीएनबीओए के अध्यक्ष क्रांति कुमार भारती ने किया। शुभारंभ के बाद बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में बैंककर्मियों की भागीदारी के साथ रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। आयोजन का उद्देश्य केवल रक्त एकत्र करना ही नहीं, बल्कि लोगों को यह समझाना भी रहा कि स्वैच्छिक रक्तदान किसी जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है।

कार्यक्रम के दौरान उप मंडल प्रमुख राधेश्याम लाल दास ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। अस्पतालों में दुर्घटना, ऑपरेशन और विभिन्न गंभीर बीमारियों के उपचार के दौरान मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ऐसी परिस्थितियों में समय पर रक्त उपलब्ध होना बेहद महत्वपूर्ण होता है। स्वैच्छिक रक्तदान के जरिए जरूरतमंदों की सहायता की जा सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि रक्तदान को लेकर किसी प्रकार की झिझक न रखें और इसके प्रति समाज में जागरूकता फैलाएं। उन्होंने कहा कि लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी देकर अधिक से अधिक व्यक्तियों को इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ने से जरूरत के समय रक्त की

उपलब्धता में मदद मिल सकती है।

अलकनंदा चैरिटेबल ब्लड सेंटर की टीम ने दिया सहयोग रक्तदान शिविर के आयोजन में अलकनंदा चैरिटेबल ब्लड एंड कंपोनेंट सेंटर की टीम ने सक्रिय सहयोग किया। सेंटर के चिकित्सक डॉ. आलोक कुमार और उनके सहयोगियों ने मंडल कार्यालय पहुंचकर शिविर में भाग लिया। उप मंडल प्रमुख राधेश्याम लाल दास ने चिकित्सक और उनकी टीम का धन्यवाद किया तथा रक्तदान शिविर के सफल आयोजन में दिए गए सहयोग के लिए आभार जताया। शिविर में रक्तदान करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुविधा का भी ध्यान रखा गया। बैंक की ओर से रक्तदाताओं के लिए फलाहार, जूस और अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। रक्तदान के बाद प्रतिभागियों को जलपान उपलब्ध कराया गया। बैंककर्मियों की सहभागिता ने आयोजन को सामाजिक सेवा से जोड़ने के साथ-साथ अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया।

सत्यनिष्ठा से समृद्धि है जागरूकता सप्ताह की थीम पंजाब नेशनल बैंक की ओर से 26 अक्टूबर से एक नवंबर तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष सप्ताह की थीम सत्यनिष्ठा से समृद्धि रखी गई है। इस थीम के माध्यम से ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। बैंक की ओर से सप्ताह के दौरान अलग-अलग गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिनके जरिए कर्मचारियों के साथ आम नागरिकों को भी जागरूक किया जा रहा है। बैंक की शाखाओं के माध्यम से ग्राम सभाओं का आयोजन कर लोगों को सतर्कता और सत्यनिष्ठा के प्रति जागरूक करने की पहल की जा रही है। वहीं, मंडल कार्यालय में भी जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए भाग लिया। इससे यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि संस्थागत स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों के साथ समाजोपयोगी गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत मंडल कार्यालय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आयोजित किया जा चुका है। ऐसे कार्यक्रमों के जरिए अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने कार्यों में ईमानदारी, पारदर्शिता तथा नियमों के पालन के प्रति प्रतिबद्ध रहने का संदेश दिया जा रहा है।

ट्यूशन से लौट रही किशोरी से छेड़छाड़ और जातिसूचक टिप्पणी करने वाले को तीन साल की कैद

खतौली के अंकित पर 16 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया, पॉक्सो कोर्ट ने सुनाई सजा; 2021 में दर्ज हुआ था मुकदमा, पुलिस और अभियोजन की प्रभावी पैरवी आई काम

मुजफ्फरनगर। ट्यूशन से घर लौट रही 15 वर्षीय किशोरी के साथ छेड़छाड़, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग और अभद्रता करने के मामले में अदालत ने आरोपी को तीन साल के कारावास और 16 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। खतौली थाना क्षेत्र के इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर विवेचना पूरी की थी। इसके बाद आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। पुलिस और अभियोजन की प्रभावी पैरवी तथा प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर एडीजे/स्पेशल पॉक्सो कोर्ट, मुजफ्फरनगर ने 29 अक्टूबर 2026 को आरोपी अंकित पुत्र विजय सिंह निवासी आर्यपुरी भूड़, थाना खतौली को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

ट्यूशन से लौटते समय किशोरी से की थी छेड़छाड़

अभियोजन के अनुसार मामला 14 दिसंबर 2021 का है। उस दिन पीड़िता के भाई ने थाना खतौली में लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया था कि अंकित ने उनकी 15 वर्षीय बहन के साथ ट्यूशन से लौटते समय छेड़छाड़ की। शिकायत में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने और अभद्रता करने का आरोप भी लगाया गया था। शिकायत के आधार पर खतौली थाने में मुकदमा अपराध संख्या 705/2021 दर्ज किया गया। इसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 354 और 506, पॉक्सो अधिनियम की धारा 7/8 तथा एससी-एसटी अधिनियम की धारा 3(1)(ब)(1) के तहत कार्रवाई की गई।

दो दिन बाद आरोपी को किया था गिरफ्तार

मुकदमा दर्ज होने के बाद खतौली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 16 दिसंबर 2021 को आरोपी अंकित को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया था। पुलिस ने मामले से संबंधित साक्ष्य एकत्र किए और विवेचना पूरी करने के बाद 21 दिसंबर 2021 को आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया।इसके बाद मामले की सुनवाई न्यायालय में चली। पुलिस और अभियोजन पक्ष की ओर से गवाहों को समय से न्यायालय में पेश कराया गया तथा आरोपी के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्य प्रस्तुत किए गए।अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी प्रदीप बालियान और एडीजीसी दिनेश शर्मा ने पैरवी की। वहीं, कोर्ट पैरोकार महिला मुख्य आरक्षी गीता ने भी मामले में आवश्यक समन्वय किया। पुलिस के अनुसार, गवाहों को समय से न्यायालय में उपस्थित कराया गया और अभियोजन ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किए।

थानाभवन में करवाचौथ के दिन पूरे दिन बूंदाबांदी के चलते बाजारों की रौनक रही गायब, दुकानदार करते रहे ग्राहकों का इंतजार

थानाभवन। बृहस्पतिवार को करवा चौथ के पर्व पर थानाभवन में पूरा दिन बूंदाबांदी के चलते नगर के बाजारों में रौनक गायब रही । अच्छी दुकानदारी की आस लगाए बैठे दुकानदारो को ग्राहकों के कम संख्या में बाजार में आने से निराशा हाथ लगी ।

करवा चौथ के त्यौहार को लेकर थाना भवन के बाजार बुधवार को जबरदस्त गुलजार रहे ।बाजारों में अच्छी संख्या में ग्राहक आने से रौनक देखी गई ।ग्राहकों ने अपनी अपनी जरूरत के हिसाब से जमकर खरीदारी भीकी लेकिन बृहस्पतिवार को करवा चौथ के दिन सुबह से ही थाना भवन नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में शुरू हुई बूंदाबांदी से ब्यूटी पार्लर एवं अन्य दुकानदार ग्राहकों का पूरे दिन इंतजार करते रहे लेकिन खराब मौसम एवं ठंड के चलते पूरे दिन बहुत ही कम संख्या में ग्राहक बाजारों में पहुंचे और ब्यूटी पार्लर में भी अपेक्षित रूप से महिलाएं नहीं आ सकी। अच्छी दुकानदारी की आस लगाए दुकानदारों को गहरी निराशा हाथ लगी ।

देर शाम तक बूंदाबांदी का यह सिलसिला चलता रहा जिससे महिलाएं भी देर शाम तक चांद का इंतजार करती रही। पूरे दिन बारिश के चलते खेती किसानी का काम भी पूरी तरह प्रभावित रहा एवं बूंदाबांदी से ठंड बढ़ गई ओर किसानों को दैनिक कार्यों मे भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

व्यापारियों की आवाज व्यापार मंडल का लगातार बढ़ रहा कुनबा

शिव चौक और गुड़ड़ी बाजार के सात व्यापारियों ने ग्रहण की सदस्यता, जिलाध्यक्ष शलभ गुप्ता ने दिलाई व्यापारी हितों की रक्षा की शपथ

मुजफ्फरनगर। व्यापारियों की आवाज व्यापार मंडल का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। व्यापारियों को संगठित करने और उनके हितों की रक्षा के उद्देश्य से व्यापार मंडल द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 को नगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता की संस्तुति पर जिलाध्यक्ष शलभ गुप्ता ने शिव चौक और गुड़ड़ी बाजार के सात व्यापारियों को व्यापारियों की आवाज व्यापार मंडल की सदस्यता ग्रहण कराई।

जिला महामंत्री जनार्दन विश्वकर्मा ने बताया कि सदस्यता ग्रहण करने वालों में माणिक अरोरा, सरदार जी.एस. बांगा, लविश खरबंदा, दीपांशु कुच्छल, नमन अरोरा, दशमीत सिंह और गुरकीरत सिंह शामिल रहे। इस दौरान नवनियुक्त सदस्यों ने जिलाध्यक्ष शलभ गुप्ता को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इसके बाद जिलाध्यक्ष शलभ गुप्ता, जिला वरिष्ठ

उपाध्यक्ष दीपक मित्तल सर्राफ, नगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, सरार्फा बाजार इकाई अध्यक्ष मयंक बंसल सर्राफ, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गर्ग, जिला महामंत्री जनार्दन विश्वकर्मा, नगर मंत्री विपिन गुप्ता और सचिव राहुल शर्मा ने नवनियुक्त सदस्यों का माल्यार्पण कर व्यापार मंडल में स्वागत किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शलभ गुप्ता ने कहा कि व्यापारी वर्ग देश की आर्थिक रीढ़ है। व्यापारी अपनी मेहनत और लगन से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग का व्यापार के साथ-साथ व्यापारिक राजनीति में भी आगे आना एक अच्छा संदेश है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से व्यापारियों की समस्याओं को मजबूती मिलेगी।

विशेष अभियान शुरू-त्योहारों पर रात में भी चमकेगा मुजफ्फरनगर

सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने को 55 वार्डों में जेएस एनवायरो ने उतारी 15 विशेष टीमें, पांच क्यूआरटी भी तैनात

मुजफ्फरनगर। त्योहारों के दौरान शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए नगरपालिका प्रशासन की निगरानी में निजी क्षेत्र की कंपनी जेएस एनवायरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने सफाई अभियान तेज कर दिया है। दीपावली को स्वच्छता से रोशन करने में जुटे पालिका प्रशासन के साथ कंपनी ने विशेष अभियान शुरू किया है, जिसमें अब शहर में रात के समय भी कूड़े के छोटे-बड़े पॉइंटों की सफाई कार्य किया जा रहा। इसके लिए कंपनी द्वारा 55 वार्डों में 15 विशेष टीमें और पांच क्विक रिस्पांस टीमें (क्यूआरटी) लगाई गई हैं। नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, अधिशासी अधिकारी पवन कुमार और कंपनी के एमडी जीवन कुमार उपाध्याय के निर्देशन में यह व्यवस्था शुरू की गई है। इस अभियान की निगरानी के लिए पालिका प्रशासन ने अफसरों की टीम को भी फील्ड में सक्रिय किया है।

ईओ पवन कुमार के अनुसार दीपावली के अवसर पर शहर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के लिए जेएस एनवायरो और पालिका प्रशासन के साथ समन्वित अभियान चलाया जा रहा है। कंपनी की टीमें नियमित सफाई के साथ उन स्थानों पर भी विशेष ध्यान देंगी, जहां आसपास के क्षेत्रों से कूड़ा जमा हो जाता है। रात्रिकालीन सफाई से त्योहारों के दौरान बाजारों और व्यस्त इलाकों में गंदगी की समस्या कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर नीतेश चौधरी ने बताया कि शाम चार बजे से रात आठ बजे तक विशेष टीमों को सफाई कार्य में लगाया जा रहा है। इसके लिए ट्रैक्टर लोडर, जेसीबी, ट्रैक्टर और डंपर की व्यवस्था की गई है। चालक, सहायक और सुपरवाइजर विशेष टीम के कर्मियों के साथ मिलकर शहर के छोटे कूड़ा पॉइंटों को साफ करेंगे। शहर को गंदगी से मुक्त करने के लिए पारंपरिक कूड़ा डलाव घरों को बंद करने की योजना पर भी काम किया जा रहा है। कंपनी के अनुसार,

पिछले एक साल चार महीने में पालिका प्रशासन के सहयोग से 10 बड़े डलाव घरों और करीब दो दर्जन छोटे-बड़े कूड़ा पॉइंटों को समाप्त किया जा चुका है। जिला अस्पताल, डीएम आवास, सिटी सेंटर, आर्य समाज रोड, अंसारी रोड और नई मंडी क्षेत्र में भी इस दिशा में काम हुआ है। मेरठ रोड पर डीएम आवास के सामने पुराने डलाव घर को बंद कर वहां आकर्षक सेल्फी पॉइंट बनाया गया है।

कंपनी के मुताबिक, शहर में करीब 400 कर्मचारियों के माध्यम से डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रह और सेकेंडरी पॉइंटों से कचरा उठाने का काम किया जा रहा है। सेवा शुरू होने के एक साल चार महीने बाद नगर पालिका परिषद ने कंपनी के कार्य को संतोषजनक बताते हुए फीडबैक पत्र भी जारी किया है। कंपनी का कहना है कि सफाई व्यवस्था में सुधार और नियमित कूड़ा संग्रह से शहर की स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं को मजबूती मिली है।

जेएस एनवायरो ने दुकानदारों और व्यापारियों से अपील की है कि वे दुकानों का कचरा सड़कों, नालियों या खाली स्थानों पर न डालें। कूड़ा नगर पालिका की गाड़ी में ही डालें, ताकि बाजारों में गंदगी जमा न हो और सफाई व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

त्योहारों पर पालिका ने विशेष टीम उतारीः मीनाक्षी स्वरूप

मुजफ्फरनगर को स्वच्छ और सुंदर बनाना नगर पालिका की प्राथमिकता है। त्योहारों के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के लिए विशेष टीमें लगाई गई हैं। रात्रिकालीन सफाई से उन स्थानों को भी साफ रखने में मदद मिलेगी, जहां दिनभर लोगों की आवाजाही के कारण कूड़ा जमा हो जाता है। शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नागरिकों और व्यापारियों का सहयोग भी जरूरी है। सभी लोग कूड़ा निर्धारित गाड़ी में ही डालें और स्वच्छता अभियान में अपनी भागीदारी निभाएं।

विशेष अभियान की निगरानी करेंगे अफसरः पवन कुमार

त्योहारों के मद्देनजर शहर में सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए विशेष कार्ययोजना लागू की गई है।

पैसे देने के बहाने पड़ोसी घर में घुसा, विवाहिता से छेड़छाड़ और अभद्रता का आरोप

महिला के शोर मचाने पर भागा आरोपी, पीड़िता की तहरीर पर सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र की जनकपुरी में पैसे देने के बहाने एक विवाहिता के घर पहुंचे पड़ोसी पर छेड़छाड़ और अभद्रता करने का आरोप लगा है। आरोप है कि पड़ोसी ने घर में प्रवेश करने के बाद विवाहिता के साथ अशोभनीय हरकतें कीं। महिला ने विरोध करते हुए शोर मचाया तो आरोपी मौके से भाग निकला। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, जनकपुरी निवासी विवाहिता ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति के माध्यम से उसके लिए पैसे भिजवाए गए थे। इसी रकम को देने के बहाने पड़ोसी सुमित उसके घर पहुंचा। आरोप है कि 27 अक्टूबर 2026 की शाम करीब आठ बजे आरोपी पैसे देने के बहाने घर के अंदर आया। महिला का आरोप है कि घर में आने के बाद आरोपी की नीयत बदल गई और उसने उसके साथ छेड़छाड़ करते हुए अभद्र व्यवहार किया। पैसे देने के बहाने घर पहुंचने का आरोप पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि आरोपी उसके घर पैसे देने के लिए आया था। इसी बहाने वह घर के अंदर पहुंच गया। महिला का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने उसके साथ छेड़छाड़ और बदसलूकी की। अचानक हुई इस घटना से महिला परेशान हो गई और उसने आरोपी की हरकतों का विरोध किया। शिकायत के मुताबिक, महिला ने जब आरोपी की हरकतों का विरोध करते हुए शोर मचाया तो वह मौके से भाग निकला। घटना के बाद पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले को दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

27 अक्टूबर की शाम की बताई गई घटना

तहरीर में घटना की तारीख 27 अक्टूबर 2026 और समय शाम करीब आठ बजे बताया गया है। मामला जनकपुरी का है, जो सिविल लाइन थाना क्षेत्र में आता है। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि आरोपी ने पैसे देने के बहाने उसके घर पहुंचकर उसके साथ छेड़छाड़ और अभद्रता की। महिला के शोर मचाने पर आरोपी के भाग जाने की बात भी शिकायत में कही गई है।

सिविल लाइन पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

पीड़िता की तहरीर के आधार पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी सुमित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अभिलेख में शिकायत दर्ज होने के बाद मामले की जांच की जा रही है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के दौरान होने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर की जाएगी।

करवाचौथ पर मौसम का बदला मिजाज, सुबह की झमाझम बारिश से ठिठुरा मुजफ्फरनगर

तड़के चार बजे से छाए बादल, बिजली की गड़गड़ाहट के बाद सुबह आठ बजे शुरू हुई बारिश

मुजफ्फरनगर। करवाचौथ के दिन सुबह हुई झमाझम बारिश ने मुजफ्फरनगर में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। तड़के से आसमान में छाए बादलों, बिजली की चमक और बादलों की तेज गड़गड़ाहट के बाद सुबह करीब आठ बजे बारिश शुरू हो गई। अचानक बदले मौसम से तापमान में गिरावट दर्ज की गई और पारा 22 डिग्री तक पहुंच गया। बारिश के बाद वातावरण में ठंडक बढ़ने से लोगों को बदलते मौसम का एहसास होने लगा। सुबह घरों से निकलने वाले लोगों को भी बारिश और ठंडी हवा के बीच अपने दैनिक कामकाज करने पड़े। करवाचौथ के दिन मौसम में आए इस बदलाव ने सुबह की शुरूआत को बारिश भरा बना दिया। तड़के करीब चार बजे से ही आसमान में बादलों की आवाजाही बढ़ने लगी थी। धीरे-धीरे बादलों ने पूरे आसमान को घेर लिया। इसके बाद बिजली चमकने और तेज गड़गड़ाहट का सिलसिला शुरू हुआ। सुबह करीब आठ बजे बारिश ने जोर पकड़ लिया। देखते ही देखते शहर में झमाझम बारिश होने लगी, जिससे तापमान में गिरावट आई और मौसम में ठंडक बढ़ गई।

सुबह की बारिश से बदली दिनचर्या, छाते लेकर निकले लोग

सुबह के समय हुई बारिश के कारण शहर की सड़कों और बाजारों में आने-जाने वाले लोगों को मौसम के बदले मिजाज का सामना करना पड़ा। रोजमर्रा के कामकाज के लिए घरों से निकलने वाले लोगों को बारिश के बीच आवागमन करना पड़ा। करवाचौथ के चलते बाजारों में खरीदारी और अन्य तैयारियों के लिए निकलने वाले लोगों के लिए भी मौसम का बदलाव महत्वपूर्ण रहा। आसमान में घने बादल छाए रहने और बारिश होने से दिन की शुरूआत सामान्य दिनों से अलग रही। बारिश के चलते तापमान गिरने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम में आई ठंडक ने वातावरण को सुहाना बना दिया। हालांकि, बारिश के कारण खुले में काम करने वाले लोगों और दोपहिया वाहनों से सफर करने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

दोपहर तक बारिश की संभावना, बादल छाए रहने का अनुमान

मौसम विभाग के उपलब्ध पूर्वानुमान के अनुसार, बारिश का सिलसिला दोपहर करीब दो बजे तक जारी रहने की संभावना जताई गई। इस दौरान आसमान में बादल छाए रहने और रुक-रुककर बारिश होने का अनुमान है। ऐसे में दिन के बाकी समय भी मौसम में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।

सुबह हुई बारिश के बाद तापमान में आई गिरावट से मौसम का मिजाज ठंडा हो गया है। यदि बादल छाए रहते हैं और बारिश जारी रहती है, तो दिन के तापमान में बढ़ोतरी सीमित रह सकती है। लोगों को घर से निकलते समय मौसम की स्थिति को ध्यान में रखने की जरूरत है।

हवा की रफ्तार तीन किलोमीटर प्रति घंटा, वायु गुणवत्ता सूचकांक 146

मौसम से जुड़े उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, शहर में हवा की रफ्तार तीन किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, जबकि वायु गुणवत्ता सूचकांक 146 रहा। बारिश और बादलों के बीच तापमान में गिरावट दर्ज की गई। वायु गुणवत्ता सूचकांक 146 का स्तर मध्यम श्रेणी में आता है, जो कुछ संवेदनशील लोगों को प्रभावित कर सकता है। बारिश के कारण मौसम में ठंडक बढ़ने के साथ लोगों का ध्यान हवा की गुणवत्ता पर भी बना हुआ है। हालांकि, केवल बारिश होने से वायु प्रदूषण पूरी तरह समाप्त नहीं माना जा सकता। वायु गुणवत्ता की स्थिति का आकलन उपलब्ध माप और उसके बाद के आंकड़ों के आधार पर ही किया जाता है।

करवाचौथ पर सुहाना हुआ मौसम, ठंडक ने कराया बदलते मौसम का एहसास

करवाचौथ के दिन सुबह हुई बारिश ने जिले में मौसम का रुख बदल दिया। तड़के बादलों की आवाजाही से शुरू हुआ बदलाव सुबह झमाझम बारिश में बदल गया। तापमान 22 डिग्री तक पहुंचने से वातावरण में ठंडक महसूस होने लगी। सुबह से दोपहर तक बारिश की संभावना के चलते लोगों को अपने दैनिक कामकाज और बाजार जाने की योजना मौसम के अनुसार बनानी पड़ सकती है। कुल मिलाकर, करवाचौथ पर हुई बारिश से मुजफ्फरनगर में मौसम सुहाना हो गया है। तापमान में गिरावट और आसमान में छाए बादलों के कारण दिन की शुरूआत ठंडक के साथ हुई। अब मौसम का अगला रुख बारिश थमने और बादलों की स्थिति पर निर्भर करेगा।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल के प्रयासों से मुजफ्फरनगर को बड़ी सौगात, जल निकासी एवं विकास कार्यों के लिए 17 करोड़ स्वीकृत

मुजफ्फरनगर। शहर की जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, जलभराव की समस्या का समाधान करने और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, कपिल देव के निरंतर प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण (एमडीए) द्वारा भेजे गए तीन महत्वपूर्ण विकास प्रस्तावों को शासन से स्वीकृति मिल गई है। इन परियोजनाओं पर कुल 16 करोड़ 74 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे।नगर विधायक एवं मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए शासन एवं संबंधित अधिकारियों के समक्ष इस विषय को प्रमुखता से उठाया था। उनके प्रयासों से तैयार प्रस्तावों को स्वीकृति मिलने के बाद अब इन क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ सड़क निर्माण एवं सौंदर्यीकरण के कार्यों का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

तीनों स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है–जानसठ रोड से कूकड़ा क्षेत्र तक जल निकासी व्यवस्था – ड्ट10.20 करोड़

जानसठ रोड से सहावली की ओर जाने वाले मार्ग पर लगभग 500 मीटर लंबे नाले को कवर्ड करते हुए निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही जानसठ रोड से कूकड़ा की ओर पूर्व निर्मित आरसीसी नाले तक लगभग 500 मीटर अतिरिक्त आरसीसी नाले का निर्माण कर उसे जोड़ा जाएगा। इस प्रकार कुल लगभग 1,000 मीटर आरसीसी नाले की व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे घनी आबादी के पानी की निकासी बेहतर होगी और नाले को कवर्ड कर सड़क निर्माण से आवागमन की सुविधा भी बढ़ेगी। जीसी पब्लिक स्कूल से गांधी नगर पुलिया तक नाले का निर्माण – ड्ट4.51 करोड़

घनी आबादी के पानी की निकासी के लिए जीसी पब्लिक स्कूल से गांधी नगर की पुलिया तक लगभग 800 मीटर लंबे बड़े आरसीसी नाले का निर्माण कराया जाएगा। इस परियोजना से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी और स्थानीय निवासियों को जलभराव की समस्या से राहत मिलने में मदद मिलेगी। रामपुर चौराहे पर जल निकासी एवं सुभाष चौक का सौंदर्यीकरण – ड्ट2.03 करोड़

रामपुर चौराहे पर पानी की निकासी के लिए कलवर्ट, ड्रेन एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स सहित आवश्यक निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त सुभाष चौक के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण का कार्य भी कराया जाएगा। इससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधाओं में सुधार होगा तथा शहर के प्रमुख स्थलों का स्वरूप बेहतर बनेगा। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा, मुजफ्फरनगर का सुनियोजित विकास, जलभराव की समस्या का समाधान और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। शहर के जिन क्षेत्रों में जल निकासी की समस्या के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है, वहां स्थायी समाधान की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। लगभग 16.74 करोड़ रुपये की इन तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति मिलना मुजफ्फरनगर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा प्रयास है कि इन कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराया जाए, ताकि आम नागरिकों को सीधा लाभ मिले।

बादल ठाकुर आत्महत्या कांडः पांच दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं, इंसाफ और सुरक्षा के लिए एसएसपी कार्यालय पहुंचे परिजन

मकान खरीदने के बाद ब्लैकमेलिंग और मानसिक प्रताड़ना के आरोप, मृतक के बेटे करण ने पुलिस के सामने रखी परिवार की पीड़ा; नामजद पांचों आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

मुजफ्फरनगर। ब्लैकमेलिंग और कथित मानसिक प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या करने वाले बादल ठाकुर के मामले में अब पीड़ित परिवार ने पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठाए हैं। मुकदमा दर्ज होने के बावजूद नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज मृतक के बेटे करण और अन्य परिजन एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों के सामने अपनी पीड़ा रखते हुए मामले की निष्पक्ष जांच, सभी पांच नामजद आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। परिजनों का कहना है कि एक ओर वे अपने परिवार के सदस्य को खोने के गहरे दुख से गुजर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कथित धमकियों के कारण उन्हें अपनी सुरक्षा की चिंता भी सता रही है। मृतक के बेटे करण ने अपनी शिकायत में बताया कि उनके परिवार ने सनी वर्मा से एक मकान खरीदा था। करण के अनुसार, मकान की पूरी रकम चुकाने के बावजूद उनके पिता बादल ठाकुर को कथित रूप से ब्लैकमेल किया जा रहा था। परिवार का

आरोप है कि सनी वर्मा और उसके साथियों की ओर से लगातार दबाव बनाए जाने के कारण बादल ठाकुर मानसिक तनाव में रहने लगे थे। परिजनों के मुताबिक, मकान की खरीद से जुड़े विवाद ने बाद में गंभीर रूप ले लिया। परिवार का आरोप है कि उनके पिता को लगातार परेशान किया जाता था और इस कारण उनकी मानसिक स्थिति पर भी असर पड़ रहा था। परिजनों ने पुलिस से पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ते हुए जांच करने की मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि बादल ठाकुर को किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा था। करण ने अपनी शिकायत में एक ऐसे व्यक्ति का भी जिक्र किया, जो कथित तौर पर खुद को पत्रकार बताता था। आरोप है कि वह उनकी दुकान पर आकर पैसे देने का दबाव बनाता था। परिवार का कहना है कि झूठी खबरें चलाने की धमकी देकर भी बादल ठाकुर को परेशान किया जाता था। परिजनों के अनुसार, इस तरह के दबाव और कथित धमकियों के कारण बादल ठाकुर लगातार तनाव में रहने लगे थे। परिवार ने इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि पूरे मामले में शामिल बताए जा रहे सभी लोगों की भूमिका की जांच की जानी चाहिए। हालांकि, लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही हो सकेगी।पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना को पांच दिन बीत चुके हैं और मामले में मुकदमा भी दर्ज हो चुका है, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से उन्हें निराशा हो रही है। इसी मुद्दे को लेकर परिजन एसएसपी कार्यालय पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से जल्द कार्रवाई की मांग की। परिजनों ने कहा कि मुकदमा दर्ज होने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि मामले में तेजी से कार्रवाई होगी, लेकिन गिरफ्तारी नहीं होने के कारण उनकी चिंता बढ़ रही है। परिवार चाहता है कि पुलिस केवल शिकायत दर्ज करने तक सीमित न रहे, बल्कि आरोपों की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई करे। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि घटना के बाद उन्हें और उनके परिवार को भी जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। परिवार का कहना है कि वे पहले ही अपने प्रियजन को खोने के सदमे से गुजर रहे हैं और अब कथित धमकियों के चलते असुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

रात में सड़कों पर उतरे एसपी ग्रामीण, रामराज और मीरापुर की पुलिस चौकियों का किया औचक निरीक्षण

बैराज, बीआईटी और संभलहेड़ा चौकियों पर सुरक्षा व्यवस्था परखी, पुलिसकर्मियों को सतर्कता के साथ गश्त बढ़ाने और संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की सघन जांच के निर्देश

मीरापुर । ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने देर रात भ्रमण कर पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रामराज और मीरापुर थाना क्षेत्रों की तीन पुलिस चौकियों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों की ड्यूटी, सुरक्षा इंतजाम और रात्रि गश्त की व्यवस्था परखी गई। एसपी ग्रामीण ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को पूरी सतर्कता बरतने, नियमित गश्त करने और संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। पुलिस के अनुसार, 28 और 29 अक्टूबर की मध्यरात्रि को एसपी ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमणशील रहे। इस दौरान उन्होंने रामराज थाना क्षेत्र की बैराज और बीआईटी पुलिस चौकियों के साथ मीरापुर थाना क्षेत्र की संभलहेड़ा पुलिस चौकी का आकस्मिक निरीक्षण किया।

अचानक हुए निरीक्षण के दौरान उन्होंने चौकियों पर तैनात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी और क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ग्रामीण ने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि रात के समय अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त सुनिश्चित करें। संवेदनशील स्थानों और प्रमुख मार्गों पर निगरानी बनाए रखने के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों का सतर्क रहना और समय-समय पर क्षेत्र में भ्रमण करना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान पुलिस चौकियों पर तैनात बल को वाहनों की जांच प्रभावी ढंग से करने और संदिग्ध व्यक्तियों से आवश्यक पूछताछ करने के निर्देश भी दिए गए। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना और आपराधिक गतिविधियों पर समय रहते नियंत्रण करना है।

एसपी ग्रामीण ने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि किसी भी आपात स्थिति, आपराधिक घटना या संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस की सक्रियता ऐसी होनी चाहिए कि किसी भी घटना पर समय रहते कार्रवाई की जा सके और आमजन में सुरक्षा का भरोसा बना रहे।

उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने, अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी निगरानी करने और पुलिस की मौजूदगी बनाए रखने पर जोर दिया। चौकियों पर तैनात पुलिसकर्मियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता और सतर्कता के साथ करने के निर्देश दिए गए। मुजफ्फरनगर पुलिस की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के लिए यह रात्रिकालीन निरीक्षण किया गया। रामराज और मीरापुर थाना क्षेत्रों की चौकियों पर पहुंचकर एसपी ग्रामीण ने मौके पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ऑपरेशन चक्रवातः मुजफ्फरनगर में 250 से अधिक पुराने अपराधी थानों में तलब, पुलिस ने भरवाए डोजियर

सर्दियों और कोहरे की रातों में चोरी, लूट व नकबजनी रोकने की तैयारी, अपराधियों का यक्ष ऐप से सत्यापन; पुराने अपराधों के आधार पर हॉटस्पॉट चिह्नित कर गश्त बढ़ाएगी पुलिस

मुजफ्फरनगर। सर्दियों के मौसम में कोहरे और अंधेरे का फायदा उठाकर चोरी, लूट, नकबजनी और अन्य आपराधिक वारदातों को अंजाम देने वाले अपराधियों पर निगरानी बढ़ाने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने ऑपरेशन चक्रवात शुरू किया है। अभियान के तहत नगर क्षेत्र के चार थानों में 250 से अधिक ऐसे लोगों को बुलाया गया, जो पूर्व में चोरी, लूट, डकैती और गोकशी समेत विभिन्न आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं। पुलिस ने इन लोगों से थानों में अद्यतन डोजियर भरवाए और यक्ष ऐप के माध्यम से उनका सत्यापन कराया। साथ ही उन्हें भविष्य में अपराध से दूर रहने की हिदायत देते हुए अपराध न करने की शपथ भी दिलाई गई।पुलिस का उद्देश्य सर्दियों में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ ही पुराने अपराधियों की मौजूदा गतिविधियों, निवास स्थान और संपर्कों की जानकारी जुटाना है। इसके लिए उनका नया डेटाबेस तैयार किया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर पुलिस उनकी गतिविधियों का सत्यापन कर सके और किसी आपराधिक गिरोह से जुड़े होने की जानकारी भी जुटा सके।

चार थानों में एक साथ चला अभियान, पुराने अपराधियों का जुटाया जा रहा ब्योरा

ऑपरेशन चक्रवात के तहत नगर क्षेत्र के चार थानों में पुलिस ने अभियान चलाकर पूर्व में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे लोगों को बुलाया। इनमें चोरी, लूट, नकबजनी, डकैती और गोकशी जैसे मामलों में संलिप्त रहे लोग शामिल बताए गए हैं। पुलिस ने सभी का विवरण दर्ज करने के साथ उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी जुटाने पर जोर दिया। अभियान के दौरान संबंधित लोगों से डोजियर भरवाए गए, जिनमें उनके बारे में आवश्यक जानकारियां दर्ज की जा रही हैं। पुलिस इस प्रक्रिया के जरिए यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि संबंधित व्यक्ति वर्तमान में कहां रह रहा है, क्या काम कर रहा है और उसकी गतिविधियां क्या हैं। इसके अलावा यह भी सत्यापित किया जा रहा है कि वह किसी पुराने या सक्रिय आपराधिक गिरोह के संपर्क में तो नहीं है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पुराने आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों की जानकारी समय-समय पर अद्यतन रखना जरूरी है। इससे किसी क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर पुलिस को संबंधित व्यक्ति के बारे में जानकारी जुटाने में आसानी होगी। एसपी सिटी अमृत जैन ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सिटी जोन के सभी थानों में ऑपरेशन चक्रवात शुरू किया गया है। इसका प्रमुख उद्देश्य आने वाली सर्दियों और कोहरे की रातों में चोरी, लूट, नकबजनी तथा अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करना है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों को चिह्नित कर थानों पर बुलाया जा रहा है, जो पूर्व में इन अपराधों में संलिप्त रहे हैं। उनका अद्यतन डोजियर तैयार करने के साथ यक्ष ऐप के माध्यम से सत्यापन किया जा रहा है।

मुजफ्फरनगर के लाल डीएसपी अर्जुन देशवाल का बढ़ा मान, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में किया सम्मानित

गांव बसेड़ा के अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी को प्रदेश सरकार ने दिया सम्मान, एशियन गेम्स में भारतीय टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में निभाई थी अहम भूमिका; जिले में खुशी की लहर

मुजफ्फरनगर। जिले की माटी में जन्मे अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अर्जुन देशवाल ने अपनी प्रतिभा और शानदार खेल प्रदर्शन से एक बार फिर मुजफ्फरनगर का मान बढ़ाया है। गांव बसेड़ा निवासी डीएसपी और भारतीय कबड्डी टीम के स्टार रेडर अर्जुन देशवाल को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया। प्रदेश स्तर पर मिले इस सम्मान से उनके परिवार, गांव और जिले के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने इसे मुजफ्फरनगर के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि अर्जुन ने अपनी मेहनत, लगन और खेल कौशल के दम पर जिले को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। अर्जुन देशवाल भारतीय कबड्डी के चर्चित खिलाड़ियों में शामिल हैं। मैट पर उनकी तेजी, विरोधी टीम के खिलाड़ियों को चकमा देने की क्षमता और रेड के दौरान अंक हासिल करने के कौशल ने उन्हें अलग पहचान दिलाई है। भारतीय टीम के

लिए खेलते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एशियन गेम्स में भारतीय कबड्डी टीम को स्वर्ण पदक दिलाने में उनकी अहम भूमिका रही, जिसके चलते उनकी उपलब्धियों की चर्चा खेल जगत में होती रही है। लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और अनुशासन के दम पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने, उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। अर्जुन देशवाल को मिला सम्मान उनके खेल करियर की उपलब्धियों के साथ-साथ प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की भी झलक है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों का सम्मान युवा पीढ़ी को खेलों की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मुजफ्फरनगर के गांव बसेड़ा से निकलकर भारतीय कबड्डी टीम तक पहुंचने वाले अर्जुन देशवाल की उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। कबड्डी जैसे प्रतिस्पर्धी खेल में पहचान बनाने के लिए शारीरिक क्षमता, नियमित अभ्यास, अनुशासन और मानसिक मजबूती की जरूरत होती है। अर्जुन ने अपने खेल के दम पर इस मुकाम तक पहुंचकर साबित किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाएं भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ सकती हैं।

उनकी उपलब्धि से जिले के उन युवाओं को भी प्रेरणा मिलती है, जो खेलों में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

अर्जुन का सफर इस बात का उदाहरण है कि निरंतर मेहनत और बेहतर प्रदर्शन के जरिए खिलाड़ी बड़े स्तर पर पहचान हासिल कर सकते हैं। एशियन गेम्स में भारतीय कबड्डी टीम की सफलता देश के लिए गौरव का विषय रही है। अर्जुन देशवाल ने टीम के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपनी क्षमता का परिचय दिया। रेडर के रूप में उनका काम विरोधी पाले में जाकर अंक हासिल करना और टीम को बढ़त दिलाने के अवसर तैयार करना होता है। ऐसे मुकाबलों में तेजी, सही समय पर निर्णय और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करना बेहद महत्वपूर्ण होता है। अर्जुन के प्रदर्शन ने उन्हें कबड्डी प्रेमियों के बीच पहचान दिलाई है।

मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किए जाने से उनकी उपलब्धियों को एक बार फिर चर्चा मिली है।

अर्जुन देशवाल के सम्मानित होने की खबर से मुजफ्फरनगर में खुशी का माहौल है। गांव बसेड़ा सहित जिले के खेल प्रेमियों और ग्रामीणों ने इसे जनपद के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उनका कहना है कि अर्जुन की सफलता से जिले का नाम रोशन हुआ है और युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि है।

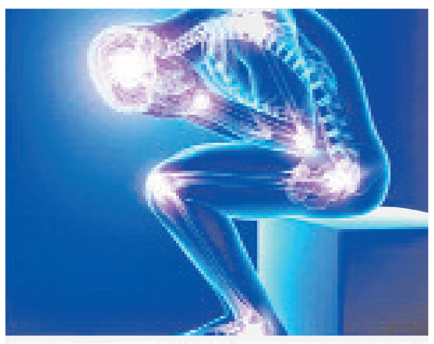

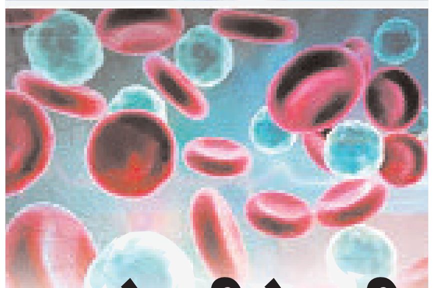

खाने-पीने की कुछ चीजों से बढ़ा सकते हैं वाइट ब्लड सेल्स

सफेद रक्त कोशिकाएं यानी वाइट ब्लड सेल्स खून में पाई जाने वाली ब्लड सेल्स हैं, जो बॉडी हेल्थ के लिए जरूरी होती हैं। इनका काम शरीर में ब्लड प्रेशर मेंटेन रखना, खून को साफ रखना और इन्फेक्शन से लड़ना है। इतना ही नहीं, यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाती हैं, खून में मौजूद गंदगी को हटाती हैं, संक्रमण को मारकर उन्हें बाहर निकालती हैं। शरीर में सफेद रक्त कोशिकाओं की कमी से आपको संक्रमण बढ़ने, बुखार, त्वचा की समस्याएं, बैक्टीरियल ब्लड इन्फेक्शन, दर्द और सूजन, खून की रुकावट, अस्थमा, कमजोरी, थकान आदि जैसे लक्षण और समस्याएं हो सकती हैं। यदि आपको इन लक्षणों में से कुछ दिखाई देते हैं या यदि आपको लगता है कि आपकी सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो सकती है, तो आपको अपने चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। खाने-पीने की कुछ चीजों के सेवन से आपको शरीर में वाइट ब्लड सेल्स बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

संतरा – संतरा विटामिन सी का अच्छा स्रोत होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या बढ़ा सकता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत कर सकता है। संतरा एंटीऑक्सीडेंट का भी खजाना है और इसके सेवन से WBC बढ़ती हैं।

आम – आम में भरपूर मात्रा में विटामिन ष्ट होता है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की वृद्धि को बढ़ा सकता है। 1 कप (165 ग्राम) आम आपकी दैनिक विटामिन सी की जरूरत पूरी करता है। इससे सफेद रक्त कोशिकाएं बढ़ती हैं।

अमरूद – अमरूद भी विटामिन सी का बढ़िया स्रोत होता है और सफेद रक्त कोशिकाओं की मात्रा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। इसके अलावा अमरूद ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल करता है।

अदरक – अदरक में अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो सफेद रक्त कोशिकाओं की सुरक्षा कर सकते हैं और उन्हें बढ़ाने का काम करते हैं। अदरक के सेवन से ऑटोइम्यून बीमारियों वाले लोगों में सूजन को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है।

ब्रोकली – ब्रोकली में विटामिन सी, बी6, और ए विटामिन की अच्छी मात्रा होती है, जो सफेद रक्त कोशिकाओं को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। ब्रोकोली के सेवन से इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इनके अलावा पालक, लहसुन, किशमिश, दही और खजूर जैसी चीजों के सेवन से भी वाइट ब्लड सेल्स को बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

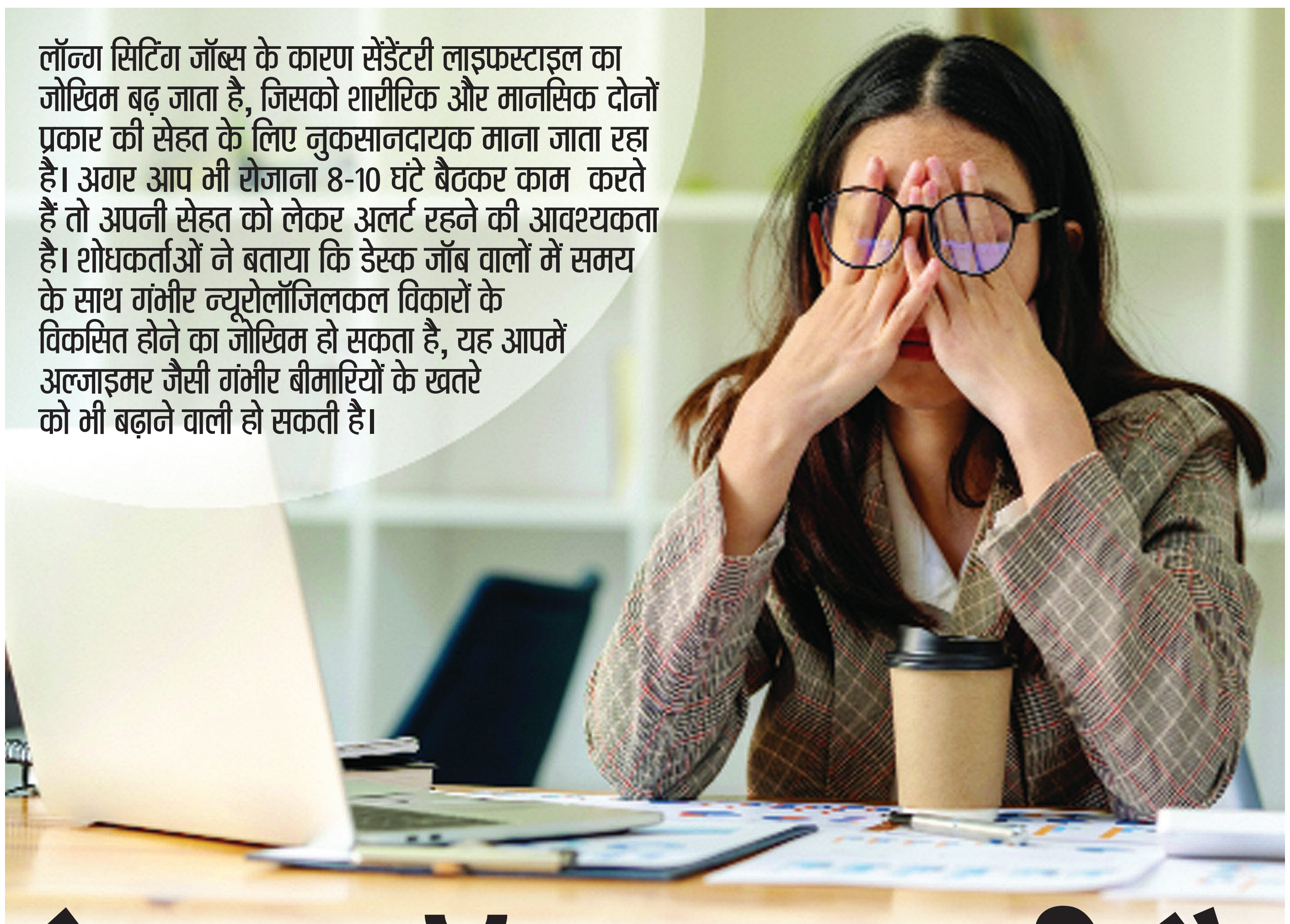

डेस्क जॉब बढ़ा रही है अल्जाइमर-डिमेंशिया का खतरा

डेस्क जॉब या लंबे समय तक एक स्थान पर बैठकर काम करते रहने की आदत को पहले के अध्ययनों में कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं वाला बताया गया है। लॉन्ग सिटिंग जॉब्स के कारण सेंडेंटरी लाइफस्टाइल का जोखिम बढ़ जाता है, जिसको शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है। अगर आप भी रोजाना 8-10 घंटे बैठकर काम करते हैं तो अपनी सेहत को लेकर अलर्ट रहने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि डेस्क जॉब वालों में समय के साथ गंभीर न्यूरोलॉजिलकल विकारों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है, यह आपमें अल्जाइमर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। अल्जाइमर रोग, डिमेंशिया के प्रमुख कारणों में से एक है, आमतौर पर इसका जोखिम 60 की उम्र के बाद वाले लोगों में देखा जाता रहा है। हालांकि इस शोध में बताया गया है कि जॉब करने वाले लोगों में भी इस रोग का जोखिम बढ़ता जा रहा है, जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल और डिमेंशिया का खतरा

कुछ दशकों पहले तक वयस्कों में डिमेंशिया या अल्जाइमर रोग के खतरे को न के बराबर माना जा रहा था, हालांकि समय के साथ इस आयु वर्ग में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ते हुए देखा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वर्तमान में 55 मिलियन लोग अल्जाइमर-डिमेंशिया से पीड़ित हैं। लाइफस्टाइल की समस्याओं के चलते इस तरह की समस्याओं को जोखिम और भी बढ़ गया है। इससे संबंधित प्रकाशित अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया अगर आप रोजाना 10 घंटे से अधिक की सिटिंग जॉब करते हैं तो ये स्थिति आपमें डिमेंशिया के विकसित होने का कारण हो सकता है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

डिमेंशिया के जोखिमों के बारे में अध्ययनकर्ता डॉ. कोहेन कहती हैं, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को पहले से ही कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता था, जिसमें मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह जैसी समस्याएं थीं, इसके कारण अब डिमेंशिया का जोखिम भी बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। शारीरिक निष्क्रियता, वैस्कुलर हेल्थ के लिए भी हानिकारक है, ये मस्तिष्क में रक्त के प्रवाह को कम करके सेरेब्रोवास्कुलर रोग होने की आशंका को बढ़ा सकती है।

गतिहीन व्यवहार संपूर्ण सेहत के लिए हानिकारक

लेखकों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आधे से ज्यादा अमेरिकी लोगों के दिन का करीब साढ़े नौ घंटे से अधिक का समय बैठे हुए बीतता है और ये आदत संज्ञानात्मक और संरचनात्मक मस्तिष्क की उम्र बढ़ने से जुड़ी हुई है। गतिहीन व्यवहार में सिर्फ ऑफिस में लंबे समय तक बैठना ही नहीं, लंबे समय तक बैठकर टेलीविजन देखना, कंप्यूटर पर काम करना और गाड़ी चलाना भी इसमें शामिल है।

अध्ययन में क्या पता चला?

गतिहीन व्यवहार किस प्रकार से मस्तिष्क के लिए समस्याकारक है, इसको जानने के लिए शोधकर्ताओं ने यूके बायोबैंक से डेटा एकत्र किया। प्रतिभागियों को एक सप्ताह के लिए अपनी कलाई पर एक्सेलेरोमीटर पहनने के लिए कहा गया। फिर एकत्र किए गए डेटा पर एक मशीन लर्निंग-आधारित विश्लेषण किया गया ताकि यह आकलन किया जा सके कि वे कितने गतिहीन थे।

दिमाग को रखना हैं शांत तो खाएं सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के फूल के बारे में तो आप सबने सुना होगा लेकिन इसके बीज भी सेहत के लिए बड़े ही फायदेमंद होते हैं। सूरजमुखी को एक औषधीय पौधा भी माना जाता हैं। इसके बीजों का इस्तेमाल ड्राईफूड के तौर पर भी किया जाता है। वहीं इसके तेल का इस्तेमाल भी बहुत ज्यादा किया जाता है। इसमें लिनोलिक एसिड, ओलिक एसिड, पामिटिक एसिड, विटामिन ई, डी और ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

दिमाग बनाए शांत

इसके बीजों में ट्रीप्टोफैन उच्च मात्रा में होने के कारण यह आपके दिमाग को शांत रखने में काफी मदद करता हैं। यह आपको माइग्रेन और स्ट्रेस से छुटकारा दिलाता हैं।

ह्रदय रोगों से बचाएं

सूरजमुखी के बीज में विटामिन ई भरपूर मात्रा में होने के कारण यह मनुष्य शरीर में कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करके हार्ट अटैक आने से रोकते हैं। इसके बीजों में उच्च मात्रा में बीजाइन पाया जाता है, जो हाई ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल पाता हैं।

पाचन क्रिया में मदद

इन बीजों में बड़ी मात्रा में फाइबर पाया जाता हैं। जो पेट की समस्याएं कब्ज, कैंसर और बवासीर जैसी बिमारियों से राहत देते हैं। इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से कब्ज जैसी बीमारी से राहत मिल सकती हैं।

हड्डियों को रखे मजबूत

सूरजमुखी के बीजों में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होने के कारण यह हमारी हड्डियों को मजबूत और लचीलापन लाते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम हड्डियों की सरंचना करने में मदद करता हैं।

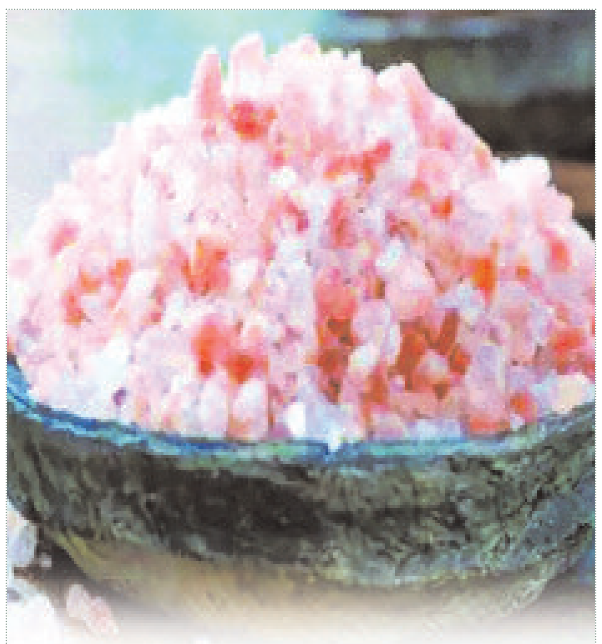

पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मददगार है सेंधा नमक

भारतीय घरों में सेंधा नमक का इस्तेमाल खूब किया जाता है। आमतौर पर व्रत के खाने में इसे इस्तेमाल किया जाता है। सेहत के मामले में भी यह नमक बहुत गुणकारी है। सेंधा नमक का प्रयोग आयुर्वेद में सालों से उपचार के लिए किया जाता रहा है। एक हालिया अध्ययन की मानें तो यह नमक पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने में मददगार है। अगर आपको पाचन की समस्या है या सर्दी लगी है तो सेंधा नमक की मदद से आप आराम पा सकते हैं।

सामान्य नमक में दो तत्व खासतौर पर पाए जाते हैं- सोडियम और क्लोराइड. जबकि सेंधा नमक आयरन, जिंक, निकेल, कोबाल्ट, मैग्नीज, कॉपर रिच होता है जो हमारी सेहत के लिए जरूरी तत्व हैं। इसके अलावा अनिद्रा की शिकायत को दूर करने में भी यह नमक मददगार है। सेंधा नमक में पाए जाने वाले मिनरल्स व्यक्ति को कई रोगों से दूर रखने में मदद करते हैं। यह नमक पाचक रसों का निर्माण करता है, इसलिए यह पाचन को दुरुस्त रखने का काम भी करता है। सेंधा नमक का उपयोग करने से ब्लड प्रेशर के उपचार, कब्ज, अपच, गैस व सीने में जलन जैसी कई बीमारियों के लक्षणों को भी कम करने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही सेंधा नमक के कुछ गजब के फायदे।

ब्लडप्रेशर करे कंट्रोल

सेंधा नमक हाई ब्लडप्रेशर को कंट्रोल करके कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है जिससे हार्ट अटैक का खतरा भी कम रहता है।

स्ट्रेस करता है कम

सेंधा नमक स्ट्रेस कम करने में भी मदद करता है। इतना ही नहीं यह सेरोटोनिन और मेलाटोनिन हार्मोन्स का बैलेंस बनाएं रखता है जो तनाव से लड़ने में मदद करते हैं।

बॉडी पेन करता है कम

सेंधा नमक मांसपेशियों के दर्द और ऐंठन के साथ ही ज्वाइंट्स पेन को भी कम करने का काम करता है।

साइनस में दे राहत

साइनस के दर्द से छुटकारा पाने के लिए सेंधा का सेवन फायदेमंद रहता है। अगर आपको स्टोन की प्राब्लम है तो सेंधा नमक और नींबू को पानी में मिलाकर पीने से कुछ ही दिनों में पथरी गलने लगती है।

अस्थमा को करे दूर

अस्थमा, डायबिटीज और आर्थराइटिस के मरीजों के लिए सेंधा नमक का सेवन काफी फायदेमंद होता है। नींद न आने की समस्या में भी सेंधा नमक काफी फायदेमंद होता है।

गले की खराश के लिए सेंधा नमक

सेंधा नमक में डिकंजेस्टेंट गुण हो सकते हैं, जो गले में फंसे बैक्टीरिया युक्त बलगम को पतला कर उसे शरीर से बाहर निकालने में मदद कर सकते हैं। साथ ही यह खांसी की समस्या से भी राहत दिला सकता है। गले में खराश की समस्या दूर करने के लिए सेंधा नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे किए जा सकते हैं।

घातक साइड इफेक्ट दे सकती हैं वजन कम करने वाली दवाएं

लोग फिट रहने और वजन कम करने के लिए दवाएं तक लेने से नहीं चूकते और वे यह भूल जाते हैं कि ये दवाएं घातक साइड इफेक्ट दे सकती हैं। यानी मोटापा कम करने वाली दवाओं के सेवन से अतिरिक्त प्रभाव भी होते हैं, जिनसे डायबिटीज, उच्च रक्तचाप जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वजन कम करने के लिए दवाओं के सेवन से बेहतर होगा कि आप अन्य फंडे अपनायें, जैसे आप कम वसा वाली खुराक ले सकते हैं, बिना रिफाइन किया हुआ आटा इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानें, मोटापा कम करने वाली दवाइयां लेने से क्या नुकसान हो सकते हैं।

- मोटापा कम करने वाली दवाओं के प्रयोग से आंतों में वसा नहीं जमती और वसा मल के साथ निकल जाती है, यानी आपको उतनी ऊर्जा नहीं मिलती जो कि आमतौर पर किसी चीज को खाने से मिलती है और फलस्वरूप आप दुबले होने लगते हैं।
- इन दवाओं के सेवन से लीवर को नुकसान होता है। दरअसल, गुर्दों को नुकसान पहुंचने का कारण आंतों में ऑक्सेलिक अम्ल का अधिक जमाव होना है, जिससे गुर्दे खराब हो सकते हैं।
- शोधों में भी साबित हो चुका है कि मोटापा कम करने वाली दवाएं पैंक्रियाज (अग्न्याशय) को भी नुकसान पहुंचाती है।
- इन दवाओं से सिर्फ गुर्दों को नुकसान ही नहीं पहुंचता बल्कि गुर्दों में पथरी की शिकायत होने की आशंका भी बढ़ जाती है।
- यह दवाएं आपका मोटापा तो शायद कम न कर पाए, लेकिन आपको उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों के साथ ही याददाश्त में कमी यानी आपकी स्मरण शक्ति को कमजोर करने जैसी गंभीर बीमारियों को अवश्य बढ़ा देती है।
- आमतौर पर लोग मोटापा कम करने वाली दवाओं के विज्ञापन देखकर प्रभावित होते हैं, लेकिन दवा कंपनियों द्वारा दिए जा रहे प्रलोभन भविष्य में आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं।
- यदि आप वजन घटाने के लिए किसी दवा का सेवन करना भी चाहते हैं तो किसी विशेषज्ञ या डॉक्टर के परामर्श बिना मोटापा घटाने वाली दवाओं का सेवन न करें।
- वजन कम करने वाली दवाओं से निद्रा, अवसाद, तनाव रहना, शारीरिक कमजोरी जैसी बीमारियों से ग्रस्त होने का खतरा बढ़ सकता है।
- डॉक्टर्स की मानें तो मोटापा कम करने का सरल व सस्ता उपाय है नियमित सैर करना। यानी आप नियमित रूप से सैर करके अपने वजन को आसानी से कम कर सकते हैं। या फिर आप बैलेंस डाइट लेकर भी वजन को नियंत्रित कर सकते हैं।
- इतना ही नहीं युवा वजन घटाने के लिए वेट लूज इंजेक्शंस और कैप्सूल्स तक का इस्तेमाल करते हैं। वेट लूज करने वाली ड्रग्स में क्रोमियम का इस्तेमाल किया जाता है, जो मधुमेह रोगियों को दिया जाता है।
- आमतौर पर 20 मिनट तक वर्कआउट करने के बाद शरीर की वसा जलनी शुरू होती है, क्योंकि इससे पहले कार्बोहाइड्रेट बर्न होता है।

पुलिस कमिश्नर का बड़ा एक्शन, लापरवाही पर 5 चौकी प्रभारी निलंबित

नोएडा। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कार्यप्रणाली में लापरवाही सामने आने के बाद पांच उपनिरीक्षकों को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन सभी निलंबित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही कई सहायक पुलिस आयुक्तों, थाना प्रभारियों और चौकी प्रभारियों के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू की गई है। शहर में चोरी, नकबजनी, गाड़ी चोरी और झपटमारी जैसी आपराधिक घटनाओं को रोक पाने में विफल रहने वाले पुलिसकर्मियों को भी सख्त चेतावनी जारी की गई है।

पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने गुरुवार देर रात ऑनलाइन गूगल मीटिंग के जरिए पुलिस महकमे के अधिकारियों और चौकी प्रभारियों के कामकाज का विस्तृत ब्योरा लिया। इस बैठक के दौरान जनता से मिली शिकायतों के निस्तारण, शिकायतकर्ताओं से प्राप्त फीडबैक और पुलिस विभाग की जवाबदेही को लेकर समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिन अधिकारियों और कर्मचारियों के कामकाज में ढिलाई पाई गई, उनके विरुद्ध तत्काल सख्त कदम उठाने के निर्देश जारी किए गए। पुलिस कमिश्नरेट की ओर से जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया है कि जनसुनवाई को गंभीरता से न लेने, मामलों का सही तरीके से समाधान न करने, काम में टालमटोल करने और असंतुष्ट फीडबैक की संख्या लगातार बढ़ने के कारण इन पांच उपनिरीक्षकों पर निलंबन की कार्रवाई की गई है।

पांच चौकी प्रभारियों पर गिरा निलंबन का चाबुक: जिन पांच उपनिरीक्षकों को निलंबित किया गया है, वे अलग-अलग थानों की चौकियों में तैनात थे। इनमें थाना सेक्टर-24 के अंतर्गत आने वाली मोरना चौकी के प्रभारी अजित सिंह और सेक्टर-12/22 चौकी के प्रभारी अक्षय प्रताप शामिल हैं। इन दोनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से हटाते हुए निलंबित किया गया है। इसके अलावा जेवर थाने की आरआर साइट चौकी पर तैनात प्रभारी बिरजलाल को भी पद से निलंबित कर दिया गया है। सूरजपुर थाने के अंतर्गत आने वाली कस्बा सूरजपुर चौकी के प्रभारी कपिल पांडे और इसी सूरजपुर थाने की कचहरी चौकी के प्रभारी अनिल कुमार पर भी कार्रवाई की गाज गिरी है। इन सभी पांचों पुलिस अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों और थाना प्रभारियों की भी शुरू हुई जांच: पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के स्पष्ट निर्देशों के बाद सिर्फ उपनिरीक्षक ही नहीं, बल्कि कई वरिष्ठ अधिकारियों पर भी जांच की आंच पहुंची है। प्रशासनिक स्तर पर एसीपी-2 नोएडा, एसीपी-2 ग्रेटर नोएडा और एसीपी-4 ग्रेटर नोएडा के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही तीन प्रमुख थानों के प्रभारी निरीक्षकों को भी जांच के दायरे में लाया गया है, जिनमें सेक्टर-113 थाना, बीटा-2 थाना और दादरी थाना शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों के विरुद्ध जनशिकायतों के निस्तारण में ढिलाई और असंतोषजनक प्रदर्शन को लेकर प्राथमिक जांच बैठा दी गई है।

विभिन्न चौकियों और हल्का प्रभारियों पर भी कड़ाई: विभिन्न क्षेत्रों की पुलिस चौकियों और हल्का प्रभारियों के कामकाज पर भी शिकंजा कसा गया है। सेक्टर-126 थाने की ओखला चौकी, सेक्टर-39 थाने की सेक्टर-98 चौकी, इकोटेक-3 थाने की सरस्वती इंक्लेव चौकी, फेस-2 थाने की कचहरी चौकी, जारचा थाने की कलौंदा चौकी, कासना थाने की सिरसा चौकी और बिसरख थाने की शाहबेरी/चिपियाना चौकी के प्रभारियों के खिलाफ भी प्रारंभिक जांच के आदेश दिए गए हैं। इसके साथ ही दनकौर थाने के अंतर्गत हल्का-1 के प्रभारी और इकोटेक-1 थाने के हल्का-3 के प्रभारी के विरुद्ध भी जांच संस्थित की गई है। इन सभी पुलिसकर्मियों के खिलाफ लोगों की शिकायतों का समय पर समाधान न करने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

अपराध नियंत्रण में नाकामी पर चेतावनी और जांच: क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने में नाकाम रहने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी सख्ती बरती गई है। चोरी, गृहभेदन, वाहन चोरी और झपटमारी जैसी घटनाओं की रोकथाम में प्रभावी कदम न उठा पाने के कारण कई क्षेत्रों की चौकियों के प्रभारियों के खिलाफ जांच शुरू की गई है। इनमें सदरपुर चौकी, एनआईबी चौकी, झुंडपुरा/गोलचक्कर चौकी, ममूरा/गढ़ी चौखंडी चौकी, एच ब्लॉक/बहलोलपुर चौकी और गौर सिटी-1/2 चौकी के प्रभारी शामिल हैं। इसके अलावा एच्छर/अल्फा चौकी, कस्बा दादरी/रेलवे रोड/अजायबपुर चौकी और नॉलेज पार्क थाने के हल्का प्रभारी-2/3 के खिलाफ भी प्रारंभिक जांच बिठाते हुए उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई है। पुलिस कमिश्नरेट ने साफ किया है कि लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई होगी और निष्पक्ष जनसुनवाई ही प्राथमिकता है।

चोरी कर भाग रहे बदमाश नाले में कूदे, दोनों गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर-22 में रहने वाले एक व्यक्ति के घर में घुसकर दो चोरों ने चोरी करनी शुरू कर दी। इसी बीच पीड़ित की पत्नी और बेटा मौके पर आ गए। चोरों ने उनके ऊपर हमला कर दिया और वहां से भाग गए। आसपास के लोगों ने जब उनका पीछा किया तो दोनों नाले में कूद गए। लोगों ने दोनों को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। उनके पास से चोरी का सामान बरामद हुआ है। सेक्टर-22 में रहने वाले विकास कुमार ने पुलिस को बताया कि 28 अक्तूबर को वह काम से घर से बाहर गए थे। पत्नी पूनम देवी बच्चों को लेने के लिए स्कूल गई थीं।

जब पूनम देवी स्कूल से बच्चों को लेकर लौटीं तो उन्होंने देखा कि उनके घर के बाहर के दरवाजे पर एक युवक खड़ा है। उनको देखते ही वह वहां से हट गया। जब उनकी पत्नी घर के अंदर गईं तो देखा कि उनके घर के दरवाजे की कुंडी कटी हुई है। घर के अंदर सामान बिखरा हुआ था। इसी बीच उनके घर के अंदर छुपा हुआ एक लड़का तेजी से बाहर की तरफ भागा। उनके बेटे ने उसे पकड़ने का प्रयास किया तो उसने उसके ऊपर पेचकस से हमला कर उसे लहूलुहान कर दिया।पूनम देवी ने शोर मचाया तो आसपास के रहने वाले विकास, अमित, विनय आदि ने बदमाशों का 200 मीटर तक पीछा किया। कुछ दूर भगाने के बाद बदमाश बड़े नाले में कूद गए। शोर सुनकर काफी लोग मौके पर आ गए तथा नाले में कूदे दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। दोनों की पहचान दिल्ली के जहांगीरपुरी निवासी जेजे कॉलोनी निवासी अनिकेत और अलाउद्दीन के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उनके पास से 48 हजार रुपये, चांदी के जेवरात, पत्नी का आधार कार्ड आदि बरामद हुआ। पीड़ित के अनुसार, उनकी पत्नी ने जब घर में चेक किया तो पता चला कि उनके घर से सोने की अंगूठी, चांदी के करीब 550 ग्राम के जेवरात, नगदी आदि चोरी हुआ है। पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

सेक्टर 51 में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ अखंड सौभाग्य का पावन पर्व 'करवा चौथ'

नोएडा। सनातन धर्म में सुहागिन महिलाओं के सबसे बड़े और पवित्र त्योहारों में से एक, करवा चौथ का पर्व नोएडा सेक्टर 51 में पारंपरिक श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु की कामना के लिए सुहागिन महिलाओं ने भोर में सरगी ग्रहण करने के बाद पूरे दिन निर्जला उपवास रखा।

इस पावन अवसर पर बाजारों में अभूतपूर्व रौनक देखने को मिली। पर्व की पूर्व संध्या से ही पूजा सामग्री, मिट्टी के करवे, छलनी, सीक, पारंपरिक वस्त्र, चूड़ियां और श्रृंगार के सामानों की जमकर खरीदारी हुई। विशेष रूप से महिलाओं के हाथों में शुभता की प्रतीक मेहंदी रचवाने के लिए बाजारों और विशेष शिविरों में देर रात तक भारी भीड़ उमड़ी रही। धार्मिक विद्वानों के अनुसार, करवा चौथ का व्रत दांपत्य जीवन में प्रेम, त्याग और समर्पण का प्रतीक है। शाम के समय महिलाओं ने सामूहिक रूप से सोलह श्रृंगार कर विधि-विधान से भगवान गणेश, शिव-पार्वती और करवा माता की पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान करवा चौथ व्रत की कथा सुनी गई और करवे बदलकर आपस में सुहाग की सामग्री बांटी गई। रात्रि में बहुप्रतीक्षित चंद्रोदय के बाद सभी व्रतियों ने छलनी की ओट से चंद्रमा और फिर अपने पति का चेहरा देखकर, अर्घ्य देकर पतियों के हाथों से जल ग्रहण कर अपना व्रत पूर्ण किया।

अत्यंत भव्यता और आत्मीयता के साथ संपन्न हुआ करवा चौथ का पावन उत्सव

नोएडा। भारतीय संस्कृति के सबसे पवित्र, आदरणीय और सुहाग के प्रतीक पर्व 'करवा चौथ' के अवसर पर आज नोएडा के सेक्टर 105 स्थित कम्युनिटी सेंटर में एक ऐसा विहंगम और हृदयस्पर्शी दृश्य देखने को मिला, जिसने उपस्थित हर व्यक्ति के मन को श्रद्धा से भर दिया। आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय के मार्गदर्शन और प्रेरणा से आयोजित इस विशेष स्नेह मिलन एवं कथा समारोह में सेक्टर की अधिकांश माताओं और बहनों ने अभूतपूर्व उत्साह के साथ अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

दिनभर बिना अन्न और जल के रहकर, अपने जीवनसाथी की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य, आरोग्य और अटूट मंगलकामना के लिए निर्जला व्रत रखने वाली सेक्टर की इन देवियों का त्याग और समर्पण इस आयोजन की सबसे बड़ी शोभा रहा। सुहाग की इस पावन बेला में जब सेक्टर की बहुसंख्यक महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर कम्युनिटी सेंटर पहुँचीं, तो पूरा प्रांगण एक परिवार की तरह दमक उठा। व्रती महिलाओं के चेहरों पर व्रत की कठिन तपस्या के बावजूद एक अलौकिक तेज, संतोष और प्रसन्नता साफ झलक रही थी।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सामूहिक रूप से करवा चौथ की पावन कथा का श्रवण रहा। सभी माताओं और बहनों ने एक स्वर में माता रानी से अपने सुहाग की लंबी उम्र और परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। इस दौरान एक-दूसरे को सुहाग की सामग्री भेंट करने और पारंपरिक मंगल गीत गाने की गूंज ने पूरे वातावरण को पूरी तरह से पवित्र और सकारात्मक बना दिया। यह आयोजन महज़ एक व्रत की कथा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने पड़ोसियों के बीच आपसी प्रेम, भाईचारे और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक प्रगाढ़ कर दिया।

इस भव्य आयोजन के दौरान आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने भावुक और प्रेरणादायक शब्दों में सभी माताओं और बहनों का अभिनंदन करते हुए कहा कि दिनभर की भूखी-प्यासी रहकर अपने जीवनसाथी के लिए निर्जला व्रत रखने वाली आप सभी देवियों का यह समर्पण हम सबके हृदय को नतमस्तक कर देता है। आपके इस पवित्र प्रेम और सनातन संस्कारों की महिमा शब्दों से परे है। आज सेक्टर 105 का पूरा परिवार इस स्नेह मिलन के माध्यम से आपकी इस तपस्या को आदरपूर्वक नमन करता है। आपका यह व्रत आप सभी के जीवन में अथाह खुशियों, अनंत सौभाग्य और उजियारे का प्रकाश लेकर आए, यही हमारी दिली कामना है।

कथा और पूजा के उपरांत सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर शुभकामनाएं दीं, बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अद्भुत और स्नेहिल आयोजन ने पूरे शहर में पारिवारिक मूल्यों, आपसी जुड़ाव और सांस्कृतिक धरोहर का एक अत्यंत सुंदर और सकारात्मक संदेश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

विज्ञापन बोर्ड लगाने के लिए पेड़ काटा, जुर्माना लगा

नोएडा। सेक्टर-147 में नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के पास विज्ञापन बोर्ड लगाने के लिए नीम का पेड़ काटना महंगा पड़ गया। जांच के बाद विभाग ने जुर्माना लगाया है। आरोप है कि राम-ईश ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट ने अपनी संस्था के विज्ञापन बोर्ड लगाने के लिए पेड़ को जड़ से करीब तीन फीट ऊपर से कटवा दिया था। मामले में संस्थान ने लिखित बयान देकर अपना अपराध स्वीकार किया और छह हजार रुपये जुर्माना जमा कराया। वन विभाग के अनुसार, नौ अगस्त 2026 को पेड़ काटे जाने की शिकायत मिली थी। इसकी जांच वन दरोगा ने की थी।

गीत-संगीत-नृत्य के साथ किया चांद का दीदार

नोएडा। सेक्टर-34 स्थित बी-3 अरावली अपार्टमेंट में पति-पत्नी के आपसी प्रेम के त्योहार करवाचौथ बहुत ही धूमधाम से मनाया गया, कार्यक्रम के आयोजक आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि इस बार अपार्टमेंट की महिलाओं के लिए दाम्पत्य जीवन के परस्पर स्नेह समर्पण के प्रतीक सुहागिन स्त्रियों के महापर्व करवाचौथ पर सेक्टर-34 के बी-4 पार्क में गीत-संगीत का कार्यक्रम रखा गया ताकि महिलाएं संगीत के साथ चांद का दीदार करते हुए अपना व्रत खोले,महिलाओं ने इन पलों के पूरा लुत्फ लिया, सेल्फी प्वाइंट कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा महिलाओं के साथ साथ युवा जोड़ों ने खूब सेल्फी ली।

इस दौरान शर्मिला शर्मा गीता गुप्ता मीनू शर्मा रुचि पारीक, नीलम कुमारी रंजना प्रजापति हेमलता, मुदिता रास्तोगी, कल्पना जैन, योगिता जोशी मोनिका पारुल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अवैध आतिशबाजी बेचने जा रहे दो आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। अवैध रूप से पटाखे बेचने जा रहे दो शातिरों को फेज-दो थाना पुलिस ने बुधवार रात सेक्टर-88 से गिरफ्तार किया। इनके पास से करीब तीन लाख रुपये कीमत के 80 बोरे आतिशबाजी बरामद हुई है। एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि पुलिस टीम बुधवार को क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि दो गाड़ियों में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बेचने के लिए ले जाई जा रही है। टीम ने सेक्टर-88 के पास से दो गाड़ियों समेत दो संदिग्ध को दबोचा। तलाशी लेने पर गाड़ियों में 80 बोरे रखे मिले। बोरों में मीडियम साइज के सुतली बम थे।

इनकी अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये है। आरोपियों की पहचान मेरठ जानी खुर्द के गौरव और मोदीनगर दयापुरी के अरुण कश्यप के रूप में हुई। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि दोनों आतिशबाजी नोएडा में पहुंचाते हैं। इसके एवज में रकम मिलती है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया।

फार्म हाउस से मशीनें चुराकर भाग रहे दो चोर पकड़े गए

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के सेक्टर-151 स्थित सैनिक फार्म हाउस में चोरी की कोशिश को केयरटेकर की सूझबूझ से नाकाम कर दिया गया। केयरटेकर ने आसपास के लोगों की मदद से दो आरोपियों को चोरी की मशीनों के साथ मौके पर पकड़ लिया। पुलिस ने फार्म मालिक की शिकायत पर दोनों के खिलाफ बुधवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली निवासी फार्म मालिक आशीष गोयल के मुताबिक, मंगलवार शाम करीब पांच बजे केयरटेकर मटरू ने फोन कर फार्म में कुछ लोगों के घुसने की जानकारी दी। आशीष के कहने पर मटरू ने गेट खोलकर देखा तो दो व्यक्ति फार्म से मशीनें बाहर ले जाने की कोशिश कर रहे थे। इनमें चार हॉर्स पावर का रोटावेटर और बिजली से चलने वाली घास काटने की मशीन शामिल थी। मटरू ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को इकट्ठा किया और दोनों आरोपियों को मशीनों समेत पकड़ लिया। सूचना मिलने पर आशीष गोयल अपनी पत्नी नेहा गोयल के साथ फार्म पहुंचे और पुलिस को बुलाया। पुलिस को दोनों आरोपी और मशीनें सौंप दी गईं।

प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जेई के साथ बरौला सड़क निर्माण का दौरा किया, जल्द समाधान का दिया आश्वासन

नोएडा। बरौला नाले के पास बन रही आरसीसी सड़क का आज क्षेत्रीय नागरिकों ने नोएडा प्राधिकरण के अवर अभियंता (जेई) के साथ स्थलीय निरीक्षण किया।

यह मार्ग हनुमान मूर्ति रोड, बरौला सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन एवं कई कॉलोनियों को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। लंबे समय से सड़क टूटी होने से हजारों निवासियों को भारी परेशानी हो रही थी। लगातार शिकायतों के बाद सिंचाई विभाग व नोएडा प्राधिकरण ने संयुक्त रूप से निर्माण कार्य शुरू कराया है।

निरीक्षण में मिली बड़ी खामियां -

सुरक्षा दीवार नहीं: नाले के बिल्कुल किनारे सड़क बन रही है, लेकिन साथ में कोई सुरक्षा दीवार/ रिटेनिंग वॉल नहीं बनाई जा रही। बरसात में नई सड़क के कटने का खतरा है।

बीच सड़क पर मौत के पोल: बन रही सड़क के ठीक बीचो-बीच 2-3 बिजली के खंभे खड़े हैं, जिससे दुर्घटना और जाम की आशंका बनी रहेगी।

मौके पर मांग की गई कि सड़क के साथ-साथ सुरक्षा दीवार का निर्माण जोड़ा जाए और विद्युत विभाग से समन्वय कर पोलों को तत्काल शिफ्ट किया जाए।

वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता चौधरी बीसी प्रधान ने कहा, 'बिना दीवार के सड़क बनाना सरकारी धन की बर्बादी है, एक ही बरसात में सड़क नाले में समा जाएगी। बीच सड़क पर बिजली के पोल लोगों की जान से खिलवाड़ है। हमारी मांग है कि टिकाऊ विकास किया जाए, नहीं तो ग्रामीणों के साथ आंदोलन किया जाएगा।'

जेई साहब ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुनते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को रिपोर्ट भेजने और जल्द समाधान का आश्वासन दिया।

महीने में 15 दिन ही हो रही सुनवाई, उपभोक्ताओं को न्याय का इंतजार

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिला उपभोक्ता आयोग में महीने में केवल 15 दिन ही मामलों की सुनवाई हो पा रही है। इसका असर लंबित वादों के निस्तारण पर पड़ रहा है। कई मामलों में निर्धारित समय के दौरान सुनवाई का नंबर नहीं आने से पक्षकारों को अगली तारीख काफी आगे की मिल रही है। इससे उपभोक्ताओं को न्याय के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर के पास गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद, दोनों जिलों का प्रभार है। ऐसे में उन्हें दोनों जिलों के उपभोक्ता विवादों की सुनवाई करनी पड़ती है। मौजूदा व्यवस्था के तहत महीने की एक से 15 तारीख तक गौतमबुद्धनगर, जबकि 16 तारीख से महीने के अंत तक गाजियाबाद के मामलों की सुनवाई होती है। इस व्यवस्था के चलते गौतमबुद्धनगर आयोग को महीने में सुनवाई के लिए सीमित समय मिल पा रहा है। वादों की संख्या के मुकाबले उपलब्ध कार्यदिवस कम होने से सभी मामलों की सुनवाई कर पाना चुनौती बन रहा है। नियमित न्यायिक कार्यों के बीच कई वादों की सुनवाई नहीं हो पाती, जिसके कारण अगली तारीख देनी पड़ती है। इसका सीधा असर मामलों के निस्तारण की गति पर पड़ रहा है।

फैसलों की संख्या आधी से भी कम: आयोग में सुनवाई के दिनों की कमी का असर आदेशों की संख्या पर भी दिखाई दे रहा है। पहले हर महीने करीब 70 से 75 मामलों में आदेश पारित किए जाते थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर लगभग 30 से 35 रह गई है। यानी पहले की तुलना में फैसलों की संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

आदेशों की संख्या घटने से लंबित मामलों के निस्तारण की रफ्तार प्रभावित हो रही है। वहीं, सुनवाई के लिए लंबी तारीखें मिलने से उपभोक्ताओं को अपने विवादों के समाधान के लिए अधिक समय तक इंतजार करना पड़ रहा है।

नोएडा। करवा चौथ के अवसर पर श्री हनुमान मंदिर सैक्टर 20 नोएडा में करवाचौथ व्रत की कथा सुनती हुई व्रती महिलाएं।

माउंट किलिमंजारो फतह करने निकलेंगे पर्वतारोही प्रिया कुमारी और प्रदीप यादव, मासिक धर्म स्वच्छता का देंगे संदेश

नोएडा। पर्वतारोही प्रिया कुमारी और प्रदीप यादव ने नोएडा सेक्टर 62 में युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह से मुलाकात की। इस दौरान अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर चढ़ाई करने के अपने आगामी अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की। दोनों पर्वतारोही दिसंबर 2026 के अंत में इस चुनौतीपूर्ण अभियान के लिए नोएडा से रवाना होंगे।

इस अभियान की विशेष बात यह है कि पर्वतारोही प्रिया कुमारी और प्रदीप यादव माउंट किलिमंजारो पर चढ़ाई के दौरान मासिक धर्म स्वच्छता का संदेश लेकर आगे बढ़ेंगे। पिछले 10 वर्षों में प्रिया कुमारी और प्रदीप यादव अब तक 22 पर्वत चोटियों पर चढ़ाई कर चुके हैं और तिरंगा लहराया है।

इस अवसर पर युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने पर्वतारोहियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रिया कुमारी और प्रदीप यादव का माउंट किलिमंजारो अभियान केवल पर्वतारोहण नहीं, बल्कि देश का गौरव बढ़ाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की एक महत्वपूर्ण पहल है।

मासिक धर्म स्वच्छता जैसे संवेदनशील विषय को वैश्विक स्तर पर उठाने का इनका प्रयास सराहनीय है। मुझे विश्वास है कि दोनों पर्वतारोही अपने लक्ष्य को हासिल करेंगे, भारत का तिरंगा ऊंचाइयों पर लहराएंगे। नोएडा से उनकी रवानगी युवाओं के लिए प्रेरणा का संदेश बनेगी और हम उनके इस साहसिक सफर को हरसंभव प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मयूर विहार-नोएडा के पास एनसीआरटीएस स्टेशन पर बनेगा बड़ा रिटेल हब

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यू अशोक नगर नमो भारत स्टेशन पर यात्रियों को जल्द खरीदारी और खानपान की सुविधाएं मिल सकेंगी। एनसीआरटीसी (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम) स्टेशन पर दो हजार वर्ग मीटर से अधिक जगह में रिटेल हब विकसित करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए व्यावसायिक जगह को लीज पर देने की प्रक्रिया शुरू की है। यहां दुकानें, खानपान केंद्र और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां विकसित की जा सकेंगी। दिल्ली मेट्रो स्टेशन से जुड़ा होने और मयूर विहार व नोएडा के नजदीक स्थित होने के कारण इस स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही रहती है। यहां कार और दोपहिया वाहनों की पार्किंग के साथ ईवी चार्जिंग की सुविधा भी उपलब्ध है। एनसीआरटीसी का उद्देश्य स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने के साथ व्यावसायिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देना है।

पराली 4% घटी, एक्यूआई 15% सुधरा; फिर भी सामान्य दिनों में ज्यादा प्रदूषित रही दिल्ली की हवा

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की हवा में प्रदूषण बढ़ने पर हर साल पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने और मौसम को बड़ी वजह बताया जाता है। लेकिन 2024 से 2026 के आंकड़ों के अध्ययन में सामने आया है कि इन दोनों कारणों से दिल्ली की हवा में हुए बदलाव की पूरी व्याख्या नहीं की जा सकती। दिल्ली स्थित जलवायु अनुसंधान संगठन क्लाइमेट ट्रेंड्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2026 में पराली जलाने की घटनाओं में मामूली कमी आई, जबकि दिल्ली के औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में काफी सुधार दर्ज हुआ है। इससे दिल्ली के अपने प्रदूषण स्रोतों की भूमिका की जांच जरूरी हो जाती है। रिपोर्ट के अनुसार,

पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं 2025 में 201 थीं, जो 2026 में चार प्रतिशत घटकर 193 रह गईं। जबकि इसी दौरान दिल्ली का औसत एक्यूआइ 169.3 से कहीं ज्यादा घटकर 142.6 हो गया, यानी 15.8 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके विपरीत, 2024 से 2025 के बीच पराली जलाने की घटनाओं में 88 प्रतिशत की कमी आई थी, लेकिन दिल्ली के औसत एक्यूआइ में केवल 3.9 प्रतिशत सुधार हुआ। इससे स्पष्ट है कि पराली जलाने और दिल्ली के प्रदूषण के बीच संबंध हर साल एक जैसा नहीं रहा। रिपोर्ट का एक अहम निष्कर्ष यह भी है कि औसत एक्यूआइ में सुधार का मतलब यह नहीं कि दिल्ली की हवा हर दिन साफ रही। वर्ष 2025 में सितंबर-अक्टूबर के दौरान मध्य एक्यूआइ 135 था, जो 2026 में बढ़कर 154 हो गया। यानी इसमें 14.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मध्यम एक्यूआइ रोजाना के आंकड़ों को छोटे से बड़े क्रम में रखने पर बीच का मान होता है। इससे सामान्य दिन की हवा की स्थिति का बेहतर अंदाजा मिलता है। दूसरी ओर, एक्यूआइ 200 से ऊपर रहने वाले दिनों की संख्या 2025 के 10 से घटकर 2026 में तीन रह गई। वर्ष 2025 में एक्यूआइ अधिकतम 353 तक पहुंचा था, जबकि 2026 में यह 245 रहा। यानी इस बार बेहद खराब प्रदूषण वाले दिन कम रहे और इसी से औसत एक्यूआइ में सुधार हुआ। लेकिन सामान्य दिनों में प्रदूषण बढ़ने का आंकड़ा बताता है कि हवा की समस्या पूरी तरह दूर नहीं हुई। अध्ययन में मौसम के आंकड़ों का भी विश्लेषण किया गया। सितंबर-अक्टूबर 2026 में दिल्ली में वर्षा पिछले साल की तुलना में 78.2 प्रतिशत कम रही।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अनदेखी पड़ी भारी, हाई कोर्ट ने तिहाड़ जेल के डीजी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। ओपन जेलों में सुधारों पर पालन न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को महानिदेशक (जेल) को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अदालत ने कहा कि जेल महानिदेशक ने ओपन जेल से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन पर खुद शपथ-पत्र दाखिल करने के बजाय एक अधीनस्थ अधिकारी से अधूरी जानकारी वाला शपथ-पत्र दाखिल करवाया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव साम्ब्रे व न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ ने कहा कि महानिदेशक (जेल) ने हाई कोर्ट के आदेशों की पूरी तरह से अनदेखी की है।

पीठ ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद भी निर्देशों के पालन की रिपोर्ट देने के मामले में एक इंच भी प्रगति नहीं हुई है। अदालत ने निर्देश दिया कि महानिदेशक (जेल) को अगली सुनवाई से पहले अवमानना नोटिस पर जवाब दाखिल करें। सुप्रीम कोर्ट ने 26 फरवरी 2026 को पूरे देश में ओपन करेक्शनल इंस्टीट्यूशंस (खुली जेलों) के प्रभावी उपयोग और विस्तार के संबंध में निर्देश जारी किए थे। पिछली सुनवाई पर अदालत ने जेल महानिदेशक को तारीख-वार विवरण व एक फ्लो चार्ट पेश करने का निर्देश दिया था। अदालत ने नोट किया कि जेल महानिदेशक के बजाय तिहाड़ जेल मुख्यालय अधीक्षक द्वारा एक शपथ-पत्र दाखिल किया गया। पीठ ने यह भी नोट किया कि सरकार को अपने नियमों में संशोधन करने के लिए दिए गए कुछ निर्देशों को अभी तक लागू नहीं किया गया है।

6 घंटे में मोबाइल स्नैचिंग की वारदात का खुलासा

दिल्ली पुलिस ने दबोचे दो शातिर बदमाश

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस ने भारत नगर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई मोबाइल स्नैचिंग की वारदात को छह घंटे के भीतर सुलझाते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान सरवन उर्फ सपाट (26) और सौरभ उर्फ चाबा उर्फ चावा (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 11 मोबाइल फोन और चोरी की एक स्कूटी बरामद की है। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तारी से स्नैचिंग व चोरी के आठ अन्य मामलों का भी खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, 25 अक्टूबर को राणा प्रताप बाग के गोल चक्कर के पास घरेलू सहायिका पुष्पा का मोबाइल फोन छीन लिया गया था। इस संबंध में भारत नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। वहीं, जांच के दौरान चौकी संगम पार्क की टीम ने तकनीकी जानकारी के आधार पर सरवन को वारदात के छह घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से शिकायतकर्ता का मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ और जांच के दौरान उसके साथी सौरभ की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने उसे रेलवे लाइन के पास से गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर पांच मोबाइल और चोरी की एक स्कूटी बरामद की गई। दोनों आरोपियों से कुल 11 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। सरवन के खिलाफ पहले से लूट का एक मामला दर्ज है, जबकि सौरभ स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट के 12 मामलों में संलिप्त रहा है। बरामद मोबाइल फोन और स्कूटी को भारत नगर, आदर्श नगर, महेंद्र पार्क, मुखर्जी नगर और रूप नगर थानों में दर्ज मामलों से जोड़ा गया है। पुलिस के अनुसार, आठ मामलों का पर्दाफाश हुआ और मामले की जांच जारी है।

ड्राफ्ट रोल प्रकाशित होने के बाद मतदाता सूची में नाम शामिल कराने 2.71 लाख आवेदन ही दाखिल हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के तहत दावे और आपत्तियों की अवधि समाप्त होने के करीब है। ड्राफ्ट रोल प्रकाशित होने के बाद मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए केवल 2.71 लाख आवेदन ही दाखिल हुए हैं। इनमें सबसे ज्यादा वेस्ट दिल्ली से आए हैं। फॉर्म-6 का इस्तेमाल योग्य मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए करते हैं।

2,71,639 फॉर्म-6 आवेदन प्राप्त हुए

दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय द्वारा बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, 31 अगस्त से 27 अक्टूबर के बीच 2,71,639 फॉर्म-6 आवेदन प्राप्त हुए। यह आंकड़ा 31 अगस्त को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची से 47,56,722 मतदाताओं के बाहर होने के बाद का है। यह प्रक्रिया चुनावी रोल के चल रहे एसआईआर के दौरान हुई।

वेस्ट दिल्ली में सबसे ज्यादा 33,377 फॉर्म-6 आवेदन दाखिल हुए, इसके बाद नॉर्थ वेस्ट दिल्ली में 27,341, ईस्ट दिल्ली में 26,212, साउथ ईस्ट दिल्ली में 26,054 और नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में 25,973 आवेदन आए। ये आंकड़े ऐसे समय आए हैं जब सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों के ड्राफ्ट चुनावी रोल प्रकाशित होने के साथ शुरू हुई दावे और आपत्तियों की अवधि 30 अक्टूबर को बंद होने वाली है। इसी अवधि में दिल्ली में 20,654 फॉर्म-7 और 1,02,149 फॉर्म-8 आवेदन प्राप्त हुए। साउथ वेस्ट दिल्ली में फॉर्म-7 के

सबसे ज्यादा 3,152 आवेदन दर्ज हुए, जबकि नॉर्थ ईस्ट दिल्ली फॉर्म-8 श्रेणी में 13,373 आवेदनों के साथ सबसे आगे रहा। फॉर्म-7 नाम हटाने के लिए और फॉर्म-8 प्रविष्टियों में सुधार या संशोधन के लिए दाखिल किया जाता है। ड्राफ्ट रोल में 97,53,577 मतदाता थे, जबकि संशोधन शुरू होने से पहले 30 जून को यह संख्या 1.45 करोड़ थी। जिन 47.5 लाख मतदाताओं के एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं हुए, उन्हें ड्राफ्ट रोल से बाहर कर दिया गया। इसके अलावा, ड्राफ्ट रोल में नाम होने के बावजूद जिन 33,14,032 वोटर्स के रिकॉर्ड मैपिंग संबंधी मुद्दों या तार्किक विसंगतियों के कारण चिह्नित किए गए थे, उन्हें नोटिस जारी किए गए।

नोटिसों का निपटारा 30 नवंबर तक

27 अक्टूबर तक चुनाव अधिकारियों ने कुल नोटिसों में से 31,26,576 यानी 94.34 प्रतिशत का निपटारा कर दिया है। शेष नोटिसों का निपटारा 30 नवंबर तक किया जाना है। अंतिम चुनावी रोल 4 दिसंबर को प्रकाशित होने वाले हैं।

पुरानी दिल्ली: बारात लेकर निकला परिवार, पीछे से चोरों ने साफ कर दिए लाखों के जेवर और नकदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली के चांदनी महल इलाके में शादी की खुशियों के बीच एक परिवार को चोरी की वारदात ने बड़ा झटका दे दिया। घर से बारात निकलते ही चोरों ने मकान को निशाना बनाया और मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर घुस गए। आरोपितों ने अलमारी के लाक तोड़कर उसमें रखे पांच लाख रुपये नकद और छह तोले सोने के आभूषण चोरी कर लिए। पीड़ित परिवार देर रात बारात से लौटा तो घर का दरवाजा टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चांदनी महल थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता हन्नान गली अखाड़े वाली, हौज सूईवालान में रहते हैं। 25 अक्टूबर को उनकी शादी थी। रात करीब 10 बजे वह परिवार और रिश्तेदारों के साथ बारात लेकर घर से निकले थे। इस दौरान घर खाली था। देर रात करीब ढाई बजे जब वह वापस लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो अलमारी खुली थी और घर का सामान बिखरा पड़ा था।

जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखे पांच लाख रुपये और छह तोले सोने के आभूषण गायब हैं। पीड़ित के मुताबिक, उन्होंने अपना मकान पहले ही बेच दिया था और सौदे के बयाने के तौर पर मिले पांच लाख रुपये अलमारी में रखे थे। चोरों ने नकदी के साथ आभूषण भी चोरी कर लिए। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम और क्राइम टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस को आशंका है कि वारदात में किसी ऐसे व्यक्ति की भूमिका हो सकती है, जिसे घर में नकदी और आभूषण रखे होने की जानकारी थी।

पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

शराब बुकिंग पर सियासी संग्राम के बीच एप हुआ बंद, आम आदमी पार्टी के आरोपों पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शराब की ऑनलाइन बुकिंग के लिए तैयार किए गए डीएसआइआइडीसी मोबाइल एप को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा के बीच राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। आप ने केंद्र की भाजपा सरकार पर दिल्ली में घर बैठे शराब बुक करने की सुविधा शुरू करने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला, जिसके बाद अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस एप को विकसित करने का कार्यादेश दो जनवरी, 2025 को खुद आप सरकार के कार्यकाल के दौरान ही जारी किया गया था। इस खुलासे के बाद भाजपा ने आप पर तीखा पलटवार किया है, जबकि बढ़ते राजनीतिक विवाद के बीच प्रशासन द्वारा इस एप को तत्काल प्रभाव से बंद किए जाने की सूचना सामने आई है। अधिकारियों ने उस कार्य आदेश को भी सार्वजनिक किया है। आप नेता मनीष सिसोदिया और सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार दिवाली पर जनता को शराब में डुबोकर घर-घर डिलीवरी करा रही है। दूसरी तरफ, उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस पर टिप्पणी से इनकार करते हुए कहा कि यह आदेश पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज के कार्यकाल का है। भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने पलटवार करते हुए स्पष्ट किया कि इस एप को आतिशी सरकार ने 2 जनवरी 2025 को लागू किया था और भाजपा ने इसे कभी बढ़ावा नहीं दिया।

कांग्रेस की महारैली पर पड़ेगा 'विंटर एक्शन प्लान' का असर

दिल्ली में 1 नवंबर से बीएस-6 से नीचे की गाड़ियों पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। आगामी एक नवंबर को रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली कांग्रेस और 'आईएनडीआईए' गठबंधन की महारैली में शामिल होने आने वाले कार्यकर्ताओं को संभवतः परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है।

1 नवंबर से बीएस-6 से नीचे की गाड़ियों पर प्रतिबंध

दरअसल एक नवंबर से ही दिल्ली में प्रदूषण रोधी नियमों के तहत 'विंटर एक्शन प्लान' लागू हो रहा है। इसके चलते, बीएस-छह मानकों को पूरा न करने वाली गाड़ियों को दिल्ली की सीमाओं पर ही रोका जा सकता है, जिससे कार्यकर्ताओं को वैकल्पिक वाहनों का सहारा लेना पड़ सकता है। दिल्ली की सभी सीमाओं पर एक नवंबर की सुबह से ही भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी जाएगी। 24 घंटे सीमाओं पर नजर रखी जाएगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कोशिश होगी कि बाहरी राज्यों के आरटीओ कार्यालय से पंजीकृत बीएस छह से नीचे के किसी भी वाहन को दिल्ली में प्रवेश करने न दिया जाए।

दिल्ली सरकार के शीतकालीन कार्य योजना के तहत एक नवंबर से राजधानी में प्रदूषण नियंत्रण के सख्त नियम प्रभावी हो जाएंगे। गैर-बीएस छह श्रेणी के वाहनों का प्रवेश 28 फरवरी 2027 तक प्रतिबंधित रहेगा। दिल्ली परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस ने सीमाओं और टोल प्लाजा पर 39 एन्फोर्समेंट टीमों को तैनात किया है। पुलिस अधिकारी

का कहना है कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब और मध्य प्रदेश से कार्यकर्ताओं को लाने वाली अधिकतर बसें व चार-पहिया वाहन बीएस तीन या चार मानकों के हो सकते हैं। ऐसे में उक्त गाड़ियों को ढील नहीं दी जाएगी।

कितनी भीड़ जुटने का हो रहा एलान: बसों और अन्य वाहनों को सीमावर्ती राज्यों में पार्क करने होंगे। कांग्रेस और विपक्षी दलों की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' व 'दिल्ली चलो' महारैली में करीब 60 से 70 हजार लोगों के शामिल होने का अनुमान है। यह रैली मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित किया जा रहा है।

दिल्ली पुलिस की लगातार बैठकें चल रहीं: कुछ ट्रांसपोर्टरों ने व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा है कि दिल्ली से 250-300 किलोमीटर के दायरे से आने वाले अधिकतर कार्यकर्ता बसों, टेम्पो और निजी गाड़ियों से पहुंचेंगे। प्रतिबंध लागू होने के बाद वे रामलीला मैदान में कैसे पहुंचेंगे। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ दिल्ली पुलिस की लगातार बैठकें चल रही हैं।

राजेश खन्ना की संपत्ति मांग रही अनीता आडवाणी को सुप्रीम कोर्ट से झटका

बांद्रा में फ्लैट और हर महीने गुजारा भत्ता की मांग खारिज

नई दिल्ली। एक्ट्रेस अनीता आडवाणी ने दिवंगत एक्टर राजेश खन्ना के साथ अपने कथित रिश्ते को शादी का दर्जा दिलाने की मांग की थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आज गुरुवार, 29 अक्टूबर को अनीता आडवाणी की इस याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा कि इस याचिका पर विचार करने का कोई आधार नहीं है। कोर्ट ने कहा, यह विलासितापूर्ण मुकदमेबाजी है।

सुप्रीम कोर्ट से पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने अनीता आडवाणी की उस अपील को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने मुंबई की डिंडोशी सत्र अदालत के 2017 के एक आदेश को चुनौती दी थी।

जुलाई 2012 में बॉलीवुड सुपरस्टार राजेश खन्ना के निधन के बाद अनीता आडवाणी ने उनके साथ अपने रिश्ते को शादी का दर्जा दिलाने के लिए सत्र अदालत का दरवाजा खटखटाया था। सत्र अदालत ने अनीता आडवाणी के दीवानी मुकदमे को खारिज कर दिया था। अनीता आडवाणी का दावा है

कि वह कई सालों तक राजेश खन्ना के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में थीं। 2012 में उन्हें खन्ना के बंगले आशीर्वाद से निकाल दिया गया था।

आडवाणी ने आरोप लगाया कि राजेश खन्ना की अलग रह रहीं पत्नी डिंपल कपाड़िया, बेटी ट्विंकल खन्ना और दामाद अक्षय कुमार ने उन्हें राजेश खन्ना के बंगले से निकाला था। मुकदमा दायर करने का कोई आधार नहीं 2015 में, हाई कोर्ट ने आडवाणी की शिकायत को रद कर दिया। वहीं डिंपल कपाड़िया और उनके परिवार की तरफ से इस मुकदमे क खारिज करने के लिए दायर की गई याचिकाओं को स्वीकार कर लिया।उच्च न्यायालय ने कार्यवाही को रद करते हुए कहा कि राजेश खन्ना के साथ अनीता आडवाणी का रिश्ता शादी जैसा नहीं था, इसलिए वह घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम के प्रविधानों के तहत राहत नहीं मांग सकतीं।

अदालत ने यह भी कहा कि दिवंगत फिल्म स्टार के परिवार के सभी सदस्यों को इस कानूनी कार्यवाही में नहीं घसीटा जा सकता, क्योंकि आडवाणी कभी उनके साथ नहीं रहीं।

2013 में, आडवाणी ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005) के तहत डिंपल कपाड़िया, उनकी बेटियों और दामाद के खिलाफ मजिस्ट्रेट के पास शिकायत दर्ज कराई थी।

10 लाख लोगों की रैली से बढ़ेगा दिल्ली का व्यापार, व्यापारी बोले- 20 मिनट दीजिए हम समझा देंगे नुकसान का पूरा गणित

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस पार्टी की महारैली से बाजारों का कारोबार बढ़ने के दावे को व्यापारियों ने खारिज करते हुए कहा है कि दीपावली के बाजार में मोहब्बत की दुकान बंद मत करवाइए।

राहुल गांधी को संबोधित करते हुए व्यापारियों ने कहा कि आपकी मोहब्बत की दुकान का असली चेहरा हम व्यापारी ही हैं। साथ ही, कांग्रेस पार्टी के इस दावे को समझने के लिए कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से 20 मिनट का वक्त भी मांगा है।

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने विपक्ष के नेता को खुला पत्र लिखा है, जिसमें कहा है कि रामलीला मैदान के नजदीक के 20 बड़े होलसेल बाजारों के 20 व्यापारी प्रतिनिधि राहुल गांधी से सिर्फ 20 मिनट का मिलने का समय चाहते हैं। अगर उस मुलाकात में वह हमें यह समझा देते हैं कि एक नवंबर को रामलीला मैदान में 10 लाख लोगों के जुटान से दिल्ली का व्यापार बढ़ेगा, ग्राहक बढ़ेंगे, तो सीटीआई तभी अपना विरोध वापस ले लेगा और रैली का स्वागत करेगा।

हालांकि, 20 मिनट कि उस चर्चा में व्यापारी आपको यह समझा देते हैं कि इस रैली से रामलीला मैदान से जुड़े 20 बड़े बाजारों में व्यापार का नुकसान होगा, तो आपको जनहित में इस रैली को दीपावली तक टालना पड़ेगा।

बिक्री के सबसे बड़े त्यौहार दीपावली के ठीक पहले रैली के जुटी भीड़, जाम और कई सड़कों पर यातायात प्रतिबंधित होने से बड़े स्तर पर व्यापार प्रभावित होने की आशंका को लेकर चलाई जा रही व्यापारियों की मुहिम से कांग्रेस पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। इस ड्रैमेज कंट्रोल में अब उसके द्वारा रैली से व्यापार बढ़ने का दावा किया जा रहा है। दिल्ली कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष मुदित अग्रवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि दिल्ली की जनता और व्यापारी भाई राहुल गांधी की रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रविवार का दिन है, दिल्ली के सभी थोक बाजारों की छुट्टी रहती है, इसलिए सभी व्यापारी साथी बिना किसी रुकावट के भारी संख्या में इस रैली का समर्थन करने पहुंच रहे हैं। जब देश के कोने-कोने से 10 लाख लोग दिल्ली आएंगे, तो यहां के होटलों, रेस्त्रां और स्थानीय बाजारों में खरीदारी बढ़ेगी, जिससे दिल्ली के व्यापार को एक नई रफ्तार मिलेगी। यह रैली जन-आवाज भी बुलंद करेगी और दिल्ली की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करेगी।

संक्षिप्त समाचार

भीलवाड़ा में 15 तोला सोने के लिए महिला की हत्या, रातभर शव जलाकर नदी में फेंकी हड्डियां

उदयपुर, एजेंसी। भीलवाड़ा में 70 वर्षीय कमला देवी कांकरिया की हत्या और करीब 15 तोला सोने के आभूषण लूटने के मामले में पुलिस पूछताछ के दौरान वारदात की परतें खुल रही हैं। पुलिस के अनुसार, पड़ोसी रवि तापड़िया ने साथी हीरा सिंधी के साथ मिलकर कमला देवी की गला दबाकर हत्या की। इसके बाद पहचान मिटाने के लिए पेट्रोल डालकर शव जलाया। सुबह पानी डालकर शव ठंडा किया और हड्डियां बाल्टी में भरकर कोठारी नदी में फेंक दीं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है।पुलिस के मुताबिक, वारदात 12 अक्टूबर की शाम हुई। रवि ने बकाया रकम लौटाने के बहाने कमला देवी को अपने मकान पर बुलाया था। हत्या के बाद आरोपियों ने उनके सोने के झुमके, कंगन और हार ले लिए। आभूषणों का वजन करीब 15 तोला बताया गया है। पूछताछ में सामने आया कि रवि का कमला देवी के पति तेज सिंह से पुराना संपर्क था। वह उनके लिए ब्याज की रकम वसूलता था। आरोप है कि संपत्ति में हिस्सा नहीं मिलने से रवि कमला देवी से नाराज था। मोहल्ले के लोगों का दावा है कि रवि जिस मकान में रहता था, उसका मालिक मनीष करीब आठ साल से लापता है। हालांकि, मनीष के लापता होने और कमला देवी हत्याकांड के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं हुई है।

मप्र के शिवपुरी में दिल दहला देने वाली घटना, दो सगी बहनों ने 4 बच्चों के साथ की आत्महत्या

शिवपुरी, एजेंसी। बैराड़ थाना और कोलारस थाना क्षेत्र से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है. जिसने पूरे शिवपुरी को झकझोर कर रख दिया है. यहां के गूंगरगांव और सेसईपुरा में एक ही दिन में दो सगी बहनों ने मानसिक अवसाद और पारिवारिक

दुखों के चलते अपने-अपने मासूम बच्चों के साथ खेत में आत्महत्या कर ली. इस भयावह दोहरी त्रासदी में दो बहनों और चार बच्चों समेत कुल छह लोगों की जान चली गई. घटना के बाद से क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है. पति की मौत के बाद पत्नी ने उठाया खौफनाक कदम जानकारी के अनुसार, पहली घटना बुधवार दोपहर की है. यहां बैराड़ थाना क्षेत्र के गूंगरगांव निवासी 35 वर्षीय अंजलि ने अपने 6 वर्षीय बेटे प्रशांत के साथ आत्महत्या कर ली. अंजलि 8 महीने की गर्भवती थीं, अंजलि के पति धरमवीर रावत की करीब 1 महीने पहले ही एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी. जिसके बाद से वह गहरे मानसिक तनाव और सदमे में थीं. घटना के वक्त अंजलि अपनी 3 बेटियों को भी साथ लेकर घटनास्थल पर गई थी, लेकिन एक बेटी ने सूझबूझ दिखाते हुए अपना हाथ छुड़ा लिया और वहां से भागकर घर वालों को घटना की जानकारी दी, जिससे अन्य बच्चों की भी जान बच गई. इस हादसे में मां, बेटे और गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई.? गर्भवती महिला के कुल 5 बच्चे थे, जिनमें से 4 बचने में कामयाब रहे. पहली घटना के सदमे से लोग उबर भी नहीं पाए थे कि बुधवार शाम को एक और भयानक खबर सामने आ गई. कोलारस थाना क्षेत्र के सेसई गांव निवासी और अंजलि की बड़ी बहन 40 वर्षीय सीता रावत ने भी अपने तीन बच्चों राखी (14), प्रियंका (11) और 6 वर्षीय बेटे श्लोक के साथ खोंकर गांव स्थित खेत पर आत्महत्या कर ली. शाम करीब छह बजे तक जब सीता और उसके बच्चे घर वापस नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की. परिजन जब खेत पर पहुंचे तो चप्पलें रखी हुई दिखाई दीं. चप्पल के कुछ दूरी पर तीनों के शव दिखाई दिया. शव देखकर परिजन के होश उड़ गए.

मध्य प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: देर रात 12 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, 5 जिलों के एसपी बदले गए

भोपाल, एजेंसी। प्रदेश सरकार ने देर रात 12 आईपीएस अधिकारियों के तबादा कर दिए। इसमें पांच पुलिस अधीक्षक बदले गए हैं। नर्मदापुरम पुलिस अधीक्षक साईंकृष्णा एस थोटा के स्थान पर दीपक कुमार शुक्ला सेनानी 32वीं वाहिनी विशेष शस्त्र बल उज्जैन को पदस्थ किया गया है। वहीं, बैतूल पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन को हटाकर अमित सक्सेना सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय को पदस्थ किया है। पन्ना की पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू के स्थान पर सव्यसाची सराफ पुलिस अधीक्षक साइबर इंदौर को भेजा गया है। इसी तरह पुलिस अधीक्षक हरदा शशांक के स्थान पर अंकित जायसवाल पुलिस अधीक्षक रेल भोपाल और रघुवंश कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर के स्थान पर समर वर्मा पुलिस अधीक्षक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ उज्जैन को पदस्थ किया गया है। गृह विभाग ने देर रात 12 आईपीएस अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी किए। इसमें रघुवंश कुमार से यूपी पुलिस महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक आलीराजपुर को पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय बनाया गया है।

आंध्र तट से टकराने के बाद कमजोर पड़ा 'अर्णब', 9 लोगों की मौत; कई राज्यों में असर

अमरावती, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी से उठा अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान चक्रवात 'अर्णब' बुधवार तड़के 125 से 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंध्र प्रदेश के तट से टकराया। इसके बाद यह कमजोर होकर भीषण चक्रवाती तूफान में बदल गया।

चक्रवात के कारण हजारों पेड़ व बिजली के खंभे उखड़ गए और सड़कें क्षतिग्रस्त हुईं हैं। बिजली का करंट लगने समेत चक्रवात से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में 9 लोगों की मौत हो गई। खराब मौसम के कारण एक मालवाहक जहाज बंगाल की खाड़ी में अंतर्वेदी तट के पास फंस गया।

बुधवार तड़के दो बजे से आठ बजे तक छह घंटे के लैंडफॉल में चक्रवात आंध्र प्रदेश और यानम (पुडुचेरी) के बीच तट से गुजरा। इससे कई इलाकों, खासकर तटीय जिलों में भारी वर्षा हुई।

अधिकारियों के अनुसार एलुरु, पश्चिम गोदावरी और विजयनगरम समेत 10 से अधिक जिलों के सैकड़ों गांव चक्रवात की चपेट में आए। कई इलाकों में 200 मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई और निचले क्षेत्र जलमग्न हो गए। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि चक्रवात से राज्य में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इससे हुए नुकसान का ब्योरा देते हुए उन्होंने कहा कि करंट लगने और दीवार गिरने की घटनाओं में 9 लोगों की मौत हुई है।

तेज हवाओं और मूसलाधार वर्षा से 14 जिलों में 2.24 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में धान समेत खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। राज्य में 15,000 बिजली के खंभे उखड़ गए हैं।

उन्होंने चक्रवात से हुए नुकसान के लिए केंद्र से सहायता मांगी है और गृह मंत्री अमित शाह को चक्रवात की तीव्रता व आंध्र प्रदेश पर उसके असर की जानकारी भी दी है। नुकसान का प्रारंभिक आकलन केंद्र को भेजा जाएगा, जिसके बाद विस्तृत रिपोर्ट सौंपी जाएगी। नायडू ने कहा कि नारियल के बागानों और अन्य बागवानी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है।

नागपुर एमएलसी चुनाव में कांग्रेस ने पलटा पासा, फडणवीस-गडकरी के गढ़ में बीजेपी को हराया

नागपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक में विधान परिषद चुनाव के नतीजे सामने आए हैं। इन राज्यों की कुल 28 सीटों पर एमएलसी चुनाव हुआ। एमएलसी चुनावों को लेकर बुधवार रात तक आए नतीजों में कांग्रेस ने किसी भी राज्य में एक भी सीट नहीं जीती थी, लेकिन आखिरकार महाराष्ट्र में नागपुर एमएलसी सीट पर कांग्रेस का खाता खुल गया है।

स्ब्ष्ट चुनाव में खुल गया कांग्रेस का खाता

नागपुर डिवीजन ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर एक कड़े मुकाबले में, कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा एमएलसी अभिजीत वंजारी ने बीजेपी के उम्मीदवार को 3,271 वोटों से हराया है।

नागपुर की इस सीट पर वोटों की गिनती मंगलवार सुबह शुरू हुई और गुरुवार तड़के जाकर पूरी हुई। कांग्रेस ने मौजूदा एमएलसी वंजारी को मैदान में उतारा था, जिन्हें 67,231 वोट मिले। बीजेपी ने पूर्व विधायक सुधाकर कोहाले को उतारा था, जिन्हें 63,960 वोट मिले। नागपुर सीट पर कांग्रेस का जीतना बीजेपी के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि उसे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के गृह नगर में हार का सामना करना पड़ा है। इन दोनों नेताओं ने सुधाकर कोहाले के लिए जमकर प्रचार किया था। नागपुर में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय भी है। पहली पसंद (फर्स्ट प्रेफरेंस)

के वोटों की गिनती के दूसरे दौर के बाद, कोहाले को 60,924 वोट मिले थे, जबकि वंजारी को 56,630 वोट मिले। निर्दलीय उम्मीदवार नितेश कराले को 24,249 वोट मिले। हालांकि, किसी भी उम्मीदवार को वोटों का जरूरी कोटा नहीं मिल पाने के कारण, गिनती 'दूसरी पसंद' (सेकंड प्रेफरेंस) के वोटों के दौर तक पहुंच गई। एक वरिष्ठ चुनाव अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि एलिमिनेशन राउंड (छंटनी के दौर) के बाद, वंजारी को कुल 67,231 वोट मिले, जबकि कोहाले को 63,960 वोट मिले। नागपुर डिवीजन ग्रेजुएट्स निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व लंबे समय तक केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किया था, जो कई कार्यकाल तक यहां से एमएलसी रहे थे। पिछले चुनाव में कांग्रेस के अभिजीत वंजारी ने बीजेपी उम्मीदवार संदीप जोशी को हराया था। महाराष्ट्र में 5 एमएलसी सीटों पर चुनाव हुए। एमएलसी चुनाव के नतीजों में विपक्षी महा विकास आघाड़ी ने 5 में से 3 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि सत्तारूढ़ महायुति को 2 सीटें मिलीं।

नसीरुद्दीन शाह के 'दिमागी नक्सल' बयान पर पुनीत इस्सर का पलटवार, सरकार पसंद नहीं तो चुनाव लड़ें

मुंबई, एजेंसी। नसीरुद्दीन शाह के 'दिमागी नक्सल' वाला बयान आने के बाद मनोरंजन जगत के सितारों की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अभिनेता पुनीत इस्सर ने भी अपने सीनियर और अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। उनका कहना है कि सरकार और उनके समर्थकों द्वारा उन जैसे आलोचकों को 'एंटी-नेशनल' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' जैसे नाम दिए जाते हैं। नसीरुद्दीन शाह ने वीडियो संदेश में कहा, 'मैं फक्र के साथ कहता हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं।' शाह ने यह भी कहा कि जो लोग भाजपा की

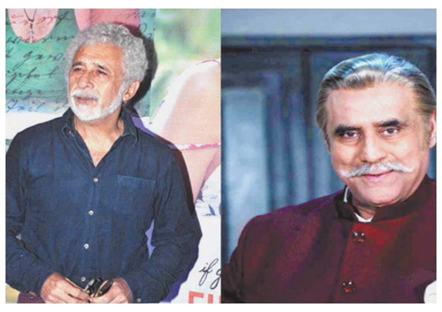

विचारधारा से सहमत नहीं हैं, उन्हें निशाना बनाया जा रहा है और उनसे बदला लेने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने वर्तमान सरकार को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता पुनीत इस्सर ने आईएएनएस के साथ बातचीत में नसीरुद्दीन शाह के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'पहली बात तो यह है कि नसीरुद्दीन शाह जी मेरे सीनियर हैं। उन्होंने हमें पढ़ाया भी है और एक उम्दा किस्म के कलाकार हैं, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि जब वह किसी भी मुद्दे पर बात करते हैं, तो एक तरह की बातें करते हैं। वह दुनिया या फिर हिंदुस्तान के कई मुद्दों पर मूकदर्शक बने रहते हैं।' अभिनेता का कहना है कि नसीरुद्दीन नक्सलियों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, 'उनकी एक तरफा लेफ्टिस्ट वाली सोच है और वे उसी हिसाब से बातें करते हैं। इसी के साथ ही नक्सलियों को छुड़ाने की बात करते हैं और अगर वह इस तरह की बातें करेंगे, तो उनकी भारतीयता पर सवाल तो उठेगा।' पुनीत इस्सर ने कहा, 'मुझे बस यही कहना है कि उनको हर मुद्दे पर अपने विचार रखने, सरकार के खिलाफ बोलने का अधिकार है। अगर उनको सरकार पसंद नहीं आती है तो वह चुनाव लड़ें और इस सरकार को हरा दें, क्योंकि सरकार तो मनमानी से नहीं बनी है और इसे लोगों ने वोट देकर जिताया है।' अभिनेता परेश रावल का कहना है कि कि हर किसी को अपनी भावनाएं व्यक्त करने का अधिकार है।

वास्को में कार एक्सेसरीज की दुकान में भीषण आग, मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत मौके पर पहुंचे

पणजी, एजेंसी। गोवा के वास्को में तिलक मैदान के पास स्थित एक कार एक्सेसरीज की दुकान में बुधवार को

भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि पूरी दुकान जलकर खाक हो गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत खुद स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर उन्होंने कहा कि मुझे 11 बजे इसके बारे में पता चला और मैं खुद यहां आ गया। पूरा प्रशासनिक अमला आग पर काबू पाने के लिए काम कर रहा है। इससे काफी नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस संडे मार्केट में 150 से ज्यादा विक्रेता अपनी दुकानें लगाते थे और यहां कुछ पक्की दुकानें भी हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार की ओर से प्रभावित विक्रेताओं को हर संभव मदद दी जाएगी।

गैरसैंण सत्र: सदन की अवधि पर कांग्रेस का सवाल, अपनी रणनीति भी कठघरे में

गैरसैंण, एजेंसी। ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में विधानसभा के दो-दिवसीय सत्र के आलोक में अब सियासी बहस सत्र की अवधि और विपक्ष की भूमिका पर केंद्रित हो गई है।

मौजूदा विधानसभा के अंतिम सत्र में कांग्रेस ने सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की रणनीति बनाई थी, लेकिन वह इसे धरातल पर मूर्त रूप देने में कामयाब नहीं हो पाई।

भले ही वह अब इसके लिए सत्र की कम अवधि के दृष्टिगत सरकार को निशाने पर ले रही हो, लेकिन वह भ्रष्टाचार के मुद्दे पर ही अड़ी रही। वह चाहती तो कार्यस्थगन की सूचना की ग्राह्यता पर अन्य मुद्दों को उठाकर सरकार को घेर सकती थी। जाहिर है कि उसकी अपनी रणनीति भी कठघरे में है। कांग्रेस ने सत्र आहूत होने की घोषणा के बाद अंकिता भंडारी को न्याय, कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, पलायन, वन्यजीवों का आतंक जैसे मुद्दों पर सरकार को सड़क से सदन तक घेरने की बात कही थी। इसी के दृष्टिगत पार्टी ने सत्र के पहले दिन 27 अक्टूबर को विधानसभा का घेराव भी किया, लेकिन वह इन मुद्दों को सदन में नहीं उठा पाई। यहीं उसकी रणनीतिक चूक सामने आई। कांग्रेस ने सदन के बाहर तो विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया, लेकिन सदन में वह सरकार को नहीं घेर पाई। यद्यपि, इसके लिए उसके पास सत्र का अंतिम दिन ही था, पर उसका भी लाभ उठाने में वह सफल नहीं

हो पाई। वह भी यह जानते हुए कि यह मौजूदा विधानसभा का अंतिम सत्र है। ये बात अलग है कि कांग्रेस अब सदन में विभिन्न मुद्दों को न उठा पाने के लिए दोष सत्र की कम अवधि के दृष्टिगत सरकार पर मढ़ रही है। अब देखने वाली बात यह होगी कि कांग्रेस आगे के लिए क्या रणनीति अपनाती है। कांग्रेस ने सत्र के दोनों दिन कार्यवाही शुरू होने से पहले सदन के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। सत्र के अंतिम दिन हमने काम रोको प्रस्ताव के तहत भ्रष्टाचार पर चर्चा की मांग की थी, लेकिन इसे कार्य स्थगन की ग्राह्यता पर सुनने से भी इनकार कर दिया गया। दरअसल, विभिन्न मुद्दों पर सवालों का जवाब देने से बचना चाहती है, इसीलिए सत्र की अवधि दो दिन रखी गई, ताकि कांग्रेस को अपनी बात रखने का अवसर न मिल सके। सरकार ने सत्र को महज औपचारिकता तक समेट दिया।

भ्रष्टाचार, बेरोजगारी समेत तमाम मुद्दों पर सरकार चर्चा से बच रही है। इसी के चलते सदन की अवधि मात्र दो दिन रखी गई। इसमें भी पहला दिन निधन के निदेश में गुजर गया और दूसरे दिन सरकार ने अनुपूरक बजट व अन्य विधेयक पारित कराकर महज औपचारिकता में सत्र निबटा दिया।

उत्तर प्रदेश एमएलसी चुनाव में संघों की पकड़ पड़ी कमजोर, राजनीतिक दलों का बढ़ा दबदबा

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में शिक्षक राजनीति की तस्वीर बदल रही है। कभी विधान परिषद के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में शिक्षक संगठनों का प्रभाव निर्णायक माना जाता था।

खासकर उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के नेताओं की जीत को संगठन की ताकत और शिक्षकों के बीच उनकी पकड़ का प्रमाण माना जाता था। इस शिक्षक एमएलसी चुनाव में छह में से चार सीटें भाजपा और दो सीटें सपा ने जीती हैं। किसी भी सीट पर माध्यमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधि जीत नहीं सका। इसकी एक बड़ी वजह संगठन की पुरानी एकजुटता का कमजोर होना और राजनीतिक दलों का चुनाव में सक्रिय होना है। शिक्षक संघों के भीतर अलग-अलग गुट और उनके बीच मतभेद भी चुनावी ताकत को प्रभावित करते रहे हैं। शिक्षक राजनीति में माध्यमिक शिक्षक संघ के शर्मा गुट का लंबे समय तक दबदबा रहा। दिवंगत ओमप्रकाश शर्मा 1972 से मेरठ-सहारनपुर शिक्षक निर्वाचन

क्षेत्र से लगातार आठ बार विधान परिषद पहुंचे। करीब 48 वर्ष तक उनका प्रतिनिधित्व शिक्षक राजनीति में संगठन की मजबूत पकड़ का प्रतीक रहा। वर्ष 2020 के चुनाव में भाजपा के श्रीचंद शर्मा ने उन्हें पराजित किया।

इस हार के साथ संगठन के लंबे वर्चस्व को पहली बड़ी चुनौती मिली। अब चुनाव परिणामों ने इस बदलाव को और स्पष्ट कर दिया है। शिक्षक संगठनों की ताकत केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रही है। पुरानी पेंशन, वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों का मानदेय और सेवा सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सरकार के सामने आवाज उठाना भी उनकी भूमिका का अहम हिस्सा रहा है। उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष डॉ. आरपी मिश्र का कहना है कि पहली बार है जब माध्यमिक शिक्षक संघ का कोई प्रतिनिधि नहीं जीता। पिछली बार ध्रुव कुमार त्रिपाठी शिक्षक प्रतिनिधि थे, लेकिन इस बार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े। छह शिक्षक सीटों पर संघ के चार प्रतिनिधियों ने चुनाव लड़ा। उनके मुताबिक, पहले विधान परिषद का यह सदन शिक्षकों का माना जाता था, लेकिन अब यहां भी राजनीतिक दलों का प्रभाव बढ़ गया है। वर्तमान में शिक्षक एमएलसी राजबहादुर सिंह चंदेल ही सदन में हैं।

कनाडा में पकड़ा गया पंजाब का वांटेड गैंगस्टर अमृतपाल बाथन, फर्जी आईडी से खुला इंटरपोल का राज

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के गैंगस्टर अमृतपाल सिंह बाथ को कनाडा में पुलिस ने एक सामान्य जांच के दौरान संयोगवश पकड़ लिया। हत्या, हत्या के प्रयास, नशा तस्करी और फिरौती समेत करीब 20 आपराधिक मामलों में वांछित बाथ अपनी पहचान छिपाकर कनाडा में रह रहा था।

पुलिस ने जिस कार को रोका, उसमें वह यात्री के रूप में बैठा था। उसने पुलिस को हरप्रीत सिंह के नाम का पहचान पत्र दिखाया, लेकिन आइडी की प्रामाणिकता पर संदेह होने के बाद उसकी असली पहचान सामने आ गई। 28 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना आठ अक्टूबर की शाम ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर के व्हाली इलाके में हुई। पुलिस की नजर एक ऐसी कार पर पड़ी, जिसे चालक असामान्य तरीके से चला रहा था। पुलिस का उद्देश्य चालक की नशे की हालत की जांच करना था। इसी दौरान कार में यात्री के रूप में बैठे अमृतपाल बाथ से पूछताछ हुई। बाथ ने अपनी पहचान छिपाने के लिए खुद को हरप्रीत सिंह बताया और इसी नाम का पहचान पत्र पेश किया। हालांकि, पहचान पत्र देखने में असली नहीं लग रहा था। सरे पुलिस के प्रवक्ता इयान मैकडोनाल्ड ने सिटी न्यूज को बताया कि आइडी संदिग्ध लगने के कारण पुलिस ने मामले की आगे जांच की। इंटरपोल के रेड नोटिस से खुला राज पुलिस ने जब डेटाबेस में उसकी जानकारी की जांच की तो पता चला कि वह इंटरपोल के रेड नोटिस पर वांछित है। इसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया और कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी के हवाले कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, अमृतपाल बाथ अभी एजेंसी की हिरासत में है। इस मामले में एक अहम पहलू यह भी है कि कनाडा के अधिकारियों को पहले बाथ के वहां मौजूद होने की जानकारी नहीं थी। जिस कार में वह सवार था, उसके चालक को भी उसकी असली पहचान और आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी थी या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। तरनतारन जिले के मियांपुर गांव का निवासी अमृतपाल सिंह बाथ पंजाब में कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित है। पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है और उसे भारत वापस लाने के लिए कागजी प्रक्रिया शुरू कर दी है। रिपोर्टों के मुताबिक, उसे भारत लाने के लिए प्रत्यर्पण या निर्वासन की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है।

गौरतलब है कि कनाडा में उसकी हिरासत की खबर 26 अक्टूबर को भी सामने आई थी।

उपकप्तानी की जिम्मेदारी पर बोले तिलक वर्मा

‘मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं’

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने अपनी नई भूमिका को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मैदान पर रणनीतिक सुझाव साझा करना उन्हें पसंद है। तिलक ने अपनी फील्डिंग को लेकर भी अनुभव साझा किया और बताया कि साल 2026 में वह एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले फील्डर बन गए हैं।

उपकप्तानी की जिम्मेदारी का आनंद ले रहे हैं तिलक वर्मा

भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने कहा कि वह अपनी नई जिम्मेदारी का भरपूर आनंद उठा रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 के बाद नेतृत्व में हुए बदलाव के दौरान श्रेयस अय्यर को कप्तान और तिलक को उपकप्तान बनाया गया था। तिलक को अपने राज्य हैदराबाद और इंडिया ए टीमों की कप्तानी करने का भी अनुभव है।

श्रेयस अय्यर के साथ मैदान पर साझा करते हैं सुझाव

तिलक वर्मा ने बताया कि वह मैदान पर कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ अपने अनुभव और सुझाव साझा करते रहते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, ‘मैंने अपने राज्य के लिए हर फॉर्मेट में कप्तानी की है। पिछले एक साल से मैं इंडिया ए के लिए भी कप्तानी कर रहा हूं। इसलिए मेरे पास अनुभव और जानकारी है।

‘टी20 क्रिकेट में कप्तानी करना आसान नहीं’

तिलक ने टी20 क्रिकेट में कप्तानी की चुनौतियों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में मुकाबले काफी हाई स्कोरिंग हो रहे हैं, जिससे कप्तान पर दबाव बढ़ जाता है। तिलक के मुताबिक, ऐसी परिस्थितियों में उपकप्तान की भूमिका और भी अहम हो जाती है। उन्होंने कहा, ‘टी20 दबाव वाला खेल है। खासकर आज के समय में, जब मुकाबलों में काफी ज्यादा रन बन रहे हैं, तो दबाव हमेशा रहता है। कप्तान के लिए हर चीज पर नजर रखना मुश्किल होता है।

‘बचपन से ही अच्छी फील्डिंग करना पसंद है’

तिलक ने बताया कि फील्डिंग उनके खेल का पसंदीदा हिस्सा रही है और वह इसे कभी बोझ नहीं मानते। विदेशी परिस्थितियों में तेज हवा, ठंड और हवा में डगमगाती गेंद के बावजूद वह मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, ‘मैं बचपन से ही अच्छा फील्डर रहा हूं। जब भी मैं फील्डिंग का अभ्यास करता हूं, तो इसे कभी बोझ नहीं समझता। विदेश में खेलते समय हवा चलती है, मौसम ठंडा होता है और गेंद हवा में डगमगाती है, लेकिन मुझे हमेशा से फील्डिंग करने में सचमुच मजा आया है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मुकाबला आज

टीम इंडिया में होंगे बड़े बदलाव, कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका

ऑकलैंड। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को खेला जाएगा। शुरुआती तीनों मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम अब प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है। ऐसे में स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को मौका मिलने की उम्मीद है। वहीं, ईशान किशन की फिटनेस और तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर भी सबकी नजरें रहेंगी।

भुवनेश्वर कुमार के प्रदर्शन पर भी रहेगी नजर

अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने वेलिंगटन में पिछले मुकाबले के डेथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की और अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर डाले। हालांकि, शुरुआती तीन मैचों में उन्होंने 72 गेंदों पर 139 रन खर्च किए हैं। चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे भुवनेश्वर को अपनी इकॉनमी में सुधार करना होगा।

कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को मिल सकता है मौका

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को चौथे टी20 मुकाबले में खेलने का अवसर मिल सकता है। दोनों खिलाड़ियों को हाल के महीनों में नियमित मौके नहीं मिले हैं। वरुण का पिछले छह महीनों में प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, जबकि कुलदीप ने मध्य ओवरों में विकेट लेने की अपनी क्षमता दिखाई है।

● **सीरीज जीतने के बाद टीम इंडिया कर सकती है प्रयोग**- भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती तीनों टी20 मुकाबले जीतकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। ऐसे में अगले दो मैचों में टीम प्रबंधन को अपने संयोजन में प्रयोग करने का मौका मिल सकता है।

मयंक यादव या प्रिंस यादव, किसे मिलेगा मौका?

पिछले दो मुकाबलों में मयंक यादव की जगह प्रिंस यादव को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। अब चौथे टी20 में टीम प्रबंधन के सामने दोनों में से किसी एक को चुनने का विकल्प होगा। मयंक को वापसी का मौका मिलता है या टीम प्रिंस पर ही भरोसा जताती है, यह देखना दिलचस्प होगा।

ईशान किशन की फिटनेस पर सस्पेंस

ग्रोइन की चोट के कारण विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन पिछले दो टी20 मुकाबलों में नहीं खेल पाए हैं। अगर वह चौथे मैच से पहले पूरी तरह फिट नहीं होते हैं, तो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर मौका मिल सकता है। सूर्यवंशी ने पिछले मुकाबले में उपयोगी प्रदर्शन किया था, हालांकि अभिषेक शर्मा की विस्फोटक पारी ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी थीं।

मैच कब और कहां खेला जाएगा?

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी20 मुकाबला शुक्रवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार मैच दोपहर 12 :30 बजे शुरू होगा। भारत की नजरें सीरीज में लगातार चौथी जीत दर्ज करने पर होंगी, जबकि न्यूजीलैंड घरेलू मैदान पर जीत के साथ वापसी करना चाहेगा।

सर्बिया में छात्र आंदोलन की जीत पर नोवाक जोकोविच ने जताई खुशी

नई दिल्ली। टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सर्बिया में छात्र आंदोलन की चुनावी जीत पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने पिछले दो वर्षों से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं के संघर्ष, साहस और धैर्य की सराहना की। जोकोविच के मुताबिक, इस आंदोलन ने न सिर्फ सर्बिया बल्कि विदेशों में रहने वाले लोगों के बीच भी गर्व की भावना पैदा की है।

छात्र आंदोलन की जीत पर जोकोविच ने जताई खुशी

स्विट्जरलैंड के बासेल में मंगलवार को स्विस इंडोर्स टूर्नामेंट के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में नोवाक जोकोविच से सर्बिया के राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर सवाल पूछा गया।

दो साल के संघर्ष और दबाव का किया जिक्र

जोकोविच ने कहा, ‘मैं छात्रों और युवाओं का दिल से सम्मान करता हूं, जिन्होंने संघर्ष किया। पिछले दो वर्षों में उन्होंने भारी दबाव के बावजूद अपनी गरिमा और अविश्वसनीय दृढ़ता का परिचय दिया है।’ उन्होंने कहा कि युवाओं ने जिस तरह से परिस्थितियों का सामना किया, उससे वह काफी प्रभावित हैं।

● **युवाओं ने पूरी दुनिया में पैदा की गर्व की भावना** – सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी ने छात्र आंदोलन के प्रभाव पर बात करते हुए कहा, ‘मेरे मन में उनके लिए बहुत प्रशंसा है कि उन्होंने क्या किया और किस तरह से खुद को पेश किया। उन्होंने सभी लोगों के भीतर गर्व की भावना पैदा की है, सिर्फ सर्बिया में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी।’ उनके इस बयान ने आंदोलन के प्रति उनके समर्थन को फिर से सामने ला दिया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ होने टेस्ट सीरीज में लौटेंगे स्मिथ

केप टाउन। ऑस्ट्रेलिया को स्टीव स्मिथ की वापसी के लिए दिसंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज तक इंतजार करना होगा। स्कैन से पता चला है कि उन्हें ‘सर्वाइकल फैसेट जॉइंट’ (गर्दन के जोड़) में चोट लगी है। इस चोट के कारण अनुभवी बल्लेबाज को केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे निर्णायक टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा। पिछले हफ्ते गकेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन स्टीव स्मिथ को गर्दन में दर्द महसूस हुआ। यह समस्या बनी रही और गर्दन की सीमित हलचल के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ा, जो मंगलवार से शुरू हुआ है। इसके बाद में हुई मेडिकल जांच से चोट की प्रकृति साफ हो गई है और उनके ठीक होने के समय के बारे में भी स्पष्ट जानकारी मिल गई है।

रेनशॉ ने कहा कि इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ठीक वही किया, जिसकी उस समय ऑस्ट्रेलिया को जरूरत थी। रेनशॉ ने कहा, ‘वह बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, हमने उन्हें कई व्हाइट-बॉल फॉर्मेट (वनडे और टी20) में ऐसा करते देखा है। आज जब हम मैदान पर उतरे, तो हम पर थोड़ा दबाव था क्योंकि हमने जल्दी-जल्दी दो विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की, वह बहुत सकारात्मक था। यह एकदम उनके अंदाज वाली पारी थी।’

रणजी ट्रॉफी...

मुशीर खान ने गेंद और बल्ले से इतिहास रचा

एलीट ग्रुप डी मुकाबले में शतक लगाने के साथ पांच विकेट लेने का किया कारनामा

मुंबई। रणजी ट्रॉफी में मुंबई के युवा ऑलराउंडर मुशीर खान ने गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया हरियाणा के खिलाफ एलीट ग्रुप डी मुकाबले में मुशीर ने शतक लगाने के साथ पांच विकेट लेने का कारनामा किया। वह 21वीं सदी में एक ही रणजी ट्रॉफी मैच में शतक और पांच विकेट लेने वाले मुंबई के पहले खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले 1990-91 सत्र में रवि शास्त्री ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

मुशीर के शानदार प्रदर्शन से मुंबई ने पहली पारी में हरियाणा पर 160 रन की बढ़त हासिल की। मुंबई ने पहली पारी में 430 रन बनाए, जिसके जवाब में हरियाणा की टीम 270 रन पर सिमट गई। मुशीर ने 85 रन देकर छह विकेट झटके और हरियाणा के शुरुआती पांच विकेट भी अपने नाम किए।

हरियाणा पर फॉलोऑन का दबाव - मुंबई ने हरियाणा को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक हरियाणा ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 73 रन बना लिए थे। टीम अभी भी 87 रन पीछे थी और उसके आठ विकेट बाकी थे। मुशीर ने पिच के मिजाज पर कहा, ‘पिच की रफ्तार काफी धीमी हो गई है। हमारे स्पिनर उन जगहों पर गेंद डालने की कोशिश कर रहे हैं, जहां गेंद ज्यादा उछल रही है और टर्न मिल रहा है।’

हरियाणा की ओर से निशांत सिंधु ने संघर्ष करते हुए पहली पारी में नाबाद 105 रन बनाए। उन्होंने 251 गेंदों का सामना किया और आठ चौके तथा एक छक्का लगाया। दूसरी पारी में भी वह 22 रन बनाकर नाबाद थे। सिंधु ने घरेलू मैदान पर टर्न लेती पिचों पर खेलने के अनुभव को उपयोगी बताया।

आईपीएल से भी सीखा टीम के लिए खेलना

चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के आईपीएल शिविरों का हिस्सा रह चुके सिंधु ने बताया कि अनुभवी खिलाड़ियों से बातचीत ने उनकी सोच बदली है। उन्होंने कहा, ‘जब आप युवा होते हैं, तो सोचते हैं कि यह मेरा खेल है और मैं इसे अपने तरीके से खेलूंगा। लेकिन एमएस धोनी और दूसरे खिलाड़ियों से बात करके मैंने हालात के हिसाब से टीम के लिए खेलना सीखा है।

वनडे सीरीज से पहले शुभमन गिल ने शुरू की तैयारी, नेट्स में बहाया पसीना

ऑकलैंडः न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। ऑकलैंड पहुंचने के बाद गिल नेट्स पर बल्लेबाजी करते नजर आए। इस सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली की भी वापसी होगी। वनडे सीरीज का आगाज 4 नवंबर से ऑकलैंड के ईडन पार्क में होगा।

वनडे सीरीज से पहले नेट्स पर उतरे शुभमन गिल

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड में भारतीय टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास शुरू कर दिया है। गिल टी20 टीम के साथ जुड़ने के बाद नेट्स पर बल्लेबाजी करते दिखाई दिए। उनका पूरा ध्यान आगामी वनडे सीरीज के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत करने पर है।

माथे पर खास डिवाइस पहनकर किया अभ्यास

अभ्यास सत्र के दौरान शुभमन गिल के माथे पर ‘टेंपल’ नाम का फिटनेस ट्रैकिंग डिवाइस भी नजर आया। इस डिवाइस के जरिए उनकी ट्रेनिंग से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। हालांकि, इसके इस्तेमाल के उद्देश्य को लेकर रिपोर्ट में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

अभिषेक शर्मा से बातचीत करते दिखे गिल

अभ्यास के दौरान शुभमन गिल अपने करीबी दोस्त और भारतीय टी20 ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ बातचीत करते नजर आए। अभिषेक ने वेलिंगटन में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में सिर्फ 38 गेंदों पर 113 रन की तूफानी पारी खेली थी।

कब शुरू होगी भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज?

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी। पहला मुकाबला ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। वनडे सीरीज के बाद दोनों टीमें 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में आमने-सामने होंगी। शुभमन गिल दोनों प्रारूपों में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे।

केएल राहुल और गुनूर बराड़ भी टीम से जुड़े

शुभमन गिल के अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज गुनूर बराड़ भी भारतीय टीम से जुड़ गए हैं। राहुल ने नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास किया, जबकि टीम वनडे सीरीज के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है। इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने न्यूजीलैंड की चुनौती होगी।